दिल्ली | गुरूवार , 22 जनवरी, 2026
माघ कृष्ण पक्ष षष्ठी, पिंगल संवत्सर विक्रम संवत 2081,
वर्ष :12 अंक :20 | मूल्य 3.00 रुपए | पृष्ठ 12

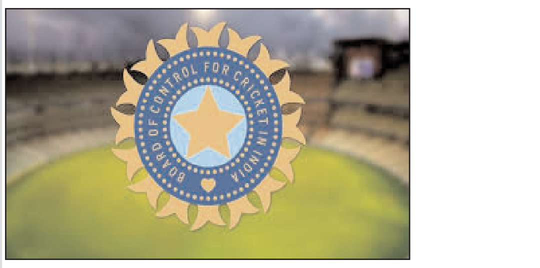

दैनिक विश्व केसरी

vishwakesari.com
दिल्ली

@ खेल आईपीएल 2026 का शेड्यूल जारी...
@ विचार भारत को लोकतांत्रिक मूल्यों को संजोने...
@ व्यापार दीपिंदर गोयल ने इटरनल ग्रुप...

पीएम मोदी ने स्थापना दिवस पर पूर्वोत्तर की शक्ति को किया नमन, बताया- 'प्राकृतिक सुंदरता और वीरता की भूमि'

संवाददाता ■ नई दिल्ली

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मणिपुर के राज्यपाल, मेघालय और त्रिपुरा के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर स्थापना दिवस पर नागरिकों को बधाई दी। मणिपुर के राज्यपाल और मेघालय और त्रिपुरा के मुख्यमंत्रियों ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर यह पत्र साझा किया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया है। प्रधानमंत्री ने अपने पत्रों में इन राज्यों की सांस्कृतिक धरोहर, विकास की दिशा और उनके लोगों की समर्पण भावना की सराहना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा को पत्र भेजा और राज्य के निवासियों को राज्य दिवस की बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने लिखा, 'मेघालय प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर से समृद्ध है। खासी, गारो और जैंतिया समुदायों की परंपराएं इसे और भी खास बनाती हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि मेघालय के लोग हमेशा प्रेरणा देने वाले रहे हैं, खासकर उनकी प्रकृति के प्रति गहरी श्रद्धा और महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में उनके प्रयास।

प्रधानमंत्री ने 2016 में अपनी शिलांग यात्रा की याद भी ताजा की, जब वह नॉर्थईस्टर्न काउंसिल की बैठक में शामिल हुए थे। इसके अलावा, उन्होंने स्वर्गीय पीए संगमा की 10वीं पुण्यतिथि पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनके नेतृत्व में मेघालय ने काफी तरक्की की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा को भी पत्र भेजा और त्रिपुरा के लोगों को राज्य दिवस की बधाई दी।

उन्होंने पत्र में कहा, 'त्रिपुरा को समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और उत्साही लोगों का आशीर्वाद प्राप्त है।' प्रधानमंत्री ने 2025 में अपने त्रिपुरा दौरे का उल्लेख किया, जब उन्होंने नवरात्रि के दौरान माता त्रिपुर सुंदरी मंदिर में पूजा-अर्चना की और मंदिर के विकास कार्यों का जायजा लिया था।

प्रधानमंत्री ने त्रिपुरा की बढ़ती आर्थिक स्थिति, खासकर राज्य में हुए सुधारों और निवेश में वृद्धि की सराहना की। उन्होंने कहा कि आपकी सरकार के प्रयासों से राज्य ने कई नए अवसरों को जन्म दिया है और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित किए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को भी पत्र भेजकर राज्य दिवस की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने मणिपुर की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और कला के क्षेत्र में योगदान को सराहा। उन्होंने मणिपुर की खेल संस्कृति का भी उल्लेख किया, जो वैश्विक मंच पर भारत के युवाओं की ताकत और अनुशासन को प्रदर्शित करती है।

प्रधानमंत्री ने मणिपुर के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को याद किया, विशेष रूप से नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा मणिपुर में तिरंगा फहराए जाने की घटना को। उन्होंने मणिपुर के लोगों की वीरता और संघर्ष की सराहना करते हुए कहा, 'मणिपुर के वीरों की कुर्बानियों को हमेशा याद रखा जाएगा।

हमारे अलावा कोई भी ग्रीनलैंड की रक्षा नहीं कर सकता: ट्रंप

एजेंसी ■ दावोस

दावोस । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बहुप्रतिक्षित विषय यानी ग्रीनलैंड को लेकर भी आक्रामक अंदाज में अपनी राय रखी। कहा कि वह अपने भाषण में ग्रीनलैंड का जिक्र नहीं करना चाहते थे, लेकिन उन्हें लगा कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो इसे गलत समझा जाएगा। मेरे मन में ग्रीनलैंड और डेनमार्क के लोगों का बहुत सम्मान है।

उन्होंने कहा कि नाटो के हर सहयोगी देश की जिम्मेदारी है कि वह अपने इलाके की रक्षा खुद कर सके। ट्रंप के मुताबिक सच्चाई यह है कि अमेरिका के अलावा कोई भी देश या देशों का समूह ग्रीनलैंड की सुरक्षा नहीं कर सकता।

ट्रंप ने इतिहास याद दिलाते हुए कहा कि दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी ने डेनमार्क पर कब्जा कर लिया था और उस समय अमेरिका को ग्रीनलैंड की रक्षा करनी पड़ी थी। बाद में अमेरिका ने ग्रीनलैंड वापस कर दिया, जिसे ट्रंप ने अमेरिका की बड़ी गलती बताया और डेनमार्क को एहसान फरामोश तक बता दिया।

"अगर दूसरे विश्व युद्ध में अमेरिका ने दखल नहीं दिया होता, तो आज लोग जर्मन और कुछ हद तक जापानी भाषा बोल रहे होते"

उन्होंने कहा, 'अगर दूसरे विश्व युद्ध में अमेरिका ने दखल नहीं दिया होता, तो आज लोग जर्मन और कुछ हद तक जापानी भाषा बोल रहे होते।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड को अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी बताया और कहा कि वे इसे इसी वजह से अमेरिका में शामिल करना चाहते हैं, न कि वहां मौजूद दुर्लभ खनिजों की वजह से। अमेरिका ग्रीनलैंड को अपने साथ जोड़ने को लेकर तुरंत बातचीत शुरू करना चाहता है।

यूएस के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'ग्रीनलैंड की रणनीतिक अहमियत बहुत ज्यादा है। यह इलाका बहुत बड़ा है, लगभग खाली है और वहां न के बराबर विकास हुआ है। ग्रीनलैंड अमेरिका, रूस और चीन के बीच एक बेहद अहम जगह पर है और इसकी सही तरह से सुरक्षा नहीं हो रही है। जैसे-जैसे दुर्लभ धातुओं का महत्व बढ़ा है, वैसे-वैसे ग्रीनलैंड की अहमियत भी बढ़ी है। ग्रीनलैंड उत्तरी अमेरिका का हिस्सा है और इसलिए यह अमेरिका का इलाका है।

विधायिका ही न्याय, समता और संप्रभुता का आधार: सीएम योगी

लखनऊ। लोकतंत्र की आत्मा विधायिका में निहित है और यहीं से न्याय, समता व संप्रभुता का मार्ग तय होता है। 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह बात कहते हुए सम्मेलन को लोकतांत्रिक संस्थाओं को नई दिशा देने वाला बताया। तीन दिन तक चले इस सम्मेलन में देशभर से आए पीठासीन अधिकारियों के अनुभव, संवाद और मंथन के बाद विकसित भारत-2047' के लक्ष्य को लेकर छह महत्वपूर्ण संकल्प पारित किए गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के माध्यम से पिछले तीन दिनों में देशभर से आए पीठासीन अधिकारियों, विधायी कार्यों से जुड़े अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आयोजन ने लोकतांत्रिक संस्थाओं को नई ऊंचाई देने का कार्य किया है। वास्तव में न्याय कैसे प्राप्त होगा, यह विधायिका के माध्यम से ही तय होता है। सरकार की योजनाएं कैसे क्षमता-आधारित समाज के निर्माण में योगदान दें, इसका मंच भी विधायिका ही है। संप्रभुता का सशक्त उदाहरण विधायिका प्रस्तुत करती है, जहां सहमति और असहमति के बीच सार्थक संवाद देखने को मिलता है। यह भारत का सौभाग्य है कि यहां लोकतंत्र की सर्वोच्च व्यवस्था लागू है।

फ्रांस और कनाडा ने बड़ी ताकतों के खतरे का मुकाबला करने के लिए एकजुटता की अपील की

संवाददाता ■ न्यूयॉर्क

स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल हो रहे हैं। दूसरी तरफ, ट्रंप ने फ्रांस के पेरिस में जी7 की आपातकालीन बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने जी7 में शामिल होने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति को निमंत्रण दिया था, जिस पर ट्रंप ने कहा कि नहीं, मैं ऐसा नहीं करूंगा, क्योंकि इमैनुएल बहुत लंबे समय तक वहां नहीं रहने वाले हैं और वहां कोई स्थायित्व नहीं है। इससे पहले उन्होंने फ्रांसीसी राष्ट्रपति के साथ अपनी बातचीत का एक स्क्रीनशॉट ट्रूथ सोशल पर साझा किया था।

ट्रंप के ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के कदम और कनाडा पर कब्जा करने में उनकी नई दिलचस्पी को लेकर वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के नेताओं ने बड़ी ताकतों के दबाव का विरोध करने की अपील की।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि दुनिया के सामने जो अस्थिरता और असंतुलन है, उसका जवाब उभरते देशों, ब्रिक्स और जी20 के साथ पुल बनाना और ज्यादा सहयोग करना है।'

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा, 'मिडिल पावर्स को मिलकर काम करना चाहिए क्योंकि अगर आप टेबल पर नहीं हैं, तो आप मेन्यू में हैं। बड़ी ताकतें अब अकेले चलने का जोखिम उठा सकती हैं।

उन्होंने कहा, 'वर्ल्ड ऑर्डर टूट रहा है, एक अच्छी कल्पना का अंत हो रहा है और एक क्रूर सच्चाई की शुरुआत हो रही है, जहां बड़ी ताकतों की भू-राजनीति पर कोई रोक नहीं है।

ट्रंप या अमेरिका का नाम लिए बिना, उन्होंने कहा, 'मैं सीधे कहता हूं, हम एक बदलाव के नहीं, बल्कि बिखरने के बीच में हैं। ग्रीनलैंड पर कब्जा का विरोध कर रहे देशों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने अगले महीने फ्रांस और डेनमार्क का समर्थन करने वाले सात दूसरे देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है। यूरोपियन यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने चेतावनी दी कि ट्रंप का एक्शन हमें खतरनाक रास्ते की ओर ले जाएगा, जो सिर्फ उन्हीं दुश्मनों की मदद करेगा, जिन्हें हम रणनीतिक माहौल से बाहर रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अमेरिकी अधिकारियों ने दावोस में यूरोपियन लोगों को भरोसा दिलाने की कोशिश की। अमेरिकी वित्त विभाग के सचिव स्कॉट बेसेंट ने शांति बनाए रखने की अपील की और कहा कि लेटेस्ट टैरिफ खतरों की तुलना ट्रंप द्वारा अप्रैल में घोषित बड़े टैरिफ से की जा सकती है।

ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जैमीसन ग्रीर ने फोरम में अपने भाषण में कहा कि टैरिफ खतरा बातचीत की एक चाल थी। ट्रंप इस मोर्चे पर जो उम्मीद करते हैं, उसे लेकर बहुत साफ हैं।

वहीं, इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि अमेरिका खुले तौर पर टैरिफ के जरिए यूरोप को कमजोर और अपने अधीन करना चाहता है। इससे नियमों पर आधारित व्यवस्था खत्म हो रही है।

चीन में 5जी उपयोगकर्ताओं की संख्या 1.2 अरब से अधिक

एजेंसी ■ बीजिंग

चीनी राज्य परिषद के सूचना कार्यालय ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर वर्ष 2025 तक औद्योगिक और सूचना प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्र में देश द्वारा हासिल प्रमुख उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि चीन ने अब तक 48 लाख 38 हजार 5जी बेस स्टेशन स्थापित कर लिए हैं, जो देश के सभी कस्बों तथा लगभग 95 प्रतिशत प्रशासनिक गांवों को कवर करते हैं। यह विश्व की सबसे बड़ी और सर्वाधिक उन्नत सूचना अवसंरचना प्रणाली मानी जा रही है। वर्तमान में चीन में 5जी उपयोगकर्ताओं की संख्या 1.2 अरब से अधिक हो चुकी है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी बताया गया कि वैश्विक स्तर पर 5जी मानक के लिए आवश्यक पेटेंट घोषणाओं में चीन का हिस्सा 42 प्रतिशत है। साथ ही, चीन ने 6जी प्रौद्योगिकी अनुसंधान एवं विकास के पहले चरण के तकनीकी परीक्षण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिसके दौरान 300 से अधिक प्रमुख प्रौद्योगिकियों का भंडार तैयार किया गया है। अब 6जी तकनीक के दूसरे चरण का परीक्षण कार्य आरंभ हो गया है।

छत्तीसगढ़ कैबिनेट ने आबकारी नीति 2026-27 को दी मंजूरी

विशेष संवाददाता ■ नवा रायपुर

छत्तीसगढ़ कैबिनेट ने बुधवार को छत्तीसगढ़ आबकारी नीति वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रस्ताव का अनुमोदन किया तथा इससे संबंधित समस्त अनुषांगिक कार्यवाहियों के लिए विभाग को अधिकृत किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में महानदी भवन मंत्रालय में आयोजित कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया।

मंत्रिपरिषद द्वारा नवा रायपुर अटल नगर में उच्च कोटि का शैक्षणिक संस्थान स्थापित किए जाने हेतु विले पारले केलवाणी मंडल (SVKM) को उनके नरसी मोंजी प्रबंधन अध्ययन संस्थान की स्थापना के लिए सेक्टर-18 में चिन्हांकित लगभग 40 एकड़ भू-खंड का आबंटन लीज के रूप में एकमुश्त 90 वर्षों के लिए करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

SVKM एक ख्यातिप्राप्त संस्था है, जो वर्ष 1934 से शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत है तथा वर्तमान में 30 शैक्षणिक संस्थान संचालित कर रही है। यह संस्था प्रति वर्ष प्री-प्राइमरी से लेकर डॉक्टोरल कार्यक्रमों तक एक लाख से अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करती है। वर्ष 2025 की एनआईआरएफ यूनिवर्सिटी रैंकिंग में इस संस्था को 52वां स्थान प्राप्त हुआ है। नवा रायपुर में इस राष्ट्रीय स्तर के संस्थान की स्थापना से राज्य में आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को और मजबूती मिलेगी।

आगे मंत्रिपरिषद ने नवा रायपुर अटल नगर में चार नवीन उद्यमिता केंद्रों की स्थापना के लिए सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (STPI) के साथ एमओयू किए जाने का निर्णय लिया। इससे राज्य में आईटी/आईटीईएस उद्योग तथा तकनीकी स्टार्ट-अप इकोसिस्टम को प्रोत्साहन मिलेगा।

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (STPI) के 68 केंद्र संचालित हैं, जिनमें से 60 भारत के टियर-2 और टियर-3 शहरों में स्थित हैं। STPI छत्तीसगढ़ सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से एआई, मेडटेक (हर्बल मेडिसिन एवं वन उत्पाद आधारित), स्मार्ट सिटी तथा स्मार्ट एग्री उद्यमिता केंद्रों के माध्यम से आगामी तीन से पांच वर्षों में डोमेन-विशेष के 133 स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देगा।

राज्य सरकार द्वारा छात्रों, उद्यमियों, शोधकर्ताओं तथा उद्योगों को ईएसडीएम उत्पादों के प्रोटोटाइप विकसित करने में सहयोग प्रदान करने के लिए STPI के माध्यम से एक इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एवं विकास (ESDD) केंद्र स्थापित किया जाएगा, जो प्रति वर्ष 30 से 40 हार्डवेयर स्टार्ट-अप और एमएसएमई को समुचित सहायता प्रदान करेगा। मंत्रिपरिषद ने राज्य के सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण जांच सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने, वर्तमान संसाधनों को सुदृढ़ करने तथा निर्धारित मानकों के अनुसार जांचों की संख्या बढ़ाने के लिए जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में लैब के प्रभावी संचालन हेतु आवश्यक निर्णय भी लिए।

मांसाहार प्रोटीन में कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने की संभावना

मांसाहारी प्रोटीन से बेहतर है प्लांट बेस्ड प्रोटीन, जानें सेवन का तरीका

एजेंसी ■ नई दिल्ली

शरीर को सुचारू रूप से चलाने और मांसपेशियों को मजबूत रखने के लिए प्रोटीन शरीर के लिए बहुत जरूरी है। जिम में कसरत करने वाले लोग भी अपने डेली रूटीन में प्रोटीन का बड़ा हिस्सा लेते हैं, क्योंकि मांसपेशियों को रिकवर करने के लिए भरपूर मात्रा में प्रोटीन की जरूरत पड़ती है। आमतौर पर लोगों के बीच धारणा है कि प्रोटीन ज्यादातर मांसाहारी चीजों से पाया जा सकता है, और अंडा व मांसाहारी भोजन के सेवन के बिना शरीर कमजोर हो जाता है, लेकिन ये पूरी तरह गलत है।

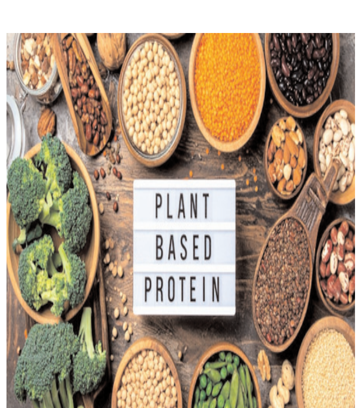

शाकाहारी लोग प्लांट-बेस्ड प्रोटीन का सेवन कर सकते हैं। विदेशों से लेकर हमारे देश में भी अब मांसाहारी प्रोटीन लेने के बजाय प्लांट-बेस्ड प्रोटीन की तरफ लोगों का रुझान बढ़ रहा है। आज हम जानेंगे कि प्लांट-बेस्ड प्रोटीन को कैसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं और इसके क्या-क्या फायदे भी हैं। अभी तक माना गया है कि दूध में कैल्शियम और मीट में प्रोटीन ज्यादा पाया जाता है, लेकिन वहीं बादाम कैल्शियम का सबसे अच्छा और बेहतरीन विकल्प है और अंकुरित दालों से भरपूर प्रोटीन भी मिल सकता है।पौधों से मिलने वाला प्रोटीन शरीर के लिए ज्यादा उपयोगी होता है, जबकि दूध के अधिक सेवन से शरीर में कई समस्याएं हो सकती है। इसके अलावा कई लोगों में लैक्टोज के प्रति भी असहिष्णुता होती है; इससे पाचन संबंधी परेशानी भी होती है।

दूसरा, मांसाहार में आने वाले प्रोटीन पदार्थों में कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने की संभावना सबसे ज्यादा होती है। मीट, अंडे और रेड मीट रक्त में खराब वसा को बढ़ाते हैं और हृदय से जुड़े रोग होने की संभावना भी रहती है, लेकिन प्लांट-बेस्ड प्रोटीन में कोलेस्ट्रॉल होता ही नहीं है। प्लांट-बेस्ड प्रोटीन शरीर को फाइबर देता है, जिससे गंदगी को बाहर निकलने में मदद मिलती है और शरीर को भरपूर मात्रा में ऊर्जा भी मिलती है।

अब सवाल है कि किन चीजों से प्लांट-बेस्ड प्रोटीन ले सकते हैं। इसके लिए दाल, सोया, टोफू, सूखे मेवे, सीड्स, हरी सब्जियां, कच्ची मूंगफली, और अनाज का सेवन किया जा सकता है। आम इंसान के लिए प्रोटीन अपने शरीर के वजन के आधार पर लिया जाता है। मान लीजिए आपका वजन 50 किलोग्राम है, तो रोजाना आपको अपनी डाइट में 50 ग्राम प्रोटीन जरूरी होगा। इसके लिए मूंग की दाल को अंकुरित कर सकते हैं, मूंग की दाल का चीला बना सकते हैं, टोफू की सब्जियों के साथ सलाद बना सकते हैं, और बीन्स और राजमा के कबाब या टिक्की बनाकर ले सकते हैं।

सदन का समय कीमती, संवाद से ही निकलेगा समाधान : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधान भवन में आयोजित तीन दिवसीय 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन (एआईपीओसी) को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि इस सम्मेलन में हुई सार्थक चर्चा और संवाद से विधायी संस्थाओं को अधिक जवाबदेह और पारदर्शी बनाने की दिशा तय हुई है।

उन्होंने कहा कि विचार-विमर्श के दौरान नवाचारों पर सहमति बनी, जिससे संस्थाएं जनता के और अधिक करीब पहुंचेंगी।

ओम बिरला ने कहा कि सम्मेलन में लिए गए निर्णयों और पारित संकल्पों को धरातल पर उतारने की दिशा में सभी आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में छह महत्वपूर्ण संकल्प पारित किए गए हैं, जिनमें विधायिकाओं की कार्यक्षमता बढ़ाने, तकनीक के उपयोग और जनभागीदारी को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा में 36 घंटे तक चली चर्चा में वर्ष 2047 के विजन डॉक्यूमेंट पर गंभीर मंथन हुआ, जो लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए एक सकारात्मक उदाहरण है।

उन्होंने यह भी बताया कि सम्मेलन में विधानसभाओं की लगातार घटती बैठकों की संख्या पर चिंता व्यक्त की गई और इसे बढ़ाने पर व्यापक सहमति बनी। यदि विधानसभाओं में सकारात्मक सोच के साथ काम किया जाए, तो निश्चित रूप से बेहतर और परिणामोन्मुखी निर्णय सामने आएंगे। सदन की कार्यवाही को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए कई बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई है।

ओम बिरला ने कहा कि आगामी समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग से सांसदों और विधायकों की क्षमता संवर्धन किया जाएगा, ताकि वे अधिक प्रभावी ढंग से जनहित के मुद्दों को उठा सकें और आधुनिक चुनौतियों का समाधान कर सकें। उनकी सबसे बड़ी चिंता सदन में लगातार हो रहा गतिरोध और व्यवधान है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सदन का समय अत्यंत कीमती है और इसका उपयोग चर्चा और संवाद के लिए होना चाहिए, न कि हंगामे के लिए।

संक्षिप्त खबर

गणतंत्र दिवस पर स्वदेशी लाइट फील्ड गन से ऐतिहासिक 21 तोपों की सलामी

नई दिल्ली । गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज को 21 तोपों की सलामी देना एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक परंपरा है। इस परंपरा के तहत गणतंत्र दिवस पर 21 तोपों की सलामी के लिए 105 मिमी लाइट फील्ड गन का उपयोग किया जा रहा है।

गौरतलब है कि यह भारत में ही बनी एक पूर्णत स्वदेशी तोप प्रणाली है। यह प्रणाली आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भारत की रक्षा निर्माण क्षमता को प्रदर्शित करती है। पहले 21 तोपों की सलामी के लिए ब्रिटिश काल की 25 पाउंडर तोपों का इस्तेमाल किया जाता था।

रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक 105 मिमी लाइट फील्ड गन के प्रयोग से न केवल पुरानी परंपरा को आधुनिक स्वरूप मिला है, बल्कि स्वदेशी रक्षा प्रणालियों के सशक्त होने का संदेश गया है। यह स्वदेशी रक्षा प्रणालियों पर भारतीय सेना के बढ़ते विश्वास का भी प्रतीक है। राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिया जाने वाला 21 तोपों का सलामी समारोह भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को प्रदान किया जाने वाला सर्वोच्च सैन्य सम्मान है। यह सलामी कर्तव्य पथ के लॉन से दी जाती है। भारतीय सेना द्वारा संचालित इस समारोह का प्रत्येक क्षण अत्यंत अनुशासन, सटीकता और गरिमा का प्रतीक होता है। दरअसल 1721 फील्ड बैटरी (सेरेमोनियल) भारतीय सेना की एक प्रतिष्ठित आर्टिलरी बैटरी है। यह यूनिट राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में तैनात है। यह बैटरी देश के सर्वोच्च एवं गरिमामय राष्ट्रीय अवसरों पर तोपों की सलामी देने की परंपरा का निर्वहन करती है। जिन विशेष अवसरों पर यह यूनिट तोपों की सलामी देती है उनमें गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ, शहीद दिवस पर राजघाट, स्वतंत्रता दिवस पर लाल किला तथा राष्ट्रपति भवन में विदेशी राष्ट्राध्यक्षों एवं सरकार प्रमुखों के औपचारिक स्वागत के समारोह शामिल हैं। 1721 फील्ड बैटरी, 172 फील्ड रेजिमेंट का अभिन्न अंग है, जो पूर्व में 36 आर्टिलरी ब्रिगेड के अधीन रही है।

सलामी के लिए भारतीय तोपों का इस्तेमाल एक ऐतिहासिक परिवर्तन रहा है। इसके तहत सेरेमोनियल बैटरी 21 तोपों की सलामी के लिए सेना 105 मिमी लाइट फील्ड गन का उपयोग कर रही है। यह पूरी तरह से भारतीय तोप प्रणाली है। यह रक्षा निर्माण क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत को प्रदर्शित करती है। कुछ साल पहले तक ब्रिटिश काल की 25 पाउंडर तोपों से सलामी दी जाती थी, लेकिन अब इसका स्थान आधुनिक भारतीय तोप ने ले लिया है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर यह सलामी कर्तव्य पथ के लॉन से दी जाती है। तोपों की फायरिंग तीन समकालिक क्रियाओं के साथ पूरी तरह से समन्वित रहती है। इसमें प्रोटोकॉल अधिकारी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का आरोहण, सेवा बैंड द्वारा राष्ट्रीय गान का वादन तथा प्रेसिडेंट्स बॉडी गार्ड द्वारा राष्ट्रीय सलामी शामिल है। सेना का मानना है कि 105 मिमी लाइट फील्ड गन की गूंज के साथ दी जाने वाली यह 21 तोपों की सलामी भारत की सैन्य परंपराओं की निरंतरता को दर्शाती है। इसके साथ ही यह आधुनिक, सक्षम और आत्मनिर्भर भारतीय सेना की सशक्त छवि को भी राष्ट्र और विश्व के समक्ष प्रस्तुत करती है।

दिल्ली में घटा अपराध, 2024 के मुकाबले 2025 में हत्या और रेप जैसी घटनाएं कम हुईं

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पुलिस की सख्ती के बाद आपराधिक घटनाओं में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। 2024 की तुलना में 2025 में दिल्ली में हत्या, बलात्कार और अन्य जघन्य अपराधों में कमी आई है। इस संबंध में दिल्ली पुलिस ने ताजा आंकड़े जारी किए हैं।

दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, बलात्कार के मामलों में कमी देखी गई। जहां 2023 में रेप के कुल 2,141 मामले दर्ज किए गए, वहीं यह संख्या 2024 में घटकर 2,076 थी। 2025 में रेप के मामले घटकर दो हजार से नीचे 1,901 दर्ज किए गए। पिछले एक साल में दिल्ली पुलिस ने 97.11 प्रतिशत मामलों को हल किया है।

महिलाओं से जुड़े अन्य अपराधों में भी लगातार गिरावट देखी गई है। 2023 में कुल 2,345 मामले दर्ज किए गए थे। यह संख्या 2024 में घटकर 2,037 हो गई और 2025 में और कम होकर 1,708 हो गई। पुलिस ने ऐसे मामलों में 95 प्रतिशत मामलों को सुलझाने का दावा किया।

छेड़छाड़ के मामलों में भी लगातार कमी आई है। 2025 में 337 मामले दर्ज किए गए, जबकि इससे पहले 2023 में 381 मामले और 2024 में 362 सामने आए थे। 2025 में इन मामलों को सुलझाने की दर 89 प्रतिशत रही।

वहीं, 2023 में 506 हत्या के मामले दर्ज किए गए और 2024 में यह संख्या 504 पर थी। 2025 में गिरावट के साथ यह संख्या 500 से नीचे यानी 491 पर पहुंच गई है। पुलिस ने 2025 में हत्या की 95.32 प्रतिशत घटनाओं को सुलझाने का दावा भी किया है। इसी तरह हत्या के प्रयास के मामले 2024 के मुकाबले 2025 में कम हुए। 2023 में 757 हत्या की कोशिश के मामले दर्ज किए गए, जो 2024 में बढ़कर 898 तक पहुंचे। हालांकि 2025 में घटकर यह संख्या 854 पर आई। 98.13 प्रतिशत मामलों को सुलझाया गया है।

पिछले तीन सालों में डकैती के मामलों में लगातार कमी आई है। 2023 में कुल 1,654 मामले दर्ज किए गए थे। यह आंकड़ा 2024 में घटकर 1,510 हो गया और 2025 में और घटकर 1,326 हो गया। पुलिस ने इनमें से 97 प्रतिशत मामले सुलझाए। 2025 में फिरौती की 212 घटनाएं भी दर्ज की गईं, जो 2024 के मुकाबले (228 केस) कम थीं। स्नैचिंग के मामलों में भी गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि 2023 में 7,886 स्नैचिंग के मामले दर्ज किए गए। यह संख्या 2024 में घटकर 6,493 हो गई और 2025 में और कम होकर 5,406 हो गई। हालांकि, 2025 में मामलों को सुलझाने की दर 64 प्रतिशत पर कम रही।

क्रांतिकारी रास बिहारी बोस की पुण्यतिथि : केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सहित भाजपा नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, योगी आदित्यनाथ, रेखा गुप्ता सहित भाजपा नेताओं ने बुधवार को स्वतंत्रता सेनानी रास बिहारी बोस की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने बोस को असाधारण नेता बताते हुए उनके सांगठनिक कौशल को प्रेरणादायी बताया। गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'गदर क्रांति से लेकर 'आजाद हिंद फौज' की स्थापना तक, रास बिहारी बोस ने देश के स्वाधीनता संग्राम को नई दिशा दी। 'इंडियन इंडिपेंडेंस लीग' के माध्यम से उन्होंने विदेशों में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के लिए समर्थन और संसाधन जुटाकर आजादी की लड़ाई को और भी विस्तार दिया।

देवघर में बसंत पंचमी पर बाबा बैद्यनाथ को तिलक चढ़ाएंगे मिथिलांचल से आए 'ससुरालिए, उमड़ रहा आस्था का सैलाब

देवघर । भगवान शंकर के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में सर्वश्रेष्ठ बाबा बैद्यनाथ धाम में बसंत पंचमी के पावन पर्व से पहले ही आस्था का ऐसा सैलाब उमड़ पड़ा है, जो अपने आप में अद्भुत और अविस्मरणीय है। चारों ओर 'बाबा बैद्यनाथ' के जयघोष गूंज रहे हैं और वातावरण शिवमय हो गया है।

बसंत पंचमी के दिन शुक्रवार को देशभर में मां सरस्वती की आराधना होगी, उसी दिन देवघर में बाबा बैद्यनाथ का पारंपरिक तिलकोत्सव मनाया जाएगा। तिलक-अभिषेक के बाद लाखों श्रद्धालु अबीर-गुलाल के साथ उल्लास में डूब जाएंगे। यह पर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मिथिलांचल और देवघर की सांस्कृतिक आस्था का जीवंत प्रतीक है। हर वर्ष बसंत पंचमी से दो-तीन दिन पहले ही बाबा के दरबार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने लगती है। इस बार 2 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के देवघर पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। इस आस्था के सैलाब के पीछे गहरी लोकमान्यता जुड़ी है। मान्यता के अनुसार, देवी पार्वती पर्वतराज हिमालय की पुत्री हैं और भगवान शंकर मिथिला के दामाद। मिथिलांचल क्षेत्र नेपाल की तराई से लेकर बिहार के बड़े हिस्से तक फैला है। महाशिवरात्रि पर शिव-पार्वती विवाह के उत्सव से पहले मिथिलांचल के लाखों श्रद्धालु बसंत पंचमी के दिन देवघर पहुंचकर बाबा बैद्यनाथ का तिलक करते हैं और जलार्पण कर अपनी श्रद्धा निवेदित करते हैं।

इस बार भी बाबा की 'ससुराल' माने जाने वाले मिथिलांचल से एक लाख से अधिक श्रद्धालु पहले ही देवघर पहुंच चुके हैं। तिरहुत, दरभंगा, मधुबनी, सहरसा, पूर्णिया, कटिहार, कोसी क्षेत्र, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, सीतामढ़ी, मधेपुरा, मुंगेर और नेपाल के तराई इलाकों से आए श्रद्धालुओं से पूरा देवघर गुलजार है।

खास बात यह है कि ये श्रद्धालु होटल या धर्मशाला में ठहरने के बजाय खुले मैदानों या सड़कों के किनारे ही रुकते हैं। इसके पीछे मिथिलांचल की यह मान्यता है कि दामाद के घर जाकर ठहरना उचित नहीं होता। अधिकांश श्रद्धालु बिहार के सुल्तानगंज से गंगा जल लेकर 108 किलोमीटर की कठिन कांवड़ यात्रा पैदल तय कर बाबा के दरबार तक पहुंचे हैं। रास्ते भर नचारी और वैवाहिक गीत गाते हुए वे भोलेनाथ को रिझाते हैं। वसंत पंचमी के दिन जलार्पण के साथ बाबा को अपने खेत की पहली फसल की बाली और घर में बने शुद्ध घी का भोग अर्पित किया जाएगा।

इसके बाद अबीर-गुलाल के साथ उत्सव मनाया जाएगा। मिथिलांचल में इसी दिन से होली के आगमन की शुरुआत मानी जाती है। बसंत पंचमी के दिन श्रृंगार पूजा से पहले बाबा पर फुलेल लगाया जाएगा और लक्ष्मी नारायण मंदिर में पुजारियों द्वारा तिलक की विधि संपन्न कराई जाएगी। इसके ठीक 25 दिन बाद महाशिवरात्रि पर भगवान शंकर और माता पार्वती का दिव्य विवाह रचाया जाएगा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क है।

उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने बाबा मंदिर क्षेत्र में भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, स्वास्थ्य शिविर और बिजली व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए हैं। बसंत पंचमी के दौरान वीवीआईपी और आउट ऑफ टर्न दर्शन पर पूरी तरह रोक लगाई गई है। केवल शीघ्र दर्शनम कूपन की सुविधा जारी रहेगी, जिसकी दर अस्थायी रूप से बढ़ाई गई है।

ड्राफ्ट एनईपी 2026 सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी, 2047 तक देश में सस्ती और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति का लक्ष्य

नई दिल्ली । सरकार ने बिजली क्षेत्र को भविष्य के लिए तैयार करने के उद्देश्य से 'ड्राफ्ट नेशनल इलेक्ट्रिसिटी पॉलिसी (एनईपी) 2026' को सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी कर दिया है। इसका उद्देश्य देश को आर्थिक रूप से मजबूत, पर्यावरण के अनुकूल और भरोसेमंद बिजली व्यवस्था प्रदान करना है। सरकार ने कहा कि इस मसौदे पर सभी हितधारकों से सुझाव मांगे गए हैं। यह ड्राफ्ट नीति 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इसके तहत सरकार का लक्ष्य 2030 तक प्रति व्यक्ति बिजली खपत को 2,000 यूनिट (किलोवाट-घंटे) और 2047 तक 4,000 यूनिट से ज्यादा करना है।

ड्राफ्ट एनईपी 2026 भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं के अनुरूप भी है, जिसमें कहा गया है कि 2030 तक कार्बन उत्सर्जन की तीव्रता को 2005 के स्तर से 45 प्रतिशत कम किया जाएगा और 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल किया जाएगा। इसके लिए स्वच्छ और कम कार्बन वाली ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ना जरूरी बताया गया है। विद्युत मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि एक बार अंतिम रूप दिए जाने के बाद यह नई नीति 2005 में बनी मौजूदा एनईपी की जगह लेगी।

'ड्राफ्ट नीति 2026' के मुताबिक, बिजली की जरूरतों को समय पर पूरा करने के लिए डिस्कॉम और एसएलडीसी राज्य स्तर पर रिसोर्स एडिक्वेसी (आरए) प्लान तैयार करेंगे। वहीं, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) पूरे देश के लिए एक राष्ट्रीय योजना बनाएगा।

नीति में यह भी कहा गया है कि बिजली दरों यानी टैरिफ को एक उपयुक्त इंडेक्स से जोड़ा जाना चाहिए, ताकि हर साल अपने आप उसमें संशोधन हो सके, और यह तब लागू होगा जब राज्य आयोग द्वारा कोई शुल्क आदेश पारित नहीं किया जाता है। इसके अलावा सुझाव दिया गया है कि फिक्स्ड लागत की भरपाई धीरे-धीरे डिमांड चार्ज के जरिए की जाए, ताकि अलग-अलग उपभोक्ताओं के बीच सब्सिडी का बोझ कम हो सके।

ड्राफ्ट एनईपी 2026 में कहा गया है कि मैन्युफैक्चरिंग उद्योग, रेलवे और मेट्रो रेलवे को क्रॉस-सब्सिडी और अतिरिक्त शुल्क से छूट देने से भारतीय उत्पाद ज्यादा प्रतिस्पर्धी बनेंगे और लॉजिस्टिक्स लागत कम होगी।

गरीबी बनी थी इलाज में बाधा, 'आयुष्मान भारत योजना' से मोतिहारी के बुजुर्गों की जिंदगी में आया नया उजाला

मोतिहारी । बिहार के मोतिहारी में रहने वाले रामसखी देवी और लालाबाबू राय के लिए केंद्र सरकार की 'प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना' एक नए उजाले की तरह साबित हुई है। वृद्धावस्था में आंखों में मोतियाबिंद होने के कारण रामसखी देवी और लालाबाबू राय की आंखों की रौशनी जा चुकी थी। गरीबी के कारण आंखों का ऑपरेशन नामुमकिन हो चुका था, लेकिन 'आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' के लाभार्थी बनने के बाद अब इलाज संभव हो चुका है।

गरीब परिवारों के स्वास्थ्य लाभ के लिए केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आयुष्मान कार्ड जारी किए। इसके तहत लोग पांच लाख तक मुफ्त इलाज करा सकते हैं।

मोतिहारी में इस योजना के लाभार्थी वैसे लोग हैं, जो आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हैं। वे पैसे की कमी के कारण अपना इलाज नहीं करा सकते थे, लेकिन जब लोगों को पता चला कि मोतिहारी के अस्पताल में 'आयुष्मान कार्ड' से आंखों का ऑपरेशन मुफ्त हो रहा है, तो गांव से कई मरीज अस्पताल पहुंच गए, जिनमें रामसखी देवी और लालाबाबू राय भी शामिल हैं।

रामसखी देवी और लालाबाबू राय बताते हैं कि हमारी आंख की रोशनी चली गई थी और कुछ दिखता भी नहीं था, लेकिन हम धन्यवाद देते हैं सरकार का, जिनके आयुष्मान कार्ड से हमारे आंख का इलाज फ्री में हो गया और सरकार की इस योजना के चलते ही हम अब सब कुछ देख सकते हैं। मरीज के परिजनों का भी यही कहना है कि सरकार की इस योजना के सहारे ही अब हमारे लोग अब सब कुछ देख सकते हैं।

समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में लालाबाबू राय ने कहा, 'आयुष्मान कार्ड से बहुत बड़ा लाभ मिला है। मेरी आंखों का मुफ्त में ऑपरेशन हुआ है। मैं सरकार को धन्यवाद करना चाहता हूं कि उसकी वजह से मेरी जिंदगी में फिर से उजाला हुआ है।

'आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' की प्रशंसा करते हुए रामसखी देवी की बहू नीतू ने कहा कि परिवार में बहुत गरीबी के कारण सांस की आंखों का इलाज कराना संभव नहीं था। हमें योजना के बारे में जानकारी मिली तो तुरंत अस्पताल में संपर्क करते हुए 'आयुष्मान कार्ड' बनाया। इसके सहारे आंखों का ऑपरेशन हुआ है।

डॉक्टर मेजर एबी सिंह ने बताया कि पहले गरीब पैसे के अभाव में इलाज ही नहीं कराते थे और अंधेपन का शिकार बन रहते थे। पहले जब यह सुविधा नहीं थी तो लोग इधर-उधर कैंप में जाकर इलाज कराते थे तो कई तरह की समस्या हो जाती थीं। अब मरीज 'आयुष्मान कार्ड' लेकर आते हैं और फ्री में अपना इलाज कराकर जाते हैं।

अमित मालवीय को बड़ी राहत : सनातन धर्म विवाद में तमिलनाडु पुलिस द्वारा दर्ज मामला हाई कोर्ट से खारिज

नई दिल्ली । मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै बेंच ने मंगलवार को तिरुचि शहर पुलिस द्वारा भाजपा नेता अमित मालवीय के खिलाफ 2023 में दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया है। यह एफआईआर तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म पर दिए गए बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश करने के आरोप में दर्ज की गई थी। न्यायमूर्ति एस. श्रीमाथी ने कहा कि उदयनिधि स्टालिन के बयान घृणास्पद भाषण की श्रेणी में आते हैं।

न्यायमूर्ति एस. श्रीमाथी ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अमित मालवीय ने केवल मंत्री द्वारा दिए गए भाषण पर प्रतिक्रिया व्यक्त की थी और ऐसी प्रतिक्रिया के लिए उनके खिलाफ किसी भी प्रकार की कार्यवाही जारी रखना कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा और इससे उन्हें अपूरणीय क्षति और हानि होगी। न्यायाधीश ने कहा कि उदयनिधि जिस पार्टी से संबंधित हैं, उसने बार-बार सनातन धर्म के विरुद्ध बयान दिए हैं , इसलिए वर्तमान मामले से संबंधित सभी परिस्थितियों पर विचार किया जाना चाहिए। न्यायाधीश ने कहा, 'यह स्पष्ट है कि द्रविड़ कज़गम (डीके) और उसके बाद द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) द्वारा पिछले 100 वर्षों से हिंदू धर्म पर स्पष्ट आक्रमण किया जा रहा है, जिस पार्टी से मंत्री संबंधित हैं।

झारखंड : हाईकोर्ट ने जेपीएससी सिविल सर्विस रिजल्ट को चुनौती देने वाली अपील याचिका पर की सुनवाई, 342 चयनित अभ्यर्थियों को प्रतिवादी बनाने का निर्देश

रांची । झारखंड हाईकोर्ट ने झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन की 11वीं से 13वीं सिविल सर्विस मुख्य परीक्षा के परिणाम को चुनौती देने वाली अपील याचिका पर सुनवाई करते हुए 342 सफल अभ्यर्थियों को प्रतिवादी बनाने का निर्देश दिया है।

अदालत ने स्पष्ट किया कि इस मामले के अंतिम निर्णय का सीधा प्रभाव चयनित अभ्यर्थियों पर पड़ेगा, इसलिए उनकी पक्षकारिता आवश्यक है। सभी सफल अभ्यर्थियों को पार्टी बनाने की प्रक्रिया दो हफ्ते में पूरी करने का निर्देश दिया गया है।

दरअसल, 11वीं से 13वीं संयुक्त जेपीएससी मेंस परीक्षा के परिणाम को रद्द करने की मांग वाली याचिका को एकल पीठ द्वारा खारिज किए जाने के बाद याचिकाकर्ता अयूब तिर्की और अन्य ने इसके खिलाफ लेटर पेटेंट अपील (एलपीए) दायर की है।

बुधवार को चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने इस मामले की सुनवाई की। इस दौरान राज्य सरकार एवं झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन (जेपीएससी) की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन, अधिवक्ता संजय पिपरवाल और प्रिंस कुमार ने पक्ष रखा। वहीं, याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता शुभाशीष रसिक सोरेन और शोभा लकड़ा ने अदालत के समक्ष दलीलें प्रस्तुत कीं।

पिछली सुनवाई में ही अदालत ने कहा था कि इस मामले में अंतिम निर्णय से चयनित अभ्यर्थी प्रभावित होंगे। अक्टूबर 2025 में हाईकोर्ट की एकल पीठ, न्यायमूर्ति दीपक रोशन ने 11वीं से 13वीं संयुक्त जेपीएससी मेंस परीक्षा के परिणाम को रद्द करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया था।

अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि यह याचिका अत्यधिक विलंब से दायर की गई है, जबकि मूल्यांकन प्रक्रिया से संबंधित जानकारियां पहले ही सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध थीं। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया था कि जेपीएससी द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन नियमानुसार नहीं किया गया और मूल्यांकनकर्ताओं की शैक्षणिक योग्यता भी तय मानकों के अनुरूप नहीं थी। इसी आधार पर उन्होंने परिणाम रद्द करने की मांग की थी।

दूसरी तरफ, जेपीएससी ने अदालत को बताया था कि डिजिटल मूल्यांकन प्रक्रिया की जानकारी प्रमुख अखबारों में प्रकाशित की गई थी। ऐसे में यह कहना कि अभ्यर्थियों को प्रक्रिया की जानकारी नहीं थी, गलत है। आयोग ने यह भी कहा कि चयन प्रक्रिया काफी आगे बढ़ चुकी थी और अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जा चुका था।

एकल पीठ ने देरी से याचिका दायर किए जाने को अनुचित मानते हुए उसे खारिज कर दिया था।

सीबीआई अकादमी की प्रशिक्षण के क्षेत्र में बड़ी उपलधि, मिली 5-स्टार ग्रेडिंग

गाजियाबाद । गाजियाबाद की सीबीआई अकादमी ने प्रशिक्षण के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अकादमी को नेशनल स्टैंडर्ड्स फॉर सिविल सर्विसेज ट्रेनिंग इंस्टीट्यूशंस (एनएससीएसटीआई) फ्रेमवर्क 2.0 के तहत सर्वोच्च मान्यता 'सर्वोत्कृष्ट', यानी 5-स्टार ग्रेडिंग, मिली है। यह ग्रेडिंग किसी भी सरकारी प्रशिक्षण संस्थान को मिलने वाला सबसे ऊंचा दर्जा माना जाता है।

केंद्रीय सेवाओं के प्रशिक्षण संस्थानों का मूल्यांकन और मान्यता क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) द्वारा की जाती है, जिसमें नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (एनएबीईटी) सहयोग करता है। एनएबीईटी, क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के अंतर्गत एक वैधानिक संस्था है।

गौरतलब है कि सीबीआई अकादमी को इससे पहले वर्ष 2023 में 'अति-उत्तम' यानी 2-स्टार ग्रेडिंग मिली थी और अब उसने एक बड़ा छलांग लगाते हुए 5-स्टार स्तर हासिल किया है।

इस पुनः मान्यता प्रक्रिया के तहत सीबीसी और एनएबीईटी की संयुक्त टीम ने 8 और 9 जनवरी 2026 को सीबीआई अकादमी, गाजियाबाद का दौरा किया। इस दौरान टीम ने अकादमी की प्रशिक्षण व्यवस्था, संस्थागत प्रक्रियाओं और प्रशासनिक ढांचे का गहन मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान न सिर्फ दस्तावेजों की जांच की गई, बल्कि इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल सिस्टम और प्रशिक्षण से जुड़े तरीकों को भी बारीकी से परखा गया। यह मूल्यांकन एनएससीएसटीआई फ्रेमवर्क 2.0 के तहत किया गया, जिसमें कुल 8 प्रमुख स्तंभों और 43 अलग-अलग मानकों को शामिल किया गया। इनमें प्रशिक्षण की जरूरतों का आकलन, पाठ्यक्रम की रूपरेखा, फैकल्टी का विकास, संसाधनों की उपलब्धता, प्रशिक्षण लक्ष्यों की प्राप्ति, प्रशिक्षुओं के लिए सहायता व्यवस्था, डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल, प्रशिक्षण की गुणवत्ता, संस्थागत सहयोग, संचालन और गवर्नेंस जैसे अहम पहलू शामिल थे।

गणतंत्र दिवस 2026 : राष्ट्रीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता जोनल स्तर पर संपन्न, 16 टीमें ग्रैंड फिनाले के लिए चयनित

नई दिल्ली । गणतंत्र दिवस समारोह 2026 में प्रस्तुति देने वाली टीमों के चयन की प्रक्रिया जारी है। राष्ट्रीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता जोनल स्तर पर संपन्न होने के साथ देश के अलग-अलग 16 स्कूलों की टीमों का चयन हुआ है, जो 24 जनवरी को दिल्ली स्थित राष्ट्रीय बाल भवन में ग्रैंड फिनाले में अपनी प्रस्तुति देंगी। हर जोन से चार टीमों को चुना गया है। कुल चार जोन (पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण) की 16 टीमों को चुना गया है, जो ब्रास बैंड बॉयज, ब्रास बैंड गर्ल्स, पाइप बैंड बॉयज और पाइप बैंड गर्ल्स श्रेणी में ग्रैंड फिनाले में मुकाबला करेंगी। यह फिनाले पूरे देश के स्कूली बच्चों में देशभक्ति और एकता की भावना को फिर से जगाने और मजबूत करने के लिए आयोजित किया गया है। ब्रास बैंड बॉयज श्रेणी में पूर्वी जोन के लिए झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले के सेंट जेवियर्स हाई स्कूल की टीम को चुना गया है। पश्चिमी जोन के लिए महाराष्ट्र के अहिल्यानगर स्थित संजीवनी सैनिक स्कूल एवं जूनियर कॉलेज की टीम का चयन हुआ है। उत्तरी जोन के लिए लखनऊ के सिटी मोंटेसरी स्कूल की टीम चयनित हुई है। दक्षिणी जोन के लिए केरल के कासरगोड स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय को चुना गया है।

ब्रास बैंड गर्ल्स में पूर्वी जोन के लिए त्रिपुरा के गोमती का होली क्रॉस हाईस्कूल, पश्चिमी जोन के लिए मुंबई का डॉन बॉस्को हाईस्कूल और जूनियर कॉलेज, उत्तरी जोन के लिए लखनऊ का सेंट जोसेफ कॉलेज और दक्षिणी जोन के लिए प्रोविडेंस गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल की टीम चयनित की गई है।

पाइप बैंड बॉयज श्रेणी में पूर्वी जोन के लिए रांची का कैराली स्कूल, पश्चिमी जोन के लिए गुजरात के गिर सोमनाथ का श्री स्वामी नारायण गुरुकुल कुमार विद्यालय, उत्तरी जोन के लिए दिल्ली के बादली में स्थित सरकारी बॉयज सीनियर सेकेंडरी स्कूल और दक्षिणी जोन के लिए छत्तीसगढ़ के रायपुर में स्थित द ग्रेट इंडिया सैनिक स्कूल की टीम को चुना गया है।

पाइप बैंड गर्ल्स श्रेणी में पूर्वी जोन के लिए रांची का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, पश्चिमी जोन के लिए राजस्थान के श्रीगंगानगर स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, उत्तरी जोन के लिए दिल्ली की पालन कॉलोनी का सरकारी सर्वोदय कन्या विद्यालय और दक्षिणी जोन के लिए बेंगलुरु के पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय की टीम का चयन हुआ है।

प्रत्येक श्रेणी में शीर्ष तीन टीमों को नकद पुरस्कार (प्रथम- 51 हजार रुपए, द्वितीय- 31 हजार रुपए और तृतीय- 21 हजार रुपए), ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। प्रत्येक श्रेणी की शेष टीम को 11 हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। टीमों के प्रदर्शन का मूल्यांकन रक्षा मंत्रालय की ओर से नियुक्त जूरी करेगी, जिसमें सशस्त्र बलों की तीनों शाखाओं (थल सेना, नौसेना और वायु सेना) के सदस्य शामिल होंगे।

यह प्रतियोगिता रक्षा मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही है। इसका प्रथम स्तर सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) की ओर से आयोजित किया गया, जिसमें सीबीएसई, आईसीएसई, केवीएस, एनवीएस, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय, पीएम-श्री और सैनिक स्कूलों ने भाग लिया।

प्रत्येक राज्य से प्रत्येक श्रेणी में चार विजेता बैंड समूहों ने जोनल स्तर की प्रतियोगिता में भाग लिया। पिछले साल की सफलता को आगे बढ़ाते हुए इस साल उत्साह और सहभागिता में वृद्धि हुई। राज्य स्तर पर कुल 763 स्कूल बैंड टीमों ने भाग लिया, जिनमें से 94 टीमों का चयन जोनल स्तर के लिए किया गया। जोनल स्तर की प्रतियोगिता में 30 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों की 80 स्कूल बैंड टीमों के 2,217 बच्चों ने सहभागिता की।

इस तारीख से आम जनता के लिए खुलने जा रहा है अमृत उद्यान, जानें टाइमिंग और बुकिंग प्रोसेस

नई दिल्ली । राष्ट्रपति भवन का अमृत उद्यान एक बार फिर आम लोगों के लिए खुलने जा रहा है। यह खूबसूरत उद्यान 3 फरवरी से 31 मार्च 2026 तक जनता के लिए खुला रहेगा। इस दौरान लोग हफ्ते में छह दिन अमृत उद्यान की सैर कर सकेंगे।

उद्यान सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक खुला रहेगा, जबकि आखिरी एंट्री शाम 5 बजकर 15 मिनट तक होगी। हालांकि, हर सोमवार को रखरखाव के कारण उद्यान बंद रहेगा। इसके अलावा, 4 मार्च को होली के अवसर पर भी अमृत उद्यान आम लोगों के लिए बंद रहेगा।

अमृत उद्यान की सबसे अच्छी बात यह है कि यहां घूमने के लिए किसी तरह का कोई शुल्क नहीं देना होगा। एंट्री और बुकिंग पूरी तरह से निशुल्क है। इसके लिए राष्ट्रपति भवन की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं। वहीं, जो लोग बिना पहले से बुकिंग किए मौके पर पहुंचते हैं, उनके लिए भी सुविधा दी गई है। ऐसे वॉक-इन विजिटर्स के लिए एंट्री गेट के पास सेल्फ-सर्विस विजिटर रजिस्ट्रेशन कियोस्क लगाए गए होंगे, जहां पर वे खुद ही रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। अमृत उद्यान में आने वाले सभी विजिटर्स के लिए प्रवेश और निकास का रास्ता एक ही रहेगा। सभी लोगों को राष्ट्रपति भवन एस्टेट के गेट नंबर 35 से ही अंदर जाना और बाहर आना होगा। यह गेट नॉर्थ एवेन्यू और राष्ट्रपति भवन के पास स्थित है। लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए परिवहन की भी विशेष व्यवस्था की गई है।

जो लोग मेट्रो से आना चाहते हैं, उनके लिए सेंट्रल सेक्रेटेरिएट मेट्रो स्टेशन से गेट नंबर 35 तक शटल बस सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। यह शटल बस हर 30 मिनट में चलेगी और सुबह 9:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक उपलब्ध रहेगी। इन बसों को आसानी से पहचाना जा सकता है, क्योंकि इन पर साफ तौर पर 'अमृत उद्यान के लिए शटल सेवा' लिखा होगा।

गौरतलब है कि अमृत उद्यान अपनी हरियाली, रंग-बिरंगे फूलों और शांत माहौल के लिए प्रसिद्ध है। हर साल बड़ी संख्या में लोग यहां प्रकृति के करीब कुछ सुकून भरे पल बिताने आते हैं।

सरगुजा के तीन मार्गों के लिए 95.59 करोड़ रुपये स्वीकृत

रायपुर । छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा राज्य ने सरगुजा जिले में आवागमन को सुगम बनाने के उद्देश्य से तीन प्रमुख मार्गों के कार्यों के लिए कुल 95 करोड़ 59 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है, एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बुधवार को कहा गया ।

स्वीकृत कार्यों में सोनतराई-मैनपाट मार्ग के मजबूतीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य शामिल है, जिसकी लंबाई 28 किलोमीटर है और इसके लिए 26 करोड़ 33 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

इसके अलावा अंबिकापुर के गांधी चौक से रेलवे स्टेशन तक 5 किलोमीटर लंबाई के मार्ग का 4 लेन चौड़ीकरण एवं निर्माण कार्य किया जाएगा, जिसके लिए 61 करोड़ 34 लाख 7 हजार रुपये की मंजूरी दी गई है। वहीं, कोरंधा से पसेना तक 4 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य के लिए 7 करोड़ 92 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

इन महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं की स्वीकृति से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी और आम नागरिकों को सुगम व सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। सड़कों के निर्माण से न केवल स्थानीय लोगों को लाभ होगा, बल्कि क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है।

बारनवापारा परियोजना मण्डल में अखिल भारतीय बाघ अनुमान हेतु विशेष प्रशिक्षण आयोजित

रायपुर । बारनवापारा परियोजना मण्डल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में अखिल भारतीय बाघ अनुमान (ऑल इंडिया टाइगर एस्टीमेशन) के लिए विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बुधवार को कहा गया की यह प्रशिक्षण भारत सरकार के राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) द्वारा संचालित बाघ अनुमान अभियान के 2026 चक्र का हिस्सा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 14 जनवरी को बारनवापारा अभयारण्य में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों और फील्ड स्टाफ को बाघों की पहचान, पगमार्क (पंजों के निशान), मल, खरोंच सहित अन्य संकेतों के विश्लेषण, कैमरा ट्रैप तकनीक, फील्ड डाटा संग्रहण एवं आधुनिक निगरानी विधियों की जानकारी दी गई। साथ ही प्राप्त आंकड़ों के वैज्ञानिक विश्लेषण के माध्यम से बाघों की वास्तविक संख्या और उपस्थिति का आकलन करने की प्रक्रिया भी समझाई गई।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 के आंकड़ों के अनुसार देश में बाघों की संख्या 3,682 दर्ज की गई है, जो विश्व की कुल बाघ आबादी का लगभग 70 से 75 प्रतिशत है। वर्ष 2026 के छठे चक्र में देशभर के 58 टाइगर रिजर्व सहित विभिन्न वन क्षेत्रों में बाघों, उनके शिकार प्राणियों तथा आवास की स्थिति का वैज्ञानिक अध्ययन किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात फील्ड स्टाफ द्वारा क्षेत्र में बाघ अनुमान कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इस प्रशिक्षण से बारनवापारा अभयारण्य में बाघ संरक्षण को मजबूती मिलेगी, अवैध शिकार पर नियंत्रण होगा तथा वन्यजीव प्रबंधन की गुणवत्ता में सुधार आएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताया और विषय से संबंधित प्रश्नों के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान अर्जित किया।

नवसाक्षर सरजू राम ने कमिश्नर के समक्ष साझा किए पढ़ने-लिखने के अनुभव

सूरजपुर । उल्लास (नवभारत साक्षरता कार्यक्रम) के अंतर्गत नवसाक्षर सरजू राम, पिता राम रतन, निवासी ग्राम पोड़ी छापर, विकासखंड रामानुजनगर, जिला सूरजपुर (छत्तीसगढ़) ने आज अपने पढ़ने-लिखने की गतिविधियों का अनुभव साझा किया।

कार्यक्रम के दौरान नवसाक्षर सरजू राम ने कमिश्नर सरगुजा संभाग नरेंद्र दुग्गा से भेंट कर उल्लास कार्यक्रम के माध्यम से साक्षर बनने की अपनी यात्रा, दैनिक जीवन में पढ़ना-लिखना सीखने से आए सकारात्मक बदलाव तथा आत्मविश्वास में वृद्धि के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर कलेक्टर सूरजपुर एस. जयवर्धन भी उपस्थित रहे।

कमिश्नर नरेंद्र दुग्गा ने सरजू राम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उल्लास कार्यक्रम समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा की रोशनी पहुँचाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने स्वयंसेवी शिक्षक रेशमी कुमारी के योगदान की भी प्रशंसा की और कहा कि ऐसे समर्पित शिक्षकों के माध्यम से ही नवसाक्षर भारत का सपना साकार हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि उल्लास कार्यक्रम के तहत निरक्षर एवं नवसाक्षरों को पढ़ने-लिखने के साथ-साथ जीवन उपयोगी कौशल, डिजिटल साक्षरता और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित किया जा रहा है, जिससे वे समाज की मुख्यधारा से सशक्त रूप से जुड़ सकें।

जल परीक्षण व जल संरक्षण को लेकर व्यापक हुआ जनजागरूकता अभियान

कांकेर। छत्तीसगढ़ रजत जयंती के अवसर पर कांकेर जिले के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के तहत जल गुणवत्ता परीक्षण एवं जल संरक्षण को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम माटवाडा मोदी एवं आतुरगांव में जल बहिनी, ग्रामवासियों एवं स्कूल के बच्चों की सहभागिता से जल परीक्षण एवं जल संरक्षण विषयक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान जल गुणवत्ता को प्रभावित करने वाले तत्वों तथा उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। ग्रामीणों एवं बच्चों को जल के महत्व, जल स्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा स्वच्छ पेयजल के उपयोग से होने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में समझाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत एफ.टी.के. (फील्ड टेस्ट किट) के माध्यम से जल गुणवत्ता जांच की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, जिससे ग्रामीण स्वयं अपने पेयजल की जांच कर सकें और जल जनित बीमारियों से बचाव कर सकें। स्कूली बच्चों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए शपथ भी दिलाई गई, जिसमें बूंद-बूंद जल बचाने, जल स्रोतों के आसपास साफ-सफाई रखने, जल संसाधनों की उचित देखभाल करने, जल को ग्राम की सामूहिक संपत्ति, जल कर का नियमित भुगतान करने तथा भू-जल स्तर बढ़ाने के लिए सोख्ता गड्ढा निर्माण एवं पौधरोपण करने का संकल्प लिया गया।

ग्राम इच्छापुर में जल जीवन मिशन के तहत पेयजल स्रोतों के प्रशिक्षण, साफ-सफाई, जल गुणवत्ता परीक्षण एवं जल संरक्षण से संबंधित जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रचार रथ के माध्यम से ग्राम में भ्रमण कर ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल, जल गुणवत्ता जांच, जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के प्रति जागरूक किया गया। प्रचार रथ के माध्यम से आम नागरिकों को जल जीवन मिशन की योजनाओं, इसके लाभों, घरेलू नल कनेक्शन, हर घर नल से जल योजना, जल गुणवत्ता, स्रोत संवर्धन, जल कर की उपयोगिता तथा पेयजल संरचनाओं के रखरखाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गई। ऑडियो-वीडियो माध्यमों एवं प्रचार सामग्री के जरिए स्वच्छ पेयजल के स्वास्थ्य लाभों को सरल भाषा में समझाया गया। कार्यक्रमों के दौरान ग्रामीणों से प्रत्यक्ष संवाद कर जीवन में जल की महत्ता को रेखांकित किया गया तथा जल संरक्षण हेतु सामूहिक सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के संदेश को अपनाने का संकल्प लिया। इस संबंध में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि जागरूकता अभियान एवं प्रचार रथ आगामी दिनों में जिले के अन्य ग्रामों में भी भ्रमण कर लोगों को जल संरक्षण और जल संवर्धन के प्रति निरंतर जागरूक करता रहेगा।

बस्तर पंडुम 2026: जनजातीय कला, संस्कृति और परंपराओं को मिला नया मंच

कोंडागांव । जनजातीय बहुल बस्तर अंचल की समृद्ध लोक परंपरा, कला, संस्कृति और जीवनशैली को बस्तर पंडुम 2026 के भव्य आयोजन से मिला नया मंच, एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बुधवार को कहा गया।

यह दो दिवसीय विकासखंड स्तरीय आयोजन 18 जनवरी से 19 जनवरी 2026 तक संपन्न हुआ।

बस्तर पंडुम 2026 का उद्देश्य बस्तर संभाग की स्थानीय कला एवं संस्कृति, परंपराएं, लोककला, शिल्प, तीज-त्योहार, खानपान, बोली-भाषा, रीति-रिवाज, वेश-भूषा, आभूषण, वाद्य यंत्र, पारंपरिक नृत्य, गीत-संगीत, नाट्य, व्यंजन, पेय पदार्थ, आंचलिक साहित्य तथा पारंपरिक वन औषधियों के मूल स्वरूप का संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार करना है। साथ ही जनजातीय कला समूहों को सतत विकास के अवसर प्रदान करते हुए कलाकारों को प्रोत्साहित और सम्मानित करना भी आयोजन का प्रमुख उद्देश्य रहा।

राज्य शासन द्वारा वर्ष 2025 से बस्तर संभाग की लोक परंपरा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए बस्तर पंडुम का आयोजन किया जा रहा है। प्रारंभ में जहां 7 विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती थीं, वहीं वर्ष 2026 में इसका विस्तार करते हुए 12 विधाओं को शामिल किया गया। इनमें जनजातीय नृत्य, गीत, नाट्य, वाद्य यंत्र प्रदर्शन, वेश-भूषा, आभूषण, शिल्प, चित्रकला, जनजातीय व्यंजन एवं पेय पदार्थ, आंचलिक साहित्य तथा पारंपरिक वन औषधियों का प्रदर्शन प्रमुख रूप से शामिल रहा।

जनपद स्तरीय इस आयोजन में ग्राम पंचायत स्तर से महिला 107 एवं पुरुष 275 सहित कुल 382 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतिभागियों ने अपनी पारंपरिक कला, संस्कृति और लोक जीवन के विविध रंगों का जीवंत प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित प्रतिभागी आगामी जिला स्तरीय बस्तर पंडुम प्रतियोगिता में जनपद केशकाल का प्रतिनिधित्व करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा जनजातीय समाज की परंपरा, संस्कृति और पहचान को संरक्षित एवं सशक्त करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों से न केवल आदिवासी लोक संस्कृति को सशक्त मंच मिल रहा है, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का भी कार्य हो रहा है। यह पहल जनजातीय कलाकारों के आत्मसम्मान, पहचान और आजीविका को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में सामने आई है।

कमिश्नर दुग्गा ने एसआईआर के तहत मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

सूरजपुर। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 के अंतर्गत कमिश्नर एवं रोल आब्जर्वर सरगुजा संभाग, नरेंद्र दुग्गा द्वारा विधानसभा क्षेत्र भटगांव, प्रेमनगर एवं प्रतापपुर के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुग्गा ने एसआईआर से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित क्षेत्रों के बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) से जानकारी ली। उन्होंने मतदाता सूची अद्यतन कार्य में आ रही समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की तथा लॉजिकल एरर, नो-मैपिंग मतदाताओं एवं इससे जुड़े लंबित प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की। कमिश्नर दुग्गा ने बीएलओ को निर्देशित किया कि आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने के लिए गंभीरता से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती के लिए अत्यंत आवश्यक है।

पढ़ेसे बस्तर अभियान से सुदूर अंचलों में पहुँची मिनी लाइब्रेरी

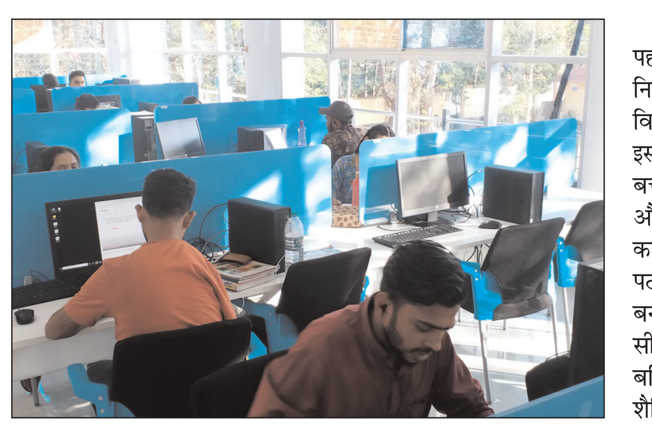

बस्तर । बस्तर जिला प्रशासन ने ग्रामीण और आदिवासी समुदायों के सर्वांगीण विकास तथा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में और बच्चों में पठन कौशल विकसित करने के उद्देश्य से पढ़ेसे बस्तर अभियान संचालित किया जा रहा है, एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बुधवार को कहा गया।

इस अभियान के अंतर्गत सुदूर अंचलों में बहुभाषी मिनी लाइब्रेरी की स्थापना की जा रही है, जिससे बच्चों की पुस्तकों तक पहुंच सुनिश्चित हो सके और वे ज्ञान की दुनिया से जुड़ सकें। यह महत्त्वाकांक्षी पहल स्वयंसेवी संगठन प्रथम बुक्स की डोनेट-ए-बुक मुहिम के सहयोग से संचालित की जा रही है। इसके तहत बच्चों को ऐसी पुस्तकें उपलब्ध कराई जा रही हैं, जो ज्ञानवर्धक होने के साथ-साथ सांस्कृतिक रूप से भी प्रासंगिक हैं। विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध ये पुस्तकें बच्चों को अपनी विरासत से जोड़ते हुए पढ़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

अभियान की प्रगति इस बात से स्पष्ट होती है कि अब तक 4,788 पुस्तकें वितरित की जा चुकी हैं, जबकि 43 नई मिनी लाइब्रेरी के माध्यम से 4,477 अतिरिक्त पुस्तकों की स्थापना का कार्य प्रगति पर है। शिक्षा के प्रसार के लिए प्रशासन ने परंपरागत सीमाओं से आगे बढ़ते हुए इन मिनी लाइब्रेरी को केवल शासकीय विद्यालयों तक सीमित नहीं रखा है। जिले के पुलिस थानों, जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्रों, दिव्यांग बच्चों के केंद्रों तथा बाल देखभाल संस्थानों में भी इन लाइब्रेरी की स्थापना की जा रही है, जिससे ये स्थान ज्ञान के केंद्र के रूप में विकसित हो रहे हैं।

पढ़ेसे बस्तर अभियान में शिक्षा विभाग के साथ महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, समाज कल्याण और पुलिस विभाग सहित विभिन्न विभागों का समन्वित सहयोग प्राप्त हो रहा है, जो साझा विकास की एक सशक्त मिसाल प्रस्तुत करता है।

बस्तर जिला प्रशासन की यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, निपुण भारत मिशन और सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप है। इसका उद्देश्य वर्ष 2026 तक सभी बच्चों के लिए आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान सुनिश्चित करना है। बच्चों को आवश्यक पठन और भाषा कौशल से सशक्त बनाकर प्रशासन न केवल उनकी सीखने की क्षमता को बढ़ा रहा है, बल्कि भविष्य में उनके लिए शैक्षिक और रोजगार के अवसरों का मार्ग भी प्रशस्त कर रहा है। कुल मिलाकर, पढ़ेसे बस्तर अभियान बस्तर के बच्चों को सशक्त नागरिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो रहा है।

आयुक्त एवं रोल आब्जर्वर ने एसआईआर को लेकर राजनैतिक दलों की समीक्षा बैठक ली

सूरजपुर । भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 के संबंध में बुधवार को आयुक्त एवं रोल आब्जर्वर, सरगुजा संभाग (अम्बिकापुर) की अध्यक्षता में सूरजपुर जिले में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में बताया गया कि जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र 04 प्रेमनगर, 05 भटगांव एवं 06 प्रतापपुर में वर्तमान में कुल 980 मतदान केंद्र हैं। पूर्व में 889 मतदान केंद्र थे, जिन्हें युक्तियुक्तरण के तहत 91 नए मतदान केंद्र जोड़कर बढ़ाया गया है। विशेष गहन पुनरीक्षण की घोषणा के बाद 28 अक्टूबर 2025 की स्थिति में जिले में कुल 7,40,212 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें से 6,65,504 मतदाताओं द्वारा गणना प्रपत्र जमा किए गए। प्राप्त गणना प्रपत्रों के आधार पर 21,028 मृत मतदाता, 38,656 स्थानांतरित मतदाता, 6,465 दोहरी प्रविष्टि वाले, 7,962 अनुपस्थित तथा 597 अन्य श्रेणी के मतदाता चिन्हित किए गए। इस प्रकार कुल 74,708 मतदाताओं के गणना प्रपत्र इन कारणों से प्राप्त नहीं हो सके।

23 दिसंबर 2025 को मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन के उपरांत जिले में 3,36,855 पुरुष, 3,28,642 महिला तथा 7 तृतीय लिंग मतदाता सहित कुल 6,65,504 मतदाता दर्ज किए गए हैं। तीनों विधानसभा क्षेत्रों को मिलाकर कुल 10,025 मतदाताओं को कैटेगरी 'सी' में रखा गया है। कैटेगरी 'सी' में वे मतदाता शामिल हैं जिनका स्वयं अथवा जिनके पिता का नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में दर्ज नहीं है। ऐसे मतदाताओं को नोटिस जारी कर आयोग द्वारा निर्धारित दस्तावेज सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अथवा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। विधिवत सुनवाई के बाद पात्र पाए जाने वाले नामों को अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा।

नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। 23 दिसंबर 2025 से 20 जनवरी 2026 की अवधि में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के अनुसार 14,057 तथा अर्हता तिथि 01 अक्टूबर 2026 के अनुसार 1,613 भावी मतदाताओं के आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिले के शासकीय महाविद्यालयों से 311 और हायर सेकेंडरी स्कूलों से 1,441 फॉर्म-06 प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार कुल 17,422 नए मतदाताओं के नाम जोड़ने हेतु आवेदन मिले हैं। वहीं नाम विलोपन के लिए 837 फॉर्म-07 तथा संशोधन एवं स्थानांतरण के लिए 1,324 फॉर्म-08 प्राप्त हुए हैं।

बैठक में आयुक्त एवं रोल आब्जर्वर द्वारा कैटेगरी 'सी' के मतदाताओं की सुनवाई प्रक्रिया एवं मतदान केंद्रों में लॉजिकल एरर के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। इस पर उपस्थित सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों ने आपसी समन्वय से कार्य करने और निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी ढंग से आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने बताया कि मतदाताओं से प्राप्त दावे एवं आपत्तियों की जानकारी साप्ताहिक बैठकों में साझा की जा रही है और संपूर्ण प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो रही है, जिस पर किसी भी दल को कोई आपत्ति नहीं है। बैठक में विभिन्न राजनैतिक दलों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कोझिकोड आत्महत्या केसः बस में उत्पीड़न की शिकायतकर्ता महिला गिर तार

कोझिकोड । केरल के कोझिकोड में पुलिस ने बुधवार को उस महिला को गिरफ्तार कर लिया, जिसने निजी बस में एक व्यक्ति पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया था। इस वीडियो के वायरल होने के बाद कथित तौर पर आरोपी व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली थी। गिरफ्तार महिला की पहचान शिमजिथा मुस्तफा के रूप में हुई है, जिसे आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज होने के बाद बडागारा स्थित उसके एक रिश्तेदार के घर से हिरासत में लिया गया।

यह गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है जब शिमजिथा ने 42 वर्षीय यू. दीपक की आत्महत्या के मामले में कोझिकोड जिला अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। दीपक कुछ दिन पहले अपने बेडरूम में मृत पाए गए थे। उनकी मौत से पहले एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें शिमजिथा ने एक निजी बस में दीपक पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। पुलिस के अनुसार, शिमजिथा ने इस घटना को लेकर कोई औपचारिक शिकायत दर्ज कराए बिना ही वीडियो को ऑनलाइन पोस्ट किया था, और इसी पहलू की अब जांच की जा रही है। दीपक के माता-पिता की शिकायत के आधार पर मेडिकल कॉलेज पुलिस ने शिमजिथा के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस का कहना है कि गैर-जमानती धाराएं लगने के बाद वह फरार हो गई थी और उसका मोबाइल फोन भी बंद था। शुरुआती जांच में पुलिस को संदेह हुआ कि वह केरल छोड़कर मंगलुरु पहुंच चुकी है। इसके बाद उसे देश छोड़ने से रोकने के लिए तलाशी नोटिस जारी किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शिमजिथा पहले विदेश में भी रह चुकी है, इसलिए उसके फरार होने की आशंका को गंभीरता से लिया गया। जांच के तहत पुलिस ने उस अल अमीन निजी बस के सीसीटीवी फुटेज की भी बारीकी से जांच की, जिसमें कथित घटना घटी थी। ड्राइवर के केबिन के पास लगे कैमरे की फुटेज में दीपक को दोपहर करीब 12.45 बजे बस में चढ़ते हुए देखा गया है। उसके हाथ में एक बैग था और वह सामान्य अवस्था में नजर आ रहा था। फुटेज से यह भी स्पष्ट हुआ कि शिमजिथा दीपक से लगभग एक मिनट पहले बस में चढ़ी थी। पुलिस के अनुसार, फुटेज में किसी तरह की झड़प, विवाद या असामान्य गतिविधि के कोई संकेत नहीं मिले हैं। पुलिस ने बस के ड्राइवर, कंडक्टर और अन्य कर्मचारियों के बयान भी दर्ज किए हैं।

सुकन्या समृद्धि योजना और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के 11 वर्ष पूरेः बचत के साथ बालिकाओं के सशक्तिकरण में मिली मदद

नई दिल्ली । सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) को गुरुवार को 11 वर्ष हो रहे हैं। केंद्र सरकार की इस योजना ने बालिकाओं के सशक्तिकरण में एक अहम भूमिका निभाई है। इसने न सिर्फ बालिकाओं के लिए सुरक्षित भविष्य बनाने में मदद की है, बल्कि बालिकाओं में आत्मविश्वास भरने में भी बड़ा योगदान दिया है। एसएसवाई को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत 22 जनवरी 2015 को शुरु किया गया था। यह एक कम जोखिम वाली जमा योजना है, जिसमें सरकार मूलधन की गारंटी देती है और ब्याज का भुगतान प्रत्येक तिमाही में निर्धारित दरों के अनुसार वार्षिक रूप से किया जाता है।

इसका उद्देश्य बालिकाओं की शिक्षा और विवाह के खर्चों को पूरा करना है। शिक्षा, आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देकर, यह पहल महिला सशक्तिकरण को मजबूत करती है और भविष्य में आत्मनिर्भरता की परिकल्पना में योगदान देती है।

वर्तमान में, सुकन्या समृद्धि योजना के तहत ब्याज दर 8.2 प्रतिशत है।

एसएसवाई के तहत, माता-पिता या कानूनी अभिभावक अपनी बालिका के लिए किसी भी भारतीय डाकघर या किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और अधिकृत निजी क्षेत्र के बैंकों (एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और आईडीबीआई बैंक) की शाखा में खाता खोल सकते हैं। यह खाता बालिका के जन्म से लेकर 10 वर्ष की आयु तक कभी भी खोला जा सकता है।

एक बालिका का केवल एक एसएसवाई खाता खोला जा सकता है और एक परिवार अधिकतम दो बालिकाओं के लिए खाते खोल सकता है। हालांकि, जुड़वां या तीन जुड़वां बच्चों के मामले में, संबंधित जन्म प्रमाण पत्र के साथ शपथ पत्र जमा करने पर दो से अधिक खाते खोलने की अनुमति है। यह खाता भारत में किसी भी स्थान पर स्थानांतरित किया जा सकता है।

इस योजना की खास बात यह है कि जब तक बालिका 18 वर्ष की नहीं हो जाती, तब तक खाता माता-पिता/अभिभावक द्वारा प्रबंधित किया जाता है। इससे अभिभावक बचत की निगरानी कर सकते हैं और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि धनराशि का उपयोग बालिका की शिक्षा और भविष्य की जरुरतों के लिए प्रभावी ढंग से किया जा रहा है। 18 वर्ष की आयु होने पर, खाताधारक जरुरी दस्तावेज जमा करके स्वयं खाते का नियंत्रण अपने हाथ में ले सकती है।

सरकार के मुताबिक, अब तक देश में 4.53 करोड़ एसएसवाई खाते खोले जा चुके हैं। इन खातों में कुल 3.33 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि जमा है।

इसके अलावा, 22 जनवरी 2015 को ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं के जन्म को सुरक्षित करना, उनके प्रति होने वाले भेदभाव को समाप्त करना और उनकी शिक्षा को बढ़ावा देना है। इसके अंतर्गत लिंगानुपात में सुधार, बालिकाओं के विद्यालय में नामांकन को बढ़ाना तथा समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना शामिल है।

यह योजना महिला एवं बाल विकास, शिक्षा तथा स्वास्थ्य मंत्रालयों के सहयोग से चलाई जाती है और बालिकाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जाती है।

निपुण भारत मिशन को जन-आंदोलन बनाने की तैयारी, हर न्याय पंचायत में 'शिक्षा चौपाल'

लखनऊ । बेसिक शिक्षा विभाग निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से प्राप्त करने और शिक्षा को जन-आंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में लगातार ठोस कदम उठा रही है। इसी क्रम में प्रदेश की सभी न्याय पंचायतों में 24 जनवरी, 2026 को यूपी दिवस के अवसर पर 'शिक्षा चौपाल' का आयोजन किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य अभिभावकों, विद्यालय प्रबंधन समितियों (एसएमसी), शिक्षकों और स्थानीय जनसमुदाय को निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों से जोड़ते हुए बच्चों की बुनियादी भाषायी और गणितीय दक्षताओं को सुदृढ़ करना है।

प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि निपुण भारत मिशन एक शैक्षिक कार्यक्रम के साथ-साथ बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। शिक्षा चौपाल के माध्यम से अभिभावकों और समाज की भागीदारी सुनिश्चित कर हम यह संदेश दे रहे हैं कि बच्चों की शिक्षा केवल स्कूल की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। शिक्षा चौपाल के माध्यम से बालवाटिका के प्रभावी संचालन, बच्चों के नामांकन और नियमित उपस्थिति तथा शिक्षा के दीर्घकालिक महत्व पर विशेष जोर दिया जाएगा।

चौपाल में विद्यालयों को उपलब्ध कराई गई शिक्षण सामग्री, प्रिंट-रिच सामग्री, गणित किट, क्रियाशील पुस्तकालय, खेल सामग्री सहित डिजिटल संसाधनों जैसे स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, दीक्षा, खान अकादमी और टीचर्स ऐप की जानकारी भी साझा की जाएगी। शिक्षा चौपाल के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों, नामांकन व उपस्थिति में उल्लेखनीय सुधार करने वाले विद्यालयों, तथा मेधावी बच्चों को सम्मानित किया जाएगा।

साथ ही, अभिभावकों और एसएमसी सदस्यों के योगदान के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया जाएगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, प्रबुद्धजन और मीडिया प्रतिनिधि भी बुलाये जाएंगे। शिक्षा चौपाल के आयोजन के लिए 10,000 रुपये प्रति न्याय पंचायत की दर से धनराशि स्वीकृत की गई है। यह राशि टेंट, कुर्सी, साउंड सिस्टम, बैनर, जलपान, स्टेशनरी, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी आदि व्यवस्थाओं पर व्यय की जाएगी।

व्यय का विवरण निर्धारित समयसीमा में प्रबंध पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। जिला और मंडलीय स्तर के अधिकारी कार्यक्रम का सतत अनुश्रवण करेंगे। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी का कहना है कि शिक्षा चौपाल एक प्रभावी मंच है, जहां शिक्षक, अभिभावक और समुदाय एक साथ बैठकर बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को समझते हैं। इससे शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार होगा और निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को गति मिलेगी।

कभी म्यूजिक इंडस्ट्री में झेला था रिजेक्शन, आज कई गाने रिलीज कर चुके हैं भुवन बाम

जब मंजिल का पता न हो कि जाना कहां है, तब कायनात भी सारे दरवाजे खोल देती है। बस लक्ष्य पता होना चाहिए। ऐसा ही कुछ कॉमेडियन, सिंगर, संगीकार और अभिनेता भुवन बाम के साथ हुआ, जो बचपन में खुराफाती बच्चों की लिस्ट में शामिल हुआ करते थे और उन्हें क्या बनना है, ये उन्होंने कभी नहीं सोचा था।

22 जनवरी को जन्मे कॉमेडियन भुवन बाम को बचपन से म्यूजिक का शौक था, लेकिन उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि बड़े होकर म्यूजिक में पहचान बना पाएंगे। कॉमेडियन ने 4 साल की उम्र से क्लासिकल म्यूजिक सीखना शुरू किया था, लेकिन शुरुआत में म्यूजिक सीखने में बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। एक बार तो वे इतने ज्यादा परेशान हो गए कि लगने लगा कि क्या रोज-रोज एक ही लाइन रटाने में लगे रहते हैं? इसलिए म्यूजिक को बीच में छोड़ दिया, लेकिन फिर दोबारा 10 क्लास से क्लासिकल म्यूजिक सीखना शुरू किया।

म्यूजिक में करियर बनाने के लिए पहले उन्होंने गिटार लेकर रेस्तरां में गाना शुरू किया और कई बार म्यूजिक इंडस्ट्री में ऑडिशन भी दिए, लेकिन हर बार असफलता हाथ लगी। अब समझ न आए कि क्या किया जाए, लेकिन तभी एक वायरल रिपोर्टर का वीडियो देखकर उन्होंने कॉमेडी के छोटे-छोटे वीडियो बनाने शुरू किए। वीडियो को सोशल मीडिया पर बहुत पसंद किया गया, और फिर शुरू किया 'बीबी की वाइंस' का सफर।

'बीबी की वाइंस' के लिए भुवन ने कई किरदारों को जन्म दिया और यूट्यूब पर भारत के सबसे ज्यादा सब्सक्राइबर वाले कॉमेडियन के तौर पर उभरे। कॉमेडी में मिली सफलता के बीच संगीत कहीं खो गया। कोविड का समय कॉमेडियन के लिए बहुत मुश्किल था। कोविड में अपने माता और पिता को खोने के बाद वे कुछ समय तक सोशल मीडिया से दूर रहे लेकिन वेब सीरीज 'ढिंडोरा' के साथ वापसी की। खास बात ये थी कि इस सीरीज में भुवन सिर्फ एक्टर के तौर पर नहीं, बल्कि सिंगर और राइटर के तौर पर भी उभरे। इस सीरीज में उनके तीन गाने थे, पहला 'साजिश,' दूसरा 'दीदी,' और तीसरा 'बन गई जिंदगी,' जिसके बाद उन्होंने 'रफ्ता-रफ्ता' और 'ख्वाबों के मेले' समेत कई म्यूजिक एलबम रिलीज किए। वेब सीरीज से पहले भी उनके सिंगल म्यूजिक एलबम रिलीज हुए थे, लेकिन वे कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए। कॉमेडियन बीते साल 2025 में बड़े पर्दे पर कदम रख चुके हैं। उन्हें करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'कुकू की कुंडली' में देखा गया था।

सज्जाद लोन ने जम्मू-कश्मीर एकता पर सवाल उठाए, बेरोजगारी और नौकरियों की असमानता पर जताई गहरी चिंता

श्रीनगर । जम्मू और कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और हंदवाड़ा के विधायक सज्जाद गनी लोन ने जम्मू-कश्मीर के प्रशासनिक और राजनीतिक ढांचे को लेकर एक विस्तृत और गंभीर बहस छेड़ी। उन्होंने जम्मू-कश्मीर संबंधों की गहन समीक्षा पर जोर दिया और खुले तौर पर यह सवाल उठाया कि क्या वर्तमान व्यवस्था में दोनों क्षेत्रों की वास्तविक जरूरतों का सही ध्यान रखा जा रहा है। सज्जाद गनी लोन ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की हालिया टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से फारूक अब्दुल्ला का सम्मान करते हुए कहा, 'मैं फारूक साहब का सम्मान करता हूं, और वह मेरे लिए बहुत प्यारे हैं, लेकिन राजनीतिक रूप से मैं उनके खिलाफ हूं। लोन ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की कथित निरंतर एकता का बोझ कौन उठाता है, यह समझना जरूरी है। उनका तर्क था कि स्थापित राजनीतिक नेतृत्व और आम लोग, खासकर बेरोजगार युवा, हर दिन इसके प्रभाव का सामना करते हैं।

उन्होंने सवाल किया कि क्या कश्मीरियों ने कभी धर्मनिरपेक्षता की रक्षा के लिए किसी अनुबंध पर सहमति दी थी। लोन ने कहा कि कश्मीरी नेता धर्मनिरपेक्षता की उच्च नैतिक जिम्मेदारी का दावा करते हैं, लेकिन कश्मीरी छात्रों को देश भर में पीटा और अपमानित किया जाता है। इसके अलावा, उन्होंने आरक्षण और नौकरी के मामलों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि जम्मू में नौकरी के अवसरों के लिए कश्मीरियों को लगातार नुकसान उठाना पड़ रहा है। लोन ने बताया कि 2007 में 30 प्रतिशत आरक्षण लागू करने और 2010 में जिला और डिवीजनल कैडर खत्म करने से कश्मीर की हजारों नौकरियां जम्मू में ट्रांसफर हो गईं। उन्होंने सवाल किया कि इन नौकरियों का नुकसान कौन भुगतेगा और क्या इसका बोझ कश्मीरी युवाओं पर ही डाला जाएगा।

अंतरिक्ष में भारतीय भोजन से भरा पैकेट खोलना बेहद खास अनुभव थाः सुनीता विलियम्स

नई दिल्ली । नासा की अंतरिक्ष यात्री एवं अमेरिकी नौसेना की कैप्टन (सेवानिवृत्त) सुनीता एल. विलियम्स ने अंतरिक्ष से पृथ्वी को देखने के अनुभव को साझा किया है।

दरअसल, सुनीता विलियम्स आईआईटी दिल्ली में पहुंची थी। यहां उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष से देखने पर 'ओवरव्यू इफेक्ट' महसूस होता है, जहां यह अहसास होता है कि पूरी मानवता एक ही ग्रह पर रहती है, गहराई से एक-दूसरे से जुड़ी हुई है और सीमाएं अर्थहीन लगने लगती हैं। एक भावनात्मक स्मृति साझा करते हुए सुनीता विलियम्स ने बताया कि अंतरिक्ष में भारतीय भोजन से भरा पैकेट खोलना उनके लिए बेहद खास अनुभव था। उन्होंने कहा कि उस भोजन को अपने सह-यात्रियों के साथ साझा करना और भी विशेष बन गया, क्योंकि भोजन लोगों को जोड़ने का काम करता है फिर चाहे वे पृथ्वी पर हों या कक्षा में। आईआईटी दिल्ली के प्रतिष्ठित डोगरा हॉल में उस समय उत्साह और सम्मान का वातावरण देखने को मिला, जब अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने संस्थान का दौरा किया।

इस अवसर पर उन्होंने 'द मेकिंग ऑफ एन एस्ट्रोनॉट: सुनीता विलियम्स स्टोरी' विषय पर व्याख्यान दिया। सुनीता विलियम्स ने मानव अंतरिक्ष उड़ान के वर्तमान चरण को अत्यंत रोमांचक बताया। उन्होंने कहा, 'मानव अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए यह बेहद उत्साहजनक समय है। हर नया प्रोजेक्ट अपने साथ उतार-चढ़ाव लाता है, लेकिन हर अनुभव हमें कुछ सिखाता है और आगे की चुनौतियों के लिए बेहतर रूप से तैयार करता है।

अंतरिक्ष अभियानों की जटिलताओं पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि कई बार अनेक प्रणालियों और बैकअप व्यवस्थाओं के बीच काम करना पड़ता है, लेकिन समाधान हमेशा जटिल नहीं होता। उन्होंने कहा कि यदि ध्यानपूर्वक अवलोकन किया जाए, तो कई बार सरल उपाय ही सबसे प्रभावी साबित होते हैं।

शून्य गुरुत्वाकर्षण की कल्पना करने का आग्रह करते हुए सुनीता विलियम्स ने कहा कि जब गुरुत्वाकर्षण नहीं होता, तब सामग्री, चिकित्सा और यहां तक कि मानव व्यवहार में भी बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगता है। उनके अनुसार, यह समझ हमें स्वयं और ब्रह्मांड के बारे में अधिक गहराई से जानने में मदद करती है। व्याख्यान के बाद प्रो. शिल्पी शर्मा, एसोसिएट डीन द्वारा संचालित फायरसाइड चैट का आयोजन किया गया।

इस संवाद में आईआईटी दिल्ली समुदाय द्वारा पूछे गए प्रश्नों के माध्यम से सुनीता विलियम्स के जीवन के व्यक्तिगत पहलुओं पर चर्चा हुई। उन्होंने अपने बचपन, छात्र-खिलाड़ी और तैराक के रूप में अनुशासन, टीमवर्क, तथा लंबे समय तक चलने वाले अंतरिक्ष अभियानों के दौरान मानसिक संतुलन बनाए रखने जैसे विषयों पर खुलकर बात की।

उन्होंने बताया कि कैसे बचपन में टीम के रूप में काम करने का अनुभव उन्हें यह सिखाता था कि व्यक्तिगत सफलता से अधिक महत्वपूर्ण सामूहिक लक्ष्य होता है। अपने प्रभावशाली वक्तव्य के माध्यम से सुनीता विलियम्स ने आईआईटी दिल्ली के छात्रों व विशेषज्ञों को अपने हालिया अंतरिक्ष मिशन के अनुभवों से परिचित कराया। उनके वर्णन ने अंतरिक्ष की विशालता को रिसर्चर के लिए अत्यंत निकट और सजीव बना दिया।

अर्थव्यवस्था में स्थिरता की आधारशिला बनता विनिर्माण क्षेत्र

बीजिंग । चीनी राज्य कराधान प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, हाल ही में प्रशासन ने कर संबंधी व्यापक आंकड़ों का उपयोग कर विनिर्माण क्षेत्र का विश्लेषण किया।

विश्लेषण से पता चलता है कि वर्ष 2025 में चीन के विनिर्माण उद्योग के बिक्री राजस्व में वृद्धि राष्ट्रीय समग्र बिक्री वृद्धि दर की तुलना में 1.7 प्रतिशत अंक अधिक रही। साथ ही, राष्ट्रीय कुल बिक्री में विनिर्माण उद्योग का हिस्सा बढ़कर 29.7% तक पहुंच गया, जो 2024 की तुलना में 0.5 प्रतिशत अंक अधिक है।

यह तथ्य इस ओर संकेत करता है कि विनिर्माण क्षेत्र बुद्धिमत्ता, हरित विकास और डिजिटल एकीकरण की दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है तथा अर्थव्यवस्था में स्थिरता और संतुलन लाने वाली प्रमुख शक्ति के रूप में इसकी भूमिका और अधिक स्पष्ट हो रही है।

विनिर्माण क्षेत्र में बुद्धिमान उन्नयन की गति निरंतर तेज हो रही है। मूल्य वर्धित कर (वैल्यू एडेड टैक्स) से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, 2025 में देशभर के विनिर्माण उद्यमों द्वारा स्वचालित तथा डिजिटल उपकरणों की खरीद पर व्यय में क्रमशः 11.3% और 10% की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई। यह प्रवृत्ति इस बात का द्योतक है कि विनिर्माण उद्योग में बुद्धिमत्तापूर्ण परिवर्तन और डिजिटल उन्नयन अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है।

साथ ही, हरित परिवर्तन भी निरंतर प्रगति पर है। आंकड़ों से पता चलता है कि 2025 में उच्च ऊर्जा खपत वाले विनिर्माण उद्योगों के बिक्री राजस्व का अनुपात 2024 की तुलना में 1.1 प्रतिशत अंक घट गया, जो उद्योग संरचना के सतत अनुकूलन को दर्शाता है। इसके साथ ही, विनिर्माण उद्यमों द्वारा पर्यावरण शासन सेवाओं की खरीद में वर्ष-दर-वर्ष 7.3% की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि उच्च ऊर्जा खपत वाले उद्योगों में यह वृद्धि 14.6% रही।

इससे स्पष्ट होता है कि उद्यम पर्यावरण संरक्षण और हरित शासन में निवेश को बढ़ा रहे हैं। डिजिटल एकीकरण का स्तर भी लगातार गहराता जा रहा है। आंकड़ों से ज्ञात होता है कि 2025 में डिजिटल उत्पाद निर्माण उद्योग के बिक्री राजस्व में 2024 की तुलना में 9.4% की वृद्धि हुई।

इसी अवधि में, विनिर्माण उद्यमों द्वारा डिजिटल प्रौद्योगिकी की खरीद में 10.4% की वृद्धि हुई, जो 2024 की तुलना में 3.5 प्रतिशत अंक अधिक है। उल्लेखनीय है कि ऑटोमोबाइल निर्माण उद्योग में डिजिटल प्रौद्योगिकी की खरीद में 24.5% और कंप्यूटर एवं संचार उपकरण निर्माण उद्योग में 11.8% की वार्षिक वृद्धि हुई, जो डिजिटल अर्थव्यवस्था और वास्तविक अर्थव्यवस्था के गहन एकीकरण को और मजबूत करती है।

हे लिफेंग ने स्विट्जरलैंड का दौरा कर विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में भाग लिया

बीजिंग । सीपीसी केंद्रीय समिति के पोलित ब्यूरो के सदस्य और चीनी राज्य परिषद के उप प्रधानमंत्री हे लिफेंग ने स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक 2026 में भाग लिया और भाषण दिया।

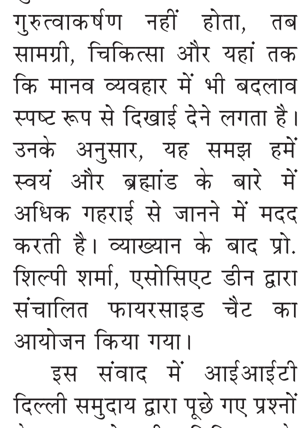

हे लिफेंग ने कहा कि जनवरी 2017 में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने दावोस फोरम में एक महत्वपूर्ण भाषण दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि चीन गंभीरता से बहुपक्षवाद और मुक्त व्यापार को लागू करता है और दृढ़ता से उनका समर्थन करता है। हाल के वर्षों में, राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने चार प्रमुख वैश्विक पहलें प्रस्तुत की हैं, जो विश्व के सामने आने वाली सामान्य समस्याओं के लिए चीनी समाधान प्रदान करती हैं।

मंच पर अपने भाषण में, हे लिफेंग ने चार विचार प्रस्तुत किए: पहला, मुक्त व्यापार का दृढ़ता से समर्थन करना चाहिए और समावेशी आर्थिक वैश्वीकरण को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। दूसरा, दृढ़तापूर्वक बहुपक्षवाद का समर्थन करना चाहिए और अधिक न्यायसंगत और तर्कसंगत अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक और व्यापारिक व्यवस्था में सुधार को बढ़ावा देना चाहिए। तीसरा, पारस्परिक लाभ के सहयोग के सिद्धांत का पालन करना चाहिए, सहयोग के दायरे को बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए और विकास संबंधी समस्याओं को हल करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। चौथा, आपसी सम्मान और समान परामर्श का पालन करना चाहिए और मतभेदों को ठीक से प्रबंधित करने और समस्याओं को हल करने के लिए संवाद का अच्छा उपयोग करना चाहिए।

भारत को लोकतांत्रिक मूल्यों को संजोने वाली एक मज़बूत राजनीतिक संस्कृति की आवश्यकता

देबाशीष भट्टाचार्य

ऐसे युग में जब राजनीतिक विमर्श दैनिक जीवन के लगभग हर पहलू में व्याप्त है, वास्तविक राजनीतिक नेतृत्व दुनिया के अधिकांश हिस्सों में सबसे दुर्लभ संसाधनों में से एक बन गया है। फिर भी एक जिद्दी मिथक बना हुआ है—कि सत्ता संभालते ही नेतृत्व का अधिकार, विवेक या क्षमता अपने-आप मिल जाती है। यह भ्रांति हमारे देश को आज भी आकार दे रही है, और अक्सर इसका खामियाजा सार्थकता, सेवा और दूरदृष्टि को भुगतना पड़ता है।

एनलाइटेन्ड लीडरशिप में—जो भूटान के राजशाही से लोकतंत्र की प्रेरक यात्रा का विवरण प्रस्तुत करती है—देश के वर्तमान प्रधानमंत्री त्शेरिंग तोबगे 2008 के राज्याभिषेक भाषण का एक निर्णायक क्षण याद करते हैं, जब भूटान के पाँचवें और वर्तमान राजा, महामहिम जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने अपने शासन की नैतिक नींव रखते हुए कहा:

'अपने पूरे शासनकाल में मैं आपको एक राजा के रूप में शासित नहीं करूँगा।
मैं आपको एक माता-पिता की तरह संरक्षण दूँगा,
एक भाई की तरह आपकी देखभाल करूँगा
और एक पुत्र की तरह आपकी सेवा करूँगा।
मैं आपको सब कुछ दूँगा और अपने लिए कुछ नहीं रखूँगा;
मैं एक अच्छे इंसान के रूप में ऐसा जीवन जिऊँगा
कि आप उसे अपने बच्चों के लिए उदाहरण मान सकें।
आपके सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने के अलावा
मेरा कोई व्यक्तिगत लक्ष्य नहीं होगा।
मैं दया, न्याय और समानता की भावना से दिन-रात आपकी सेवा करता रहूँगा।'

अधिकांश लोग सहमत होंगे कि राजा के ये शब्द नेतृत्व के उस स्वरूप का संक्षिप्त—लगभग काव्यात्मक—सार प्रस्तुत करते हैं, जैसा उसे जनता की सेवा में होना चाहिए। जब हम भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में आगे बढ़ते हैं, तो अनिवार्य रूप से यह प्रश्न उठता है: कितने राजनीतिक नेता वास्तव में भूटानी सम्राट द्वारा व्यक्त इन आदर्शों में विश्वास रखते हैं? सिद्धांत रूप में तो अधिकांश लोग इन मूल्यों के प्रति निष्ठा का दावा करते हैं; किंतु आंतरिक विश्वास और व्यवहार में बहुत कम। इस तरह की बहस को चुप कराने का सबसे आसान तरीका यही होता है कि जो लोग राजनीतिक नेतृत्व के लिए असुविधाजनक सत्य बोलते हैं, उन पर तुरंत कोई वैचारिक ठप्पा लगा दिया जाए।

एक संवेदनशील नेतृत्व की आवश्यकता

परंतु कठोर वास्तविकता यह है: भव्य दृष्टि का खाका खींचना आसान है; उसे व्यवहार में उतारना कहीं अधिक कठिन। हमारे देश के सामने मौजूद गंभीर चुनौतियों की प्रकृति, पैमाने और तात्कालिकता को देखते हुए, हमें ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो सहयोग, खुलेपन, सशक्तीकरण और संवेदना की संस्कृति के प्रति प्रतिबद्ध हो।

यह कहा जा सकता है कि भूटान के राजा के सैद्धांतिक दृष्टिकोण को भारत जैसे विशाल और विविध देश के लिए संदर्भ के रूप में प्रस्तुत करना त्रुटिपूर्ण है—या अधिकतम, एक सैद्धांतिक अमूर्तता। फिर भी सच्चाई यही है कि सुशासन की भावना किसी भूगोल तक सीमित नहीं होती। यदि सीमित संसाधनों वाले एक छोटे, स्थल-रुद्ध देश का सर्वोच्च नेतृत्व ऐसे आदर्शों में विश्वास कर सकता है और उनकी दिशा में प्रयास कर सकता है, तो हमारा देश—जो कहीं बड़ा है और अधिक क्षमताओं, अवसरों और रणनीतिक लाभों से संपन्न है—दूरदर्शी नेतृत्व से क्यों पीछे रहे? इसी कारण हमारे देश को ऐसे रूपांतरणकारी राजनीतिक नेतृत्व की आवश्यकता है जो इन विशिष्ट शक्तियों का पूर्ण उपयोग कर सके।

ऐसे समय में जब राजनीतिक विश्वास लगातार गिर रहा है और सत्य को खोजना कठिन होता जा रहा है, 2026 से 2029 के बीच असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे, जिनका समापन बहुप्रतीक्षित 2029 के आम चुनावों में होगा। ये चुनाव देश के राजनीतिक विमर्श को बदलने का एक दुर्लभ अवसर प्रदान करते हैं। राजनीतिक दल—जो नागरिकों और सरकार के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं—अब तक लोकतंत्र में स्वाभाविक कारणों से केवल जीतने की क्षमता (विनएबिलिटी) को प्राथमिकता देते आए हैं, जबकि उतना ही स्पष्ट—यदि अधिक महत्वपूर्ण—राजनीतिक विश्वसनीयता को नज़रअंदाज़ करते रहे हैं। चूँकि विधायिका की गुणवत्ता स्वस्थ राजनीतिक संस्कृति के लिए अत्यंत आवश्यक है, बड़ा प्रश्न यह है कि क्या दलों में इतना साहस होगा कि वे चाहे जितने भी 'चुनाव-योग्य' क्यों न दिखें, बेईमान उम्मीदवारों को टिकट न दें, और इसके बजाय उन लोगों को आगे लाएँ जो ईमानदारी का प्रतीक हों और सार्वजनिक जीवन में नए दृष्टिकोण लेकर आएँ।

मतदाताओं के लिए—यहाँ तक कि कट्टर दल-निष्ठ समर्थकों के लिए भी—अब समय आ गया है कि वे 'सबसे कम बुरे' विकल्प से संतोष करना छोड़ें। 'इनमें से कोई नहीं' (ह्हञ्ज) विकल्प के चुनावी परिणामों पर कोई ठोस प्रभाव न डाल पाने के बाद, एक अहम प्रश्न सामने आता है: क्या हम, आम नागरिक, दलों द्वारा संरक्षित बीमार चुनावी राजनीति में कहीं न कहीं स्वयं भी सहभागी बन गए हैं?

चुनावी प्रणाली की रूपरेखा तैयार करना और उसे अपनाना मूलतः एक राजनीतिक प्रक्रिया है—जटिल, विवादास्पद और राजनीतिक जोखिमों से भरी। इसलिए, शोर-शराबे से परे असली सवाल यह है कि क्या सभी विचारधाराओं के दल मिलकर इतना राजनीतिक संकल्प जुटा पाएँगे कि वे आवश्यक और प्रभावी सुधार कर सकें, ताकि प्रणालीगत खामियों को दूर किया जा सके और जवाबदेही बहाल हो। किंतु संदेह स्वाभाविक है, क्योंकि हमारा राजनीतिक नेतृत्व—जानबूझकर या अनजाने में—उस कथन से सहमत दिखता है जिसे हैमरग्रेन ने कहा था। उन्होंने राजनीतिक संकल्प को 'नीतिगत शब्दावली में सबसे फिसलन भरी अवधारणा' बताया और कहा कि यह 'नीति की सफलता के लिए अनिवार्य तत्व है, जिसे कभी परिभाषित नहीं किया जाता—सिवाय उसकी अनुपस्थिति के।'

अब तक का स्पष्ट रुझान यही रहा है: हर चुनाव में राजनीतिक दल जीतते हैं, लेकिन जनता हारती है। जनता उन स्थायी रोगों से हारती है—गहरे जड़ें जमाए भ्रष्टाचार, राजनीति के अपराधीकरण के अनेक रूप, और जमी हुई सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ। चूँकि चुनावी घोषणापत्र कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होते, दल आसानी से बड़े-बड़े वादे कर देते हैं—महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटने की नीतियों और कार्यक्रमों की घोषणा करते हैं, और ईमानदारी, समावेशी विकास तथा सुशासन जैसे पुराने वचनों को दोहराते रहते हैं। लेकिन जैसे ही मतगणना पूरी होती है और निर्वाचित सरकार सत्ता संभालती है, पुरानी बीमारियाँ फिर से उभर आती हैं—सत्ता का दुरुपयोग, औसतपन, भाई-भतीजावाद और तुष्टीकरण—अक्सर नए रूपों, डिज़ाइनों और रणनीतियों में। एक विडंबना यह भी है कि वही राजनीतिक दल सत्ता में होने पर लोकतंत्र की जीत का दावा करता है और विपक्ष में रहते हुए उसे संकटग्रस्त घोषित करता है।

पाँच विशिष्ट विरासतें

समग्र रूप से, देश का राजनीतिक परिदृश्य पाँच विशिष्ट विरासतों से चिह्नित है।

दिखावा (Posturing): तमाशे की राजनीति—चमक-दमक से भरी, गैर-गंभीर, भावनात्मक और विचारों या किसी उच्च उद्देश्य से विहीन। हमें इस प्रदर्शनकारी राजनीति को सामान्य—यहाँ तक कि अपरिहार्य—मानने के लिए प्रशिक्षित कर दिया गया है। राजनेता, प्रायः, कुशल कलाकार होते हैं—माहौल भाँपने में तेज़, भूमिका निभाने में माहिर, और श्रोताओं के अनुसार पटकथा बदलने को तत्पर। आखिरकार, वे तभी चुने जा सकते हैं जब वे स्वयं को मतदाताओं के लिए स्वीकार्य और विश्वसनीय रूप में प्रस्तुत करें—यहाँ तक कि नैतिक और अनैतिक के बीच की रेखा धुंधली पड़ती जाती है।

लोकलुभावनवाद (Populism): यह नकारा नहीं जा सकता कि लोकलुभावनवाद की वैचारिक नींव बेहद पतली होती है और यह राजनीतिक रेखाओं के आर-पार फैला होता है। असली प्रश्न यह नहीं कि लोकलुभावनवाद मौजूद है या नहीं—वह स्पष्ट रूप से है—बल्कि यह है कि उसका बढ़ता प्रभुत्व किसी देश को बेहतर बनाता है या बदतर। जब लोकलुभावनवाद दीर्घकालिक विकास और वित्तीय स्थिरता की कीमत पर केवल वोट-बॉक्स केंद्रित हो जाता है, तो वह लोकतांत्रिक सुधारक की भूमिका छोड़कर क्षरणकारी बन जाता है। इसीलिए अल्पदृष्टि से भरी चुनावी 'फ्रीबीज़' का बेतहाशा विस्तार—जो सतत और व्यापक विकास के लिए अनुपयुक्त हैं—लगभग सभी दलों का पसंदीदा औज़ार बन गया है, जिसका उद्देश्य जिम्मेदार शासन से अधिक तात्कालिक चुनावी लाभ होता है।

ध्रुवीकरण (Polarisation): ध्रुवीकरण, एक पुराना राजनीतिक औज़ार, लोगों को वैचारिक अतियों की ओर धकेलता है और धीरे-धीरे 'दूसरे पक्ष' के प्रति अविश्वास और नापसंदगी को बढ़ावा देता है। हम ऐसे बिंदु पर पहुँच गए हैं जहाँ पड़ोसियों से राजनीतिक असहमति रखते हुए भी उन पर भरोसा करना लगभग अकल्पनीय लगता है। जब राजनीतिक विभाजन सामाजिक विश्वास को खोखला करता है, तो लोकतंत्र की जड़ें कमजोर पड़ जाती हैं।

व्यक्तिवाद (Personalism): समय के साथ, व्यक्ति-केंद्रित राजनीतिक नेतृत्व का प्रभुत्व बढ़ा है, जिसे करिश्माई व्यक्तित्व आगे बढ़ाते हैं, जहाँ व्यक्तिगत इच्छाएँ और पसंद अक्सर आंतरिक लोकतंत्र के सिद्धांतों पर हावी हो जाती हैं। कोई भी दल—क्षेत्रीय हो या राष्ट्रीय—इस प्रवृत्ति से पूरी तरह अछूता नहीं है; और खतरा तब बढ़ जाता है जब करिश्मे को निर्विवाद निष्ठा समझ लिया जाता है।

प्रेत राजनीति (Phantom): प्रेत राजनीति के दो सामान्य लक्षण—अपारदर्शी राजनीतिक फंडिंग प्रणालियाँ और काल्पनिक अभियान—गंभीर दुष्परिणाम लाते हैं। दल अक्सर उचित प्रक्रिया का दिखावा किए बिना दोनों को अंजाम देते हैं। चुनावों में धन का प्रभाव—जो अब अज्ञात नहीं रहा—अक्सर संदिग्ध वित्तीय ढाँचों और गुप्त राजनीतिक गठजोड़ों में निहित होता है। उतना ही चिंताजनक एक भोला मतदाता वर्ग है, जिसे आधे-सच, भावनात्मक अपीलों और झूठे वादों से बहकाया जाता है। प्रेत अभियान चलाने वाले नेता एक काल्पनिक 'खतरे' की भावना भी गढ़ते हैं। एक बार ये काल्पनिक खतरे जनमानस में बैठा दिए जाते हैं, तो दल उनका उपयोग विरोधियों पर हमला करने में करते हैं—और सोशल मीडिया इस पूरी प्रक्रिया का बड़ा सहायक और प्रवर्धक बन जाता है।

जनता को लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करनी होगी

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के नागरिक होने के नाते, हम सभी पर एक जिम्मेदारी है—लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने और आगे बढ़ाने की। लेकिन अक्सर हम इस जिम्मेदारी में विफल रहे हैं, और लोकतांत्रिक नवोद्धार का कार्य सरकारों, राजनीतिक दलों या 'प्रणाली' पर छोड़ दिया है। राजनीतिक संस्कृति का शिकार बनना स्वयं को आसान लगता है; अपने योगदान को पहचानना और बदलना कठिन।

अब समय आ गया है—अभी, बाद में नहीं—कि हम स्वयं से कहें: 'राजनीति, हाँ; दिखावा, नहीं।' इसके लिए ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो वास्तव में जैविक हो—गहरी सांस्कृतिक और नैतिक रीढ़ में निहित—जो केवल शासन ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिकता के अभ्यास को भी आकार दे; और साथ ही उन लोगों को सिरे से नकारे जो शैली, तमाशे या सिद्धांतहीन खाली इशारों पर पलते हैं। यह सब कहते हुए भी, सेवा-प्रदान और विकास कार्यक्रमों में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद, देश का लोकतंत्र—भले ही विश्वास के बढ़ते संकट से घिरा हो—गहरी सहनशक्ति और अनगिनत ताकतें रखता है, और फिर से संभल सकता है। भविष्य को अभी भी आकार दिया जा सकता है और सामूहिक हित को सुरक्षित किया जा सकता है।

ऐसे दौर में जब भ्रामक और दुष्प्रचार—सुर्खियों से लेकर हैशटैग तक—अत्यंत तेज़ी से वास्तविकता को विकृत कर सकते हैं, एक मज़बूत राजनीतिक संस्कृति केवल वांछनीय नहीं; अनिवार्य है। लोकतांत्रिक पतन के चिंताजनक संकेतों के बीच, और साथ ही लोकतंत्र-समर्थक उत्साह के कुछ आशाजनक क्षणों में, क्या यह अपेक्षा करना बहुत अधिक है कि विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र और एक प्रमुख वैश्विक आर्थिक-राजनीतिक शक्ति इस कसौटी पर खरा उतरे?

(लेखक भारत अंतरराष्ट्रीय केंद्र, दिल्ली के पूर्व उपमहाप्रबंधक; अंतरराष्ट्रीय केंद्र गोवा के पूर्व महाप्रबंधक; और 'Whispers of an Ordinary Journey' के लेखक हैं। व्यक्त विचार निजी हैं। उनसे db.bhattacharyya@gmail.com पर संपर्क किया जा सकता है।)

हरड़ को क्यों कहा जाता है अमृत? आयुर्वेद से जानिए चमत्कारी फायदे

नई दिल्ली । आयुर्वेद में हरड़ (हरितकी) को 'अमृत' के समान माना गया है। इसकी वजह यह है कि हरड़ सिर्फ किसी एक बीमारी पर काम नहीं करती, बल्कि पूरे शरीर को भीतर से संतुलित और मजबूत बनाती है। चरक संहिता में इसे त्रिदोष नाशक बताया गया है, यानी यह वात, पित्त और कफ तीनों दोषों को संतुलन में रखती है।

हरड़ की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह शरीर की जरूरत के हिसाब से काम करती है। अगर किसी को कब्ज है, तो यह आंतों की सफाई करती है और अगर दस्त की प्रवृत्ति है, तो आंतों को मजबूत बनाती है। यही वजह है कि इसे एक एडाप्टोजेनिक हर्ब कहा जाता है।

हरड़ शरीर का 'स्मार्ट मैकेनिक' है जो जहां गड़बड़ी होती है, वहीं सुधार शुरू कर देती है। पेट से जुड़ी ज्यादातर समस्याओं जैसे गैस, अपच, एसिडिटी और भारीपन में हरड़ बेहद असरदार मानी जाती है।

आयुर्वेद के अनुसार, बीमारी की जड़ शरीर में जमा आम होता है, यानी अधपचा और विषैला पदार्थ। हरड़ इस आम को बाहर निकालने का काम करती है। जब शरीर साफ होता है, तो उसका असर त्वचा, बाल और आंखों पर भी साफ दिखाई देता है। चेहरे की रंगत सुधरना, मुंह के छाले ठीक होना और बालों का झड़ना कम होना ये सब हरड़ के नियमित और सही उपयोग से संभव है। यही कारण है कि आयुर्वेद में इसे रसायन की श्रेणी में रखा गया है, जो शरीर को अंदर से नया बनाती है।

हरड़ को अमृत कहे जाने का एक बड़ा कारण इसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना भी है। बदलते मौसम में बार-बार सर्दी-जुकाम होना, गले में कफ जमना या जल्दी थक जाना, इन सब में हरड़ शरीर की रक्षा ढाल की तरह काम करती है। यह लिवर को भी मजबूत करती है, जिससे खून साफ रहता है और ऊर्जा बनी रहती है।

हालांकि हरड़ जितनी फायदेमंद है, उतनी ही सावधानी भी जरूरी है। बहुत अधिक मात्रा लेने से दस्त या कमजोरी हो सकती है। गर्भवती महिलाओं और बहुत ज्यादा कमजोर लोगों को इसका सेवन बिना वैद्य की सलाह के नहीं करना चाहिए।

रात में सोने से पहले जरूर पिएं लौंग का पानी, गहरी नींद

नई दिल्ली । आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में नींद पूरी होना और शरीर को आराम मिलना एक बड़ी चुनौती बन गया है। तनाव, काम का बोझ, मोबाइल और स्क्रीन टाइम, यह सब मिलकर नींद के पैटर्न को बिगाड़ देते हैं। ऐसे में आयुर्वेद और प्राकृतिक नुस्खों का महत्व और बढ़ जाता है। इसी कड़ी में लौंग का पानी एक अद्भुत उपाय है।

लौंग में कई औषधीय गुण होते हैं। सोने से पहले इसका पानी पीने से न सिर्फ नींद गहरी होती है, बल्कि शरीर और दिमाग दोनों को कई तरह के लाभ मिलते हैं।

लौंग में मौजूद सबसे प्रमुख तत्व यूजेनॉल है। यह एक प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल तत्व है, जो शरीर के कई सिस्टम को सक्रिय करता है। यूजेनॉल पेट के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। रात में सोने से पहले लौंग का पानी पीने से पेट के एंजाइम्स सक्रिय हो जाते हैं, जिससे गैस, अपच और ब्लोटिंग की समस्या कम हो जाती है। पेट हल्का होने से नींद आरामदायक और गहरी आती है। वहीं, यूजेनॉल के कारण जोड़ों में हल्का दर्द या सूजन होने पर भी राहत मिलती है।

गहरी नींद के लिए लौंग का पानी सबसे बड़ा वरदान है। इसमें मन को शांत करने वाले गुण भी मौजूद हैं। ये गुण दिमाग और शरीर दोनों को रिलैक्स करते हैं, तनाव कम करते हैं और अनिद्रा की समस्या में मदद करते हैं। लगातार लौंग का पानी पीने से रात भर आराम मिलता है, नींद नहीं टूटती और शरीर पूरी तरह से रिचार्ज रहता है।

इसके अलावा लौंग का पानी ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। लौंग इंसुलिन के काम को बेहतर बनाता है, जिससे इसका नियमित सेवन करके डायबीटीज वाले लोग अपने शुगर लेवल को स्थिर रख सकते हैं। लौंग शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत बनाती है। इससे मौसमी बीमारियों और इंफेक्शन का खतरा कम होता है।

लौंग का पानी मुंह और दांतों के लिए भी फायदेमंद है। इसमें बैक्टीरिया मारने की क्षमता होती है, जिससे रात को पीने से मुंह की बदबू कम होती है और दांत-मसूड़ों की समस्याओं से भी राहत मिलती है। यह प्राकृतिक तरीका दांतों और मसूड़ों की सेहत बनाए रखने में सहायक होता है।

लौंग का पानी बनाना बेहद आसान है। बस एक बर्तन में पानी गर्म करें और उसमें लौंग डालकर 5-7 मिनट धीमी आंच पर उबालें, फिर हल्का ठंडा करके छान लें। गुनगुना होने पर पी लें। स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें आप थोड़ा नींबू का रस या शहद भी मिला सकते हैं।

सामूहिक कर्ज़ कंपनियों का मकड़्जाल

डॉ.संजीव कुमार

लोग क्या कहेंगे,इसी मानसिकता के इर्द गिर्द आधे भारतीय जीते हैं और अपनी पूरी जिंदगी बर्बाद कर लेते हैं। लोग याद रखेंगे,लोग तारीफ करेंगे,लोग मेरे दरवाजे पर बैठेंगे इत्यादि सोच के साथ ही हम भारतीय अपने जीवन की गाढ़ी कमाई उजुल फुजुल खर्च कर देते हैं,ये खर्च एक दिन करते हैं और सालों चुकाते रहते हैं।

हमारे पड़ोस में ही एक किसान है उनके दो बेटे हैं दोनों ने भारतीय शिक्षा पद्धति के अंतर्गत न्यूनतम शिक्षा हासिल कर रखी हैं। दोनों की शादियां हो चुकी है शादी से लेकर के दोनों के दो पुत्र होने तक इन्होने समाज में हर प्रकार के खूब आयोजन किया, दिखावे के लिए इन लोगों ने अपनी कमाई से 4 गुना खर्च किया और यह सारा खर्च फाइनेंस कंपनियों से एक के बाद एक उठाते हुए किया. आज इनके पिता के पास जो जमीन थी जिससे इनका परिवार हंसी खुशी जीवन गुजारा करता था वह जमीन गिरवी है, अब यह दूसरों की खेती में मजदूरी करते हैं. उनके हालात देखकर के मुझे सवा शेर गेहूं की कहानी याद आती है. आखिर माइक्रो फाइनेंस कंपनियों से इनका कितना उद्धार हो रहा है?

इस वर्ष मेरे तीन करीबी लोगों के बेटियों की शादी थी, सभी ने माइक्रो फाइनेंस कैंपनियों से लाखों कर्ज़ लेकर शादी में अपनी क्षमता से बढ़कर खर्च किया आज सभी महीने के पंद्रह से बीस हजार किस्त भर रहे हैं जब की सभी दिहाड़ी मजदूर हैं। इसके अतिरिक्त जो उन्होंने रिश्तेदारों से कर्ज़ लिए वो अलग हैं.भारत में दिहाड़ी मजदूरी कितनी हैं इससे आप सब वाकिफ हैं। परिणाम स्वरुप आज तीनों परिवारों के बच्चों को इस वर्ष अपनी शिक्षा रोकनी पड़ी हैं, गरीबों के घर के बच्चें जब शिक्षा छोड़ते हैं तब उन्हें फिर शिक्षा की तरफ मोड़ पाना बड़ा मुश्किल होता जो की गरीबों के जीवन परिवर्तन का आखिरी उम्मीद होती हैं।

दूसरी तरफ इन परिवारों के ऐसे बच्चें जो अपने माँ बाप की मदद के लिए उनके काम में मदद करते हैं वे भी किशोरवस्था में मोबाइल अतिक्रमण का शिकार हो चुके होते हैं ऐसे में वे अपना शौख पूरा करने के लिए फाइनेंस कम्पनियों से मोबाइल फाइनेंस करवाते हैं जो वे इनके माँ के नाम से पास भी कर देते हैं और इस तरह एक गरीब बच्चा उस किस्त को चुकाने के लिए छोटी मोटी मजदूरी या दिहाड़ी करने लगता हैं। ऐसे में इन बच्चों को पुनः शिक्षा की तरफ लाना माँ बाप के लिए मुश्किल हो जाता है।आज लाखों अभिभावक इस समस्या से जूझ रहे हैं।

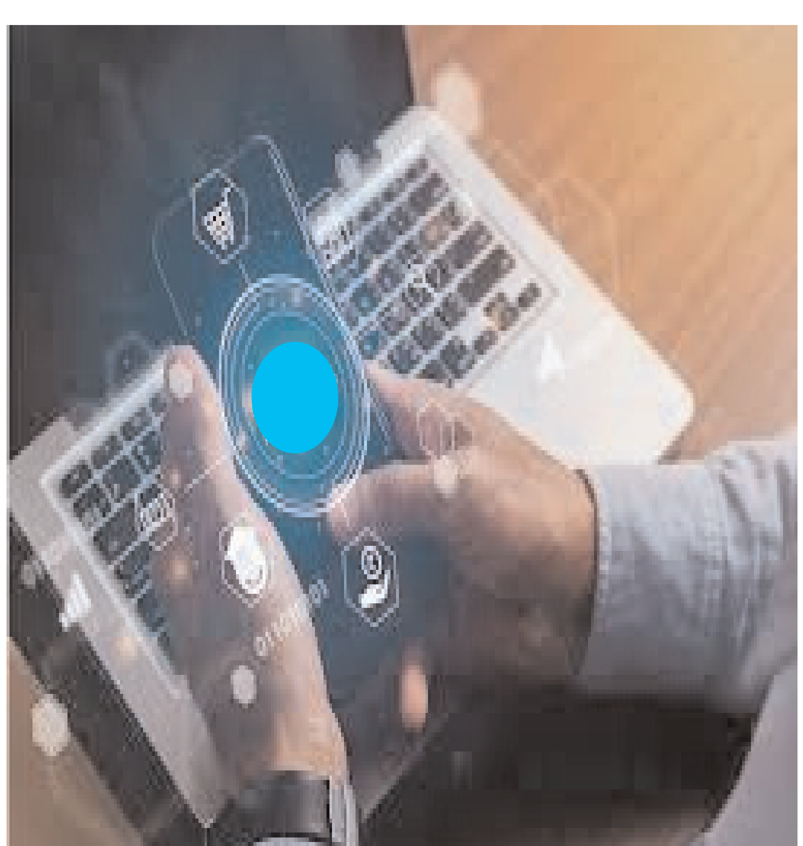

कहने के लिए तों ये कम्पनिया महिलाओं को व्यवसाय के लिए कर्ज़ देती हैं पर आजादी के बाद से भारत सरकार भी ये कार्य कर रहा हैं और 90 के दशक ये कम्पनिया भी फिर आखिर गावों से हर दिन सैकड़ो के झूंड में जो लोग मजदूरी करने जाते हैं आखिर ये लोग कौन हैं?और दिल्ली मुंबई की ट्रेनों में ठूस ठूस कर फैक्ट्रिओं में कमाने वाले कौन हैं?

आज देश में सैकड़ो फाइनेंस कंपनिया महिलाओं को कर्ज़ बाँट रही हैं और इनका रिकवरी दर 98% हैं जबकि सरकारी बैंके उलटे कर्ज़ में हैं ऐसा क्यों? दरअसल ये कम्पनिया लोगों को हर तरह का कर्ज़ देते हैं।एक आदमी को जो जरूरते हैं वह सब ये किस्त पर बाँटती हैं जैसे टीवी, कूलर, मोबइल, बाइक, गैस सिलिंडर इत्यादि और साप्ताहिक कर्ज़ादारों के घर जाकर वसूलती हैं यदि किसी दिन कर्ज़दार समय पर अपनी किस्त देने में अक्षम होता हैं उस दिन इनके वसूलीकर्ता कर्ज़ादारों के घर पर डेरा डाल देता हैं अंततः मारे शर्म के कर्ज़दार एक कर्ज़ चुकाने के लिए अपने गहने, बर्तन गिरवी रखकर अपना किस्त भरता हैं। देखते हो देखते पूरा परिवार मजदूरी कि गिरफ्त में आ जाता हैं।ऐसी स्थिति में कुछ लोग अपना घर छोड़ देते हैं या फिर आत्महत्या कर लेते हैं। दरअसल फाइनेंस कम्पनियों ने साहूकारी से निजात दिलाने के लिए यह व्यवस्था शुरू की थी परन्तु आज मैं देख रहा हूं कि यदि साहूकारी जहर था तों यह मीठा जहर बन चूका हैं।

हमारी सरकार बाजार और खरीददारी देखकर देश के विकास का आकलन करती हैं। आज 300 की दिहाड़ी करने वाला अपनी बेटी की शादी में पांच लाख खर्च कर रहा हैं, उसके घर में स्मार्ट फोन हैं, डिजिटल टीवी हैं, वह बाइक से मजदूरी करने जा रहा हैं। दिवाली, होली, नवरात्र धूम से मना रहा हैं पर पांच किलो राशन न मिले तो शायद उन्हें भूखा रहना पड़े, सरकारी आवास न मिले तो वे बेघर हो जाए आखिर यह कैसा विकास हैं? दहेज़ एक बड़ी चुनौती हैं हमारे देश में पूर्वी भारत के ज्यादातर गरीब इसी दल दल में फंसे हुए हैं। आज एक पिता को अपनी बेटी व्याहने के लिए कम से कम एक बाइक कि व्यवस्था करनी पडती हैं जिसे इस समाज में एक साधारण बात मान कर स्वीकार कर लिया गया हैं। मैं दावे के साथ कहता हूं कामगार परिवारों में 80% बाइक दहेज़ कि हैं। जाहिर हैं जब एक व्यक्ति बेटी को बाइक देगा तब बेटे की शादी भी बिना बाइक के नही करेगा फिर टीवी, अलमारी, फ्रिज जो कभी वह अपनी कमाई से नही खरीद सकता वह अपनी जरूरते ऐसे हो पूरा करता हैं जिसके लिए बाजार हर प्रकार से तैयार खड़ा हैं.दरअसल पूरा बाजार, पूरी सरकार इनके दम पर खड़ा हैं ये सिर्फ इनके के लिए भीड़ मात्र हैं। इनकी जिंदगी किस्तों में बट चूकि हैं। एक तरफ सरकार इन्हें राशन की लाइन में खड़ी कर रही हैं दूसरे तरफ व्यापारी इनके दरवाजे पर किस्तों के लिए खड़े हैं, शिक्षा और विकास का दरवाजा इनके लिए बंद हो रहा हैं। आजादी पश्चात् से लेकर 2013 तक भारत पर 55 लाख करोड़ कर्ज़ थे 2013 से 2024 तक यह कर्ज़ 155 लाख करोड़ में तब्दील हो चूका हैं, भूख की वैश्विक सूची में हम अपने पडोसी देशों से भी निचे हैं तो वास्तविक विकास ये हैं और ये तब हैं जब देश की सम्पत्ति बेचीं जा रही हैं, एक परिवार का हर वह सदस्य जो किशोरवस्था से ऊपर हैं किसी न किसी प्रकार की मजदूरी से जुड़ा हुआ हैं। बाज़ारीकारण ने निम्न वर्ग के लोगों की सोचने समझने की शक्ति छीन ली हैं। शायद ऐसी हो परिस्थितियों के लिए टालस्टाय ने कहा हैं कि 'हम सब कुछ करने को तैयार हैं सिवाय गरीबों के पीठ से उतरने के'।

सामाजिक एवं राजनीतिक विशेषज्ञ

सेमीकंडक्टर से लेकर एआई मॉडल तक, भारत को 'एआई संप्रभुता' मजबूत करने की जरूरत : आईबीएम सीईओ

दावोस । आईबीएम के चेयरमैन और सीईओ अरविंद कृष्णा ने कहा है कि भारत को अपनी 'एआई संप्रभुता' मजबूत करने के लिए सेमीकंडक्टर, एआई मॉडल बनाने और रियल लाइफ में इस्तेमाल होने वाले एप्लिकेशन पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने भारतीय उद्यमियों से कहा कि देश में ही मजबूत एआई क्षमताएं विकसित करना जरूरी है।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के दौरान दावोस में बोलते हुए अरविंद कृष्णा ने कहा कि अब छोटे और खास कामों के लिए बने एआई मॉडल, बड़े एआई मॉडल के बराबर प्रदर्शन करने लगे हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे छोटे एआई मॉडल आज करीब 95 प्रतिशत उपयोग में आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि भारत के लिए असली बदलाव सेमीकंडक्टर, एआई मॉडल तैयार करने और उनके इस्तेमाल वाले एप्लिकेशन में होगा। यही क्षेत्र हैं जहां से भारत को बड़ी सफलता मिल सकती है।

आईबीएम प्रमुख ने चीन के डीपसीक का उदाहरण देते हुए कहा कि एआई में सफलता कई बार असफल प्रयासों के बाद मिलती है। उन्होंने कहा कि भारत को हेल्थकेयर, डिफेंस और कानून जैसे क्षेत्रों के स्थानीय डेटा पर आधारित एआई सिस्टम बनाने चाहिए, ताकि देश की जरूरतों के मुताबिक एआई समाधान तैयार हो सकें। साथ ही उन्होंने नए प्रयोग करने और असफलता को स्वीकार करने की संस्कृति को जरूरी बताया।

इसी कार्यक्रम में केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय आईटी कंपनियां अब तेजी से एआई की ओर बढ़ रही हैं, जिससे इस सेक्टर में रोजगार भी बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि भारत इस समय 12 एआई मॉडल विकसित कर रहा है, जिनमें से कम से कम 4 मॉडल जल्द लॉन्च किए जाएंगे।आईटी मंत्री ने कहा कि भारत छोटे लेकिन खास सेक्टर के लिए बने एआई मॉडल पर ध्यान दे रहा है, जो अलग-अलग उद्योगों में उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद करेंगे।

दीपिंदर गोयल ने इटरनल ग्रुप के सीईओ का पद छोड़ने का किया ऐलान, ढींढसा संभालेंगे कंपनी की कमान

नई दिल्ली । देश में फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो और क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट का संचालन करने वाली कंपनी इटरनल ग्रुप के सीईओ दीपिंदर गोयल ने अपने पद से इस्तीफे का ऐलान किया है। उनकी जगह यह पद अलबिंदर ढींढसा संभालेंगे, जो कि मौजूदा समय में ब्लिंकिट के सीईओ हैं।

कंपनी ने फाइलिंग में कहा कि दीपिंदर गोयल का इस्तीफा एक फरवरी,2026 से लागू होगा।

शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में गोयल ने कहा कि हाल ही में उनका रुझान ऐसे नए विचारों की ओर हुआ है जिनमें उच्च स्तर का जोखिम, प्रयोग और अन्वेषण शामिल है।

उन्होंने आगे कहा कि ऐसे विचारों को इटरनल जैसी सार्वजनिक कंपनी से बाहर रहकर ही आगे बढ़ाना बेहतर है, क्योंकि इटरनल को अपनी वर्तमान व्यावसायिक रणनीति पर केंद्रित और अनुशासित रहना आवश्यक है। अगर ये विचार इटरनल के रणनीतिक दायरे में आते, तो मैं कंपनी के भीतर ही इन पर काम करता।

अंत में उन्होंने कहा, हालांकि मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि मेरे पास इटरनल में अपने वर्तमान कार्य को जारी रखने और इसके बाहर नए विचारों को तलाशने के लिए पर्याप्त समय है, लेकिन भारत में एक सार्वजनिक कंपनी के सीईओ से कानूनी और अन्य अपेक्षाएं एक ही लक्ष्य पर केंद्रित रहने की मांग करती हैं।

हाल ही में 10-मिनट डिलीवरी को लेकर काफी विवाद हुआ था। सरकार ने कड़ा कदम उठाते हुए क्विक कॉमर्स कंपनियों को 10 मिनट डिलीवरी बंद करने की सलाह दी थी, जिसके बाद कंपनियों ने इसे बंद कर दिया है।

श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने प्रमुख फूड डिलीवरी और क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स से 10 मिनट के सख्त डिलीवरी समय के नियमों को खत्म करने को कहा था। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि डिलीवरी कर्मचारियों की सुरक्षा पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है।

दिल्ली में मांडविया ने ब्लिंकइट, जेप्टो, स्विगी और जोमैटो के अधिकारियों के साथ चर्चा की थी, जिसमें उन्होंने डिलीवरी कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें अपने प्लेटफॉर्म और प्रचार सामग्री से सख्त डिलीवरी समय सीमा हटाने की सलाह दी थी।

वनप्लस इंडिया ने परिचालन बंद करने की रिपोर्ट्स को किया खारिज, सीईओ बोलो- स्थिति सामान्य

नई दिल्ली । वनप्लस इंडिया ने बुधवार को उन सभी रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया जा रहा था कि कंपनी भारत में अपने ऑपरेशन को बंद करने जा रही है।

इसके साथ कंपनी ने कहा कि उसके ऑपरेशन सामान्य बने हुए हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वनप्लस के सीईओ रॉबिन लियू ने एक पोस्ट में कहा, 'वनप्लस इंडिया और उसके संचालन के बारे में फैल रही कुछ गलत जानकारियों को मैं स्पष्ट करना चाहता हूं। हम सामान्य रूप से काम कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।'

लियू ने आगे कहा, 'वनप्लस के बंद होने के बारे में हाल ही में आई अपुष्ट खबरें झूठी हैं। वनप्लस इंडिया का कामकाज सामान्य रूप से जारी है। हम सभी पक्षकारों से आग्रह करते हैं कि वे निराधार दावों को साझा करने से पहले आधिकारिक स्रोतों से जानकारी की पुष्टि करें।

कंपनी की ओर से स्पष्टीकरण ऐसे समय पर आया है, जब भारत में स्मार्टफोन निर्माताओं को कड़ी सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ रहा है और साथ ही बाजार में प्रतिस्पर्धा पहले के मुकाबले काफी अधिक हो गई है।

वनप्लस की स्थापना 2013 में एक स्वतंत्र ब्रांड के रूप में हुई थी। कंपनी के ओप्पो के साथ काफी करीबी संबंध हैं, क्योंकि दोनों कंपनियां बीबीके इलेक्ट्रॉनिक्स ग्रुप का हिस्सा हैं और दोनों कंपनियों के निवेशक और आपूर्ति श्रृंखला भी करीब एक ही है।

वनप्लस भारतीय स्मार्टफोन बाजार के मध्य-प्रीमियम सेगमेंट में कारोबार करती है, जिसमें 2025 की तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई और बाजार हिस्सेदारी 3 प्रतिशत से बढ़कर 4 प्रतिशत हो गई। इसमें सैमसंग शीर्ष स्थान पर है, उसके बाद ओप्पो और

वनप्लस का स्थान है।

इंटरनेशनल डेटा कॉर्पोरेशन (आईडीसी) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में स्मार्टफोन बाजार 2025 की तीसरी तिमाही में पांच साल के उच्चतम स्तर पर था, जिसमें सालाना आधार पर 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 48 मिलियन यूनिट तक पहुंच गया।

भारत से स्मार्टफोन की विदेशी शिपमेंट 2021 से 2025 तक लगभग 79.03 बिलियन डॉलर रही, इसमें 2025 की हिस्सेदारी सबसे अधिक थी। इस अवधि के दौरान कुल शिपमेंट में एप्पल के आईफोन का हिस्सा लगभग 75 प्रतिशत था, जिसका मूल्य 22 बिलियन डॉलर से अधिक था।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में कहा कि सेमीकंडक्टर उत्पादन को बढ़ावा देने के कारण भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में और वृद्धि होने की उम्मीद है।

भारत अब विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन उत्पादक बन गया है, जहां घरेलू स्तर पर बिकने वाले 99 प्रतिशत से अधिक फोन 'मेड इन इंडिया' हैं, जिससे विनिर्माण मूल्य श्रृंखला में इसका महत्व बढ़ रहा है।

स्मार्टफोन पीएलआई योजना मार्च 2026 में समाप्त होने वाली है, हालांकि सरकार कथित तौर पर समर्थन बढ़ाने के विकल्पों पर विचार कर रही है।

बाजार की पाठशाला : लंबे समय में सुरक्षित और मोटा मुनाफा चाहते हैं? ये टॉप 5 सरकारी योजनाएं बेस्ट ऑप्शन

नई दिल्ली। आज के समय में निवेश के सही विकल्प चुनना हर व्यक्ति के लिए बेहद जरूरी हो गया है, खासकर उन लोगों के लिए जो बचत के साथ अच्छा रिटर्न और सुरक्षा भी चाहते हैं। भारत में कई ऐसी सरकारी निवेश योजनाएं हैं जो न केवल सुरक्षा और भरोसा देती हैं, बल्कि निश्चित रिटर्न और टैक्स लाभ भी प्रदान करती हैं। इन योजनाओं की खासियत यह है कि यह जोखिम-मुक्त या कम जोखिम वाली हैं, इसलिए ये लंबे और मध्यम समय में मोटी राशि तैयार करने के लिए उपयुक्त मानी जाती हैं। जानकारों के मुताबिक, सीनियर सिटिजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस) एक ऐसी योजना है, जो खास तौर पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए है, जो रिटायरमेंट के बाद नियमित आय चाहते हैं। एससीएसएस में निवेश पर वर्तमान में लगभग 8.2 प्रतिशत के करीब ब्याज मिलता है और यह तिमाही आधार पर सीधे बैंक खाते में जमा होता है। इसकी खास बात यह है कि यह पूरी तरह सरकारी गारंटी वाली योजना है, इसलिए निवेशकों को अपने मूलधन की सुरक्षा की चिंता नहीं रहती। साथ ही, धारा 80सी के तहत टैक्स लाभ भी मिलता है, जिससे टैक्स बोझ कम होता है। पांच साल की अवधि में रखे गए निवेश पर मिलने वाला यह ब्याज निश्चित रूप से मध्यम और वरिष्ठ निवेशकों के लिए आकर्षक विकल्प है। अगली प्रमुख योजना है पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ)। यह भारत सरकार द्वारा समर्थित बचत योजना है, जो 15 साल की अवधि के लिए होती है और इसमें निवेश पर मिलने वाला ब्याज टैक्स-फ्री होता है। पीपीएफ में न केवल आपका मूलधन सुरक्षित रहता है, बल्कि दीर्घकालिक निवेश के लिए यह सबसे भरोसेमंद विकल्पों में से एक है। रिटायरमेंट प्लानिंग, बच्चों की शिक्षा या भविष्य की बचत के लिए पीपीएफ का इस्तेमाल निवेशकों द्वारा बड़े पैमाने पर किया जाता है, क्योंकि इसे 80सी टैक्स लाभ के रूप में भी शामिल किया जा सकता है। नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (एनएससी) 5 साल की अवधि वाली सरकारी बचत योजना है, जिसमें लगभग 7.7 प्रतिशत के करीब ब्याज मिलता है। एनएससी में निवेश पर भी 80सी के तहत टैक्स छूट मिलती है, जिससे टैक्स लाभ के साथ ही अपनी पूंजी को भी बढ़ाने का मौका मिलता है।

कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए खाद्य महंगाई दर दिसंबर में नकारात्मक रही

नई दिल्ली । कृषि श्रमिकों के लिए अखिल भारत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई-एल) दिसंबर में सालाना आधार पर 0.04 प्रतिशत और ग्रामीण श्रमिकों के के लिए अखिल भारत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई-आरएल) दिसंबर में सालाना आधार पर 0.11 प्रतिशत रहा है। यह जानकारी श्रम और रोजगार मंत्रालय की ओर से बुधवार को दी गई।

मंत्रालय ने कहा कि इस दौरान खाद्य महंगाई कृषि श्रमिकों के लिए -1.8 प्रतिशत और ग्रामीण श्रमिकों के लिए -1.73 प्रतिशत रही है। इसकी वजह उत्पादन बढ़ने के कारण खाद्य उत्पादों की कीमतों का कम होना है।

हाल के महीनों में महंगाई दर में आई गिरावट उन कमजोर वर्गों के लिए राहत की बात है जो बढ़ती कीमतों से सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। इससे उनके पास अधिक धन उपलब्ध होता है जिससे वे अधिक सामान खरीद सकते हैं और उनका जीवन स्तर बेहतर होता है।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अधीन श्रम ब्यूरो ने इस वर्ष जून से कृषि श्रमिकों और ग्रामीण श्रमिकों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का आधार वर्ष 2019=100 निर्धारित किया है। ये सूचकांक 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 787 गांवों से एकत्रित आंकड़ों पर आधारित हैं।

नई सीपीआई - एएल एवं आरएल सीरीज(आधार: 2019=100) पहले की 1986-87=100 सीरीज के स्थान पर लाई गई है। संशोधित सीरीज ने सूचकांकों को अधिक विश्वसनीय बनाने के लिए दायरे और कवरेज को काफी हद तक बढ़ाया है और इसमें कई कार्यप्रणालीगत परिवर्तन शामिल किए गए हैं।

इसके अलावा, खुदरा महंगाई दर दिसंबर में 1.33 प्रतिशत रही है, जो कि नवंबर में 0.71 प्रतिशत थी।

वहीं, थोक कीमतों पर आधारित भारत की महंगाई दर दिसंबर 2025 में 0.83 प्रतिशत रही, जो कि नवंबर में -0.32 प्रतिशत थी। यह मुख्य रूप से विनिर्मित वस्तुओं (मैन्यूफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स) और खनिजों की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण हुई है। आरबीआई का अनुमान है कि वित्त वर्ष 26 में खुदरा महंगाई दर करीब 2 प्रतिशत रह सकती है। इसकी वजह जीएसटी में कटौती होना और खाद्य उत्पादों की कीमतें कम होना है।

भारत अमेरिका के नेतृत्व वाले पैक्स सिलिका में हो सकता है शामिल, आपूर्ति श्रृंखला को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली । चीन और पश्चिमी देशों में आपूर्ति श्रृंखलाओं को लेकर बढ़ते तनाव के बीच भारत रणनीतिक स्वायत्तता को खोए बिना अमेरिका के नेतृत्व वाली पहल पैक्स सिलिका में शामिल हो सकता है। यह जानकारी रिपोर्ट्स में दी गई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पैक्स सिलिका में शामिल होने से भारत को विकसित देश के साथ साझेदारी को आगे बढ़ाने, निवेश आकर्षित करने और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने में मदद मिलेगी। हालांकि, भारत यह सुनिश्चित करेगा कि पैक्स सिलिका में उसकी भागीदारी के माध्यम से उसकी रणनीतिक स्वायत्तता कमजोर न हो।

पैक्स सिलिका सिंगापुर, इजराइल, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और यूनाइटेड किंगडम सहित सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग और एडवांस टेक्नोलॉजी आपूर्ति श्रृंखलाओं से मजबूती से जुड़े देशों का एक समूह है। इसका उद्देश्य उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल से लेकर अत्याधुनिक एआई सिस्टम तक, हर चीज को आधार प्रदान करने वाली अत्यधिक केंद्रित आपूर्ति श्रृंखलाओं की गई कमजोरियों को दूर करना है।

भारत जैसे विकासशील बाजार के लिए नई दिल्ली सब्सिडी, खरीद व्यवस्था में प्राथमिकता और संतुलित आयात नियमों के लिए नीतिगत गुंजाइश तलाश सकती है, जो कुछ पैक्स सिलिका सदस्यों के साथ मेल न खाए। भारत जापान और सिंगापुर जैसे अन्य पैक्स सिलिका देशों के साथ लचीली सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने के लिए काम कर रहा है।

नई दिल्ली में अपने पहले दिन, भारत में नए अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने उन्नत प्रौद्योगिकी में अमेरिकी नेतृत्व वाली आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी, पैक्स सिलिका में भारत को पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल करने की घोषणा की थी।

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि 'भारत' संपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र - डिजाइन, विनिर्माण, ऑपरेटिंग सिस्टम, अनुप्रयोग, सामग्री और उपकरण - में एक प्रमुख खिलाड़ी बनेगा। उन्होंने आगे बताया कि चार सेमीकंडक्टर प्लांट इस वर्ष वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करेंगे।

बजट 2026 से रियल एस्टेट सेक्टर और आधी आबादी को क्या हैं उम्मीदें? जानें क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

भागलपुर,। केंद्र सरकार 1 फरवरी को आम बजट 2026-27 पेश करने जा रही है, जिसमें अब कुछ ही दिन शेष बचे हैं। बजट से पहले देशभर के अलग-अलग सेक्टर्स में उम्मीदों और सुझावों की चर्चा तेज हो गई है। रियल एस्टेट, शेयर बाजार, एमएसएमई, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को लेकर बजट से क्या अपेक्षाएं हैं, इसे लेकर एक्सपर्ट्स ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए अपनी राय रखी है।

ईस्टर्न बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष गोविंद अग्रवाल ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि रियल एस्टेट ऐसा सेक्टर है जो हर आम आदमी को सीधे प्रभावित करता है। यह सेक्टर देश की जीडीपी में करीब 7 प्रतिशत का योगदान देता है और कृषि के बाद सबसे ज्यादा रोजगार भी देता है। उन्होंने कहा कि बजट में अफोर्डेबल हाउसिंग की परिभाषा पर दोबारा विचार होना चाहिए। अभी 45 लाख रुपए तक के घर को अफोर्डेबल माना जाता है, लेकिन आज के समय में यह सीमा बढ़ाकर 75 लाख रुपए की जानी चाहिए, ताकि ज्यादा लोगों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट की भी मांग की। उनका कहना है कि बिल्डर्स को इनपुट टैक्स का लाभ नहीं मिलने से निर्माण लागत बढ़ जाती है, जिसका सीधा असर घर की कीमतों पर पड़ता है। अगर सरकार इनपुट टैक्स क्रेडिट देती है तो मकानों की कीमत घटेगी और मध्यम वर्ग के लिए घर खरीदना आसान होगा। इसके अलावा, उन्होंने ब्याज दरों में कटौती और इनकम टैक्स में होम लोन पर अतिरिक्त राहत देने की भी उम्मीद जताई।

इसके अलावा, भागलपुर के सीए और अर्थशास्त्री प्रदीप झुनझुनवाला ने कहा कि बजट आम जनता तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष टैक्स राहत की मांग की। उनका कहना है कि सीनियर सिटीजन्स के लिए टीडीएस की सीमा और टैक्स-फ्री इनकम की सीमा बढ़ाई जानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने रियल एस्टेट सेक्टर में टैक्स छूट की सीमा बढ़ाकर कम से कम एक करोड़ रुपए करने की मांग की।

उन्होंने लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स में भी बदलाव की जरूरत बताई। मौजूदा समय में एक लाख रुपए की छूट बहुत कम है, जिसे बढ़ाकर कम से कम पांच लाख रुपए किया जाना चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने भागलपुर के बुनकरों, टेक्सटाइल सेक्टर, कृषि आधारित उद्योग और टूरिज्म सेक्टर को भी बजट में विशेष प्राथमिकता देने की मांग की।

वहीं टैक्स एक्सपर्ट और सीए संजय कुमार सकल ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चलते वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता और टैरिफ तनाव के चलते शेयर बाजार पर दबाव बना हुआ है। पिछले कुछ समय से बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले दो साल से बाजार लगातार गिर रहा है, पहले युद्ध का प्रभाव था फिर टैरिफ ने बाजार को प्रभावित किया।

उन्होंने कहा, 'हम इस बजट से ये उम्मीद करते हैं कि कुछ ऐसे कदम उठाए जाएं, जिससे निवेशकों को फायदा हो, खासकर कैपिटल गेन टैक्स को लेकर। पहले लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स नहीं लगता था। फिर इस पर 10 प्रतिशत टैक्स लगाया गया, बाद में इसे और बढ़ाकर 12.5 प्रतिशत कर दिया गया। उन्होंने कहा कि अगर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स को कम किया जाता है या खत्म किया जाता है, तो इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा और बाजार को सहारा मिलेगा।

इसके साथ ही महिला उद्यमी प्रिया सोनी ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि मौजूदा सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। हालांकि, ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में अभी भी जागरूकता की कमी है। उन्होंने कहा कि योजनाओं की जानकारी सरल भाषा में बड़े पोस्टर्स और अभियानों के जरिए दी जानी चाहिए, ताकि हर महिला इसका लाभ उठा सके। उन्होंने यह भी कहा कि महंगाई बढ़ने के मुकाबले महिलाओं को मिलने वाली सहायता राशि में बढ़ोतरी नहीं हुई है। मातृत्व वंदन योजना और पोषण योजनाओं की राशि बढ़ाने की जरूरत है। साथ ही, महिला उद्यमियों के लिए सिर्फ फंडिंग ही नहीं, बल्कि मार्केटिंग सपोर्ट और अलग महिला बाजार की व्यवस्था भी होनी चाहिए, ताकि वे अपने उत्पाद आसानी से बेच सकें।

डिजिटल इंडिया की दिशा में सरकार की बड़ी पहल; डिजीलॉकर से जुड़ा 'संपन्न' पोर्टल, पेंशनरों को होगी सुविधा

नई दिल्ली सरकार ने बुधवार को बताया कि 'संपन्न' पेंशन पोर्टल को अब डिजीलॉकर से जोड़ दिया गया है। इससे पेंशनरों को पेंशन पेमेंट ऑर्डर (ई-पीपीओ), ग्रेच्युटी ग्रेच्युटी ऑर्डर्स और अन्य जरूरी दस्तावेज कभी भी और कहीं से ऑनलाइन मिल सकेंगे।

यह 'संपन्न' पेंशन पोर्टल कंट्रोलर जनरल ऑफ कम्युनिकेशन अकाउंट्स के कार्यालय द्वारा विकसित किया गया है। 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम के तहत दूरसंचार विभाग के सभी पेंशनरों को इस सफल इंटीग्रेशन की जानकारी दे दी गई है।

'संपन्न' के यूजर्स हर सर्विस कैटेगरी में अपना पीपीओ नंबर डालकर 'गेट डॉक्यूमेंट' पर क्लिक कर सकते हैं।

इसके बाद सिस्टम अपने आप यूजर्स की मांग के अनुरूप पेंशन सर्टिफिकेट, ग्रेच्युटी पेमेंट ऑर्डर, कम्यूटेशन पेमेंट ऑर्डर या फॉर्म-16 तैयार कर देगा।

संचार मंत्रालय के अनुसार, इस इंटीग्रेशन से पेंशनर कम्युनिकेशन स्वीकृति आदेश और फॉर्म-16 जैसे अहम दस्तावेज सीधे अपने डिजीलॉकर अकाउंट में प्राप्त कर सकेंगे।

सरकार ने कहा कि यह सुविधा स्मार्टफोन या कंप्यूटर से कभी भी और कहीं भी इस्तेमाल की जा सकती है। इससे दस्तावेज सुरक्षित रहेंगे, कागज की जरूरत खत्म होगी और बैंकिंग या मेडिकल रिइंबर्समेंट जैसे जरूरी काम आसान हो जाएंगे।

दिल्ली के प्रधान संचार लेखा नियंत्रक आशीष जोशी ने कहा कि इस पहल से कागजी दस्तावेजों की जरूरत खत्म होगी, जिससे दिल्ली-एनसीआर और अन्य जगहों के पेंशनरों का समय और पैसा बचेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि यह कदम पेंशनरों को डिजिटल रूप से आत्मनिर्भर बनाता है और सरकार के पेपरलेस डिजिटल गवर्नेंस के लक्ष्य के अनुरूप है।

पेंशनर इस सेवा को इस्तेमाल करने के लिए डिजीलॉकर.गव.इन पर आधार के जरिए लॉगिन कर सकते हैं, अपना पीपीओ नंबर लिंक कर सकते हैं और जरूरी दस्तावेज तुरंत डाउनलोड कर सकते हैं।

29 दिसंबर 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश को समर्पित किया गया 'संपन्न' पोर्टल, प्रशासन को सिस्टम-केंद्रित से पेंशनर-केंद्रित बनाने की दिशा में एक बड़ा बदलाव है। इससे सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके परिवारों को दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते।

इस पोर्टल के जरिए पेंशन की पूरी प्रक्रिया - आवेदन से लेकर प्रोसेसिंग, ई-पेंशन पेमेंट ऑर्डर जारी करना, भुगतान, लेखा-जोखा, ऑडिट और शिकायत निवारण तक डिजिटल कर दी गई है।

सोने-चांदी ने बनाया एक और नया रिकॉर्ड, वैश्विक तनावों के बीच लगातार बढ़ रही सुरक्षित निवेश की मांग

नई दिल्ली । बुधवार को सोने की कीमतों में 4 प्रतिशत से ज्यादा की उछाल देखने को मिली और यह एक बार फिर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। चांदी ने भी अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ते हुए नया उच्चतम स्तर छू लिया। अमेरिका और यूरोप के बीच व्यापार संघर्ष बढ़ने और डॉलर के कमजोर होने की आशंका के चलते निवेशक सुरक्षित निवेश विकल्प यानी सोने-चांदी का रुख कर रहे हैं। बुधवार के कारोबारी सत्र में एमसीएक्स पर गोल्ड फरवरी वायदा 1,58,339 रुपए प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, तो वहीं सिल्वर मार्च वायदा 3,35,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।खबर लिखे जाने तक (सुबह करीब 11.50 बजे) एमसीएक्स पर फरवरी डिलीवरी वाला सोना 7,363 रुपए यानी 4.89 प्रतिशत की तेजी के साथ

1,57,928 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। जबकि, मार्च डिलीवरी वाली चांदी 10,499 रुपए यानी 3.24 प्रतिशत चढ़कर 3,34,171 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने ने नया रिकॉर्ड बनाया। कॉमेक्स पर अमेरिकी सोना 4,849 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस तक पहुंच गया। वहीं, चांदी की कीमतें 92.5 से 95.7 डॉलर के दायरे में बनी रहीं।

कीमतों में यह तेजी उस खबर के बाद आई, जिसमें कहा गया कि अमेरिका फरवरी से यूरोप के आठ देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा है। साथ ही जून तक इन टैरिफ को 25 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है। इसके जवाब में यूरोपीय देश भी अमेरिका के खिलाफ व्यापारिक कदम उठाने पर विचार कर रहे हैं।

भारत में 2025 में 126 जमीनों के सौदे हुए, एमएमआर रीजन शीर्ष पर रहा : रिपोर्ट

मुंबई । भारत में 2025 में 126 जमीनों के सौदे हुए हैं, जिसमें मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) 500 एकड़ से अधिक की जमीन के 32 सौदों के साथ शीर्ष पर था। यह जानकारी बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

एनारॉक रिसर्च के मुताबिक, कुल जमीनों के सौदों की संख्या 2024 के मुकाबले कम रही है, लेकिन 2025 में वॉल्यूम 2024 के मुकाबले अधिक रही है।

रिपोर्ट में कहा गया कि बिल्डर्स ने देश के बड़े शहरों और उभरते हुए इलाकों में हजारों एकड़ जमीनों का सौदा किया है, जो बिल्डर्स का देश के रियल एस्टेट मार्केट्स में भरोसे को दिखाता है।

2025 में हुए 126 जमीन सौदों में से 1,877 एकड़ जमीन के 96 सौदें आवासीय विकास के लिए हुए हैं और यह टियर 1, टियर 2 और टियर 3 शहरों में हैं।

नारॉक समूह के अध्यक्ष अनुज पुरी ने कहा, 'एमएमआर क्षेत्र में नियोजित विकास परियोजनाओं में आवासीय, वाणिज्यिक, डेटा सेंटर, औद्योगिक और भूखंड विकास शामिल हैं। पूरे देश में 2025 में कुल मिलाकर 3,772 एकड़ से अधिक भूमि के कम से कम 126 अलग-अलग सौदे पूरे हुए हैं।'

2025 में सबसे अधिक भूमि सौदे एमएमआर और बेंगलुरु में हुए। बेंगलुरु में 454 एकड़ से अधिक के 27 सौदे संपन्न हुए। पिछले कुछ वर्षों में दोनों शहरों में भूमि की कीमतें आसमान छू रही हैं, लेकिन इससे डेवलपर्स इन क्षेत्रों में प्रमुख संपत्तियों पर ध्यान केंद्रित करने से पीछे नहीं हटे हैं।

दिल्ली-एनसीआर में आवासीय, वाणिज्यिक और मिश्रित उपयोग परियोजनाओं के लिए लगभग 137.22 एकड़ भूमि के 16 सौदे संपन्न हुए।

रिपोर्ट के अनुसार, शहरों के हिसाब से देखें तो गुरुग्राम में 39.75 एकड़ के 4 सौदे, नोएडा में 41.28 एकड़ के 8 सौदे, दिल्ली में 30.89 एकड़ के 2 सौदे, ग्रेटर नोएडा में 12 एकड़ का 1 सौदा और गाजियाबाद में 13.3 एकड़ का 1 सौदा हुआ। टियर 2 और टियर 3 शहरों में मिलाकर 2025 में कुल 2,192.8 एकड़ भूमि के कम से कम 16 सौदे संपन्न हुए।

बालों की समस्या और उनके समाधान

खट्टे दही को सिर में अच्छी तरह लगाने के बाद सिर धोने से रूसी समाप्त होती है। आंवले व रीठे को एक साथ भिगोकर उस पानी से सिर धोने से रूसी मिट जाती है। बेसन में दही तथा नींबू का रस मिलकर सप्ताह में दो बार बाल धोने से रूसी नहीं रहेगी। आंवला, शिकाकाई, बहेड़ा तथा मेंहदी के पत्तों को अच्छी तरह उबालें, फिर मसलकर छान लें। उस पानी को बालों की जड़ों में लगाकर अच्छी तरह सिर धोयें। बालों को धोने के बाद दो बड़े चम्मच सिरका पानी में घोलकर उससे बाल धोयें। बालों को धोने से कभी हानि नहीं पहुंचती। सिर में रूसी धूल से भी होती है। रूसी वाले व्यक्ति को तो तौलिया, कंघा आदि अलग रखना चाहिए। रूसी के कारण कील-मुहांसे और खुजली आदि समस्याएं पैदा हो जाती हैं।

स्वास्थ्य की सही देखभाल का प्रभाव बालों पर प्रकट होता है। यदि आप सामान्य रूप से स्वस्थ और संतुलित आहार लेते हैं तो इसकी झलक आपके बालों में भी मिलेगी। इसके विपरीत बीमारी, तनाव और कमजोरी आदि से आपके बालों पर भी असर पड़ेगा। बालों तक सही रक्त संचार होना आवश्यक है। इसके लिए अच्छा आहार और सामान्य जीवन पद्धति बहुत महत्त्वपूर्ण है।

इसमें से एक बड़ी समस्या सिर में रूसी होना है। इससे बाल गिरने लगते हैं तथा फुंसियों आदि की अन्य समस्याएं पैदा हो जाती हैं। रूसी खुजली होती है। खुजलाने से खोपड़ी में कीटाणु संक्रमण हो जाता है जिसके कारण बाल झड़ने लगते हैं। उचित उपाय से हमारे सिर को रूसी और रोगाणु संक्रमण से मुक्ति मिल सकती है।

मेंहदी, शिकाकाई, रीठा, अण्डा और आंवला आदि प्राकृतिक चीजें कीटाणुनाशक होने के साथ बालों को आश्चर्यपूर्ण ढंग से साफ भी रखती हैं और उसमें कोई हानिकारक प्रभाव भी नहीं होता। बाल बहुत कोमल होते हैं इसलिए इनके साथ कोमलता से ही पेश आना चाहिए। तेल नींबू की हल्की मालिश से रूसी की पपड़ियां उतर जाती हैं।

मालिश बहुत हल्के ढंग से करनी चाहिए। अंगुलियों के पोरों को धीरे-धीरे घुमाकर मालिश करनी चाहिए। रात भर इसे सिर में लगा रहने दें। प्रातः काल होने से एक घंटा पहले सिर में नींबू का रस लगायें। सप्ताह में एक बार किये गये इस उपचार से रूसी दूर होने के साथ-साथ बाल कोमल और चमकदार भी होते हैं।

खट्टे दही को सिर में अच्छी तरह लगाने के बाद सिर धोने से रूसी समाप्त होती है। आंवले व रीठे को एक साथ भिगोकर उस पानी से सिर धोने से रूसी मिट जाती है। बेसन में दही तथा नींबू का रस मिलकर सप्ताह में दो बार बाल धोने से रूसी नहीं रहेगी। आंवला, शिकाकाई, बहेड़ा तथा मेंहदी के पत्तों को अच्छी तरह उबालें, फिर मसलकर छान लें। उस पानी को बालों की जड़ों में लगाकर अच्छी तरह सिर धोयें। बालों को धोने के बाद दो बड़े चम्मच सिरका पानी में घोलकर उससे बाल धोयें।

बालों को धोने से कभी हानि नहीं पहुंचती। सिर में रूसी धूल से भी होती है। रूसी वाले व्यक्ति को तो तौलिया, कंघा आदि अलग रखना चाहिए। रूसी के कारण कील-मुहांसे और खुजली आदि समस्याएं पैदा हो जाती हैं। प्राकृतिक रूप से सुंदर दिखाई देने वाली चीज का स्वरूप बनावटी साधनों से प्राप्त नहीं हो सकता। बालों में एक स्वाभाविक चमक, लचीलापन और सौंदर्य होता है। बालों को रूसी से बचाने का मूल तरीका साफ रखना ही है।

बालों का झड़ना:- घने और सुंदर बालों की चाहत सब स्त्री-पुरूषों को होती है। बालों की लम्बाई से अधिक महत्त्व बालों के घनेपन का होता है क्योंकि अधिक घना होना ही सुंदरता की पहचान है। यदि बालों के गुच्छे निकलें और बाल हल्के होने लगें तो यह चिंता की बात है। इसके कुछ कारण हैं।

गर्भावस्था के समय, प्रसव के बाद, शिशु के स्तनपान कराने से, तेज ज्वर के कारण, घटिया साबुन शैम्पू, तेल आदि के कारण, तनावपूर्ण जीवन, भोजन में पोषक तत्वों की कमी, गर्मी में अधिक देर तक बालों को खुले रखना और उन्हें घुंघराले बनाने के लिए क्लिपों से बांधकर रखने से बाल झड़ने लगते हैं।

बालों का सफेद होना:- समय से पूर्व बालों का सफेद होना बहुत ही चिन्ता की बात होती है। बालों की तीन परतें होती है। बाल एक केंद्रीय परत से बनते हैं। बाहरी परत हल्के पतले छिलके जैसे तत्व से बनी होती है। दूसरी परत में बालों को रंग देने वाले तत्व रहते हैं। आयु बढ़ने के साथ-साथ इस परत में बालों को रंग देने की शक्ति नहीं रह जाती। सबसे महत्त्वपूर्ण कारण आयु है। जिनके बाल एक बार सफेद हो जाते हैं, वे कभी काले नहीं होंगे।

बाल रंगना व उसका तरीका:- प्राकृतिक पदार्थों से सिर धोना आवश्यक है। इससे बालों को हानिकारक प्रभाव से बचाया जा सकता है। बालों को रंगने वाली प्राकृतिक चीजों से किसी प्रकार की हानि नहीं होती। बालों को रंगने के लिए मेंहदी सबसे उपयुक्त चीज है जिसमें बालों को शक्ति देने की सामर्थ्य भी है। यदि मेंहदी में काफी या कत्थे का चूर्ण मिला लिया जाय तो सफेद बालों में खप जाता है। इसका प्रभाव काले बालों पर नहीं पड़ता बल्कि इससे चमक आती है।

मेंहदी के विशेष पाउडरों में आंवला तथा कुछ अन्य महत्त्वपूर्ण चीजें मिली हुई होती हैं। इससे बहुत सी बीमारियां भी ठीक होती हैं। मेंहदी से अन्य कई लाभ भी होते हैं।

बालों में रसायनिक खिजाब लगाने से खुजली अथवा एलर्जी भी हो सकती है। बालों के सौंदर्य प्रसाधन के लिए आवश्यक है कि हानिकारक प्रभाव को रोका जाये। इसके लिए प्राकृतिक पदार्थों का उपयोग करना चाहिए।

डाई का तरीका:- पहली बार डाई करने से पूर्व थोड़ी-सी डाई घोलकर कान के पीछे या कोहनी के भीतर की त्वचा पर लगाकर 20 मिनट बाद डाई धो दें। 24 घंटे के भीतर अगर त्वचा के उस भाग में जलन या खुजली हो तो

दादी-नानी बच्चों को देती हैं जीवन की बड़ी सीख

दादी अम्मा-दादी अम्मा मान जाओ, गाने की धुन बच्चों को बहुत पसंद आती है। मां के बाद बच्चों को नानी या दादी से बहुत लगाव होता है। दादी-नानी ममता, प्यार की देवी होती है। संस्कार और संस्कृति से जोड़ती हैं। बच्चों के संतुलित विकास में ग्रैंडपैरेंट्स की भूमिका जरूरी है। बच्चा अपने संस्कार जाने इसके लिए दोनों पीढ़ियों का साथ में रहना आवश्यक है। कामकाजी मांओं के लिए दादी-नानी का परिवार में साथ होना वरदान होता है। लेकिन जब हालात ऐसे हों कि मां ना हो तो तब दादी-नानी की जिम्मेदारियां और दायित्व बढ़ जाते हैं।

पालने में परेशानी

कभी-कभी ऐसे हालात होते हैं कि माएं अपने बच्चों को छोड़ दुनिया को अलविदा कह देती हैं। ऐसी विकट परिस्थिति में मां के न रहने पर दादी-नानी जब बच्चों को पालती हैं तो कई तरह की परेशानियां आती है। अगर बुजुर्ग दादी-नानी विधवा हैं तो यह परेशानी दुगुनी हो जाती है। बुजुर्ग महिलाओं को जिन्होंने अपने जीवन में घर की चारदीवारी लांघ कर काम नहीं किया है बुढ़ापे में पैसे कमाना और भी मुश्किल होता है। ऐसी हालत में पैसों की परेशानी इन मुश्किलों को और भी बढ़ा देती है। साथ ही सेहत से जुड़ी परेशानियां भी कुछ कम नहीं होती है। हड्डियों का दर्द हो या दिल की बीमारी बुजुर्ग महिलाओं को अधिक काम करने में समस्या उत्पन्न करते हैं। यही नहीं बच्चों को पालने जैसी जिम्मेदारियां मानसिक तनाव भी पैदा करती हैं। इसके अलावा समाज से अलगाव, परिवार के मुद्दे, पढ़ाई में मुश्किल भी ऐसी परेशानियां हैं जिनका समाधान कठिन है। दादी-नानी बच्चों को प्यार तो देती ही हैं लेकिन वह अनुशासन भी सीखती हैं।

नाती-पोतों को पालते समय ग्रैंडपैरेंट्स बरतें सावधानियां

अपने नाती-पोतों को पालन कोई आसान काम नहीं है। छोटे बच्चों को पालने में दादी-नानी कुछ खास तरह की नियमों का पालन कर सकती हैं। बच्चों को अधिक उपदेश न दें बल्कि उनके साथ दोस्ताना बर्ताव करें। बच्चे अपनी मां की तुलना में दादी-नानी से अधिक लगाव महसूस करते हैं, ऐसे में उन्हें सही-गलत बातों में फर्क बताएं। जीवन में अनुशासन की भूमिका समझाएं। बच्चों के ऊपर अपने विचारों को न थोपें। उनके सामने आदर्श बनें लेकिन व्यावहारिकता से दूर न करें। उनके साथ उनकी उम्र का बनकर परवरिश करें।

जनरेशन गैप करें कम

बच्चे अपने दादी-नानी से उनका अमूल्य अनुभव लेते हैं। नाती-पोते ग्रैंडपैरेंट्स से रीति-रिवाज और संस्कृति सीखते हैं। लेकिन सब कुछ सीखने के बावजूद दादी-नानी और बच्चों के बीच जनरेशन गैप भी एक बहुत बड़ी चुनौती होती है। अगर यह जनरेशन गैप खत्म न हो तो बच्चों और ग्रैंडपैरेंट्स के बीच दूरी बन जाती है जो दोनों

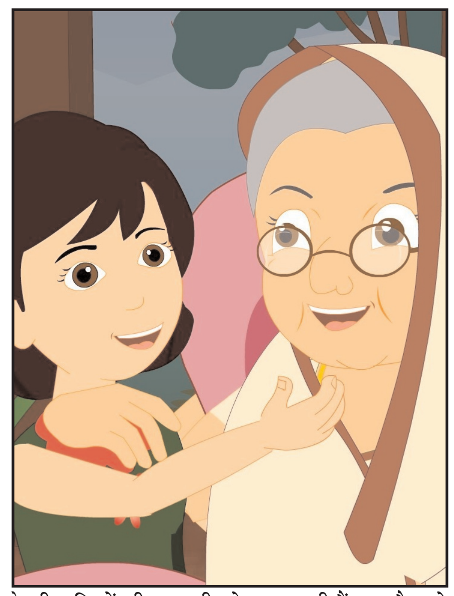

के बीच रिश्तों की मजबूती को कम करती हैं। इस गैप को कम करने के लिए दादी-नानी बहुत से उपाय अपना सकती हैं। सबसे पहले कोशिश कर के तकनीकी गैप को कम करें। आजकल बच्चों की पसंदीदा चीजें जैसे फेसबुक, स्काइपी का इस्तेमाल भी सीखें। इससे बच्चे आपके अधिक करीब आएंगे। बच्चों के संगीत के प्रति सहनशील हों और उन्हें पसंद करें। साथ ही अपनी सामाजिक सहनशीलता को भी बढ़ाएं। इसके अलावा दिखावे को भी बढ़ावा न दें।

कभी-कभी ऐसे हालात होते हैं कि माएं अपने बच्चों को छोड़ दुनिया को अलविदा कह देती हैं। ऐसी विकट परिस्थिति में मां के न रहने पर दादी-नानी जब बच्चों को पालती हैं तो कई तरह की परेशानियां आती है। अगर बुजुर्ग दादी-नानी विधवा हैं तो यह परेशानी दुगुनी हो जाती है। बुजुर्ग महिलाओं को जिन्होंने अपने जीवन में घर की चारदीवारी लांघ कर काम नहीं किया है बुढ़ापे में पैसे कमाना और भी मुश्किल होता है। ऐसी हालत में पैसों की परेशानी

तिलक लगवाने के 7 सेहत फायदे

रक्षाबंधन का त्योहार हो या अन्य कोई मौका माथे पर तिलक लगाने की परंपरा हमारे यहां बरसों से है। अधुनिकता के चलते कई लोगो माथे पर तिलक लगवाना अब कम ही पसंद करते हैं। लेकिन आपको ये जानकर हैरानी होगी कि बरसों पुरानी ये परंपरा आपकी सेहत के लिए कितनी फायदेमंद हैं –

1. आमतौर पर चंदन, कुमकुम, मिट्टी, हल्दी, भस्म आदि का तिलक किया जाता है। कहा जाता है कि जो लोग तिलक लगा हुआ दिखाना नहीं चाहतें, तो वे ललाट पर जल से तिलक भी करके इसके फायदे पा सकते हैं।
2. माथे पर तिलक लगाने से व्यक्तित्व प्रभावशाली हो जाता है। दरअसल, तिलक लगाने का मनोवैज्ञानिक असर होता है और इससे व्यक्ति के आत्मविश्वास और आत्मबल में वृद्धि होती है।
3. माना जाता है कि ललाट पर नियमित रूप से तिलक लगाने से मस्तिष्क शांति रहता है और सुकून का अनुभव करता है। साथ ही कई मानसिक बीमारियां भी इससे ठीक हो सकती है।
4. माथे पर तिलक लगाने से दिमाग में सेराटोनिन और बीटा एंडोर्फिन का स्त्राव संतुलित तरीके से होता है, जिससे उदासी दूर हो हैने में मदद मिलती है। साथ ही सिरदर्द की समस्या में कमी आती है।
5. हल्दी युक्त तिलक लगाने से त्वचा शुद्ध होती है क्योंकि हल्दी में एंटी बैक्ट्रियल तत्व होते हैं, जो रोगों से मुक्त दिलाने में सहायक होते है।
6. एक धार्मिक मान्यता ये भी है कि चंदन का तिलक लगाने से मनुष्य के पापों का नाश होता है। लोग कई तरह के संकट से बच जाते हैं और ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, तिलक लगाने से ग्रहों की शांति होती है।
7. माना जाता है कि चंदन का तिलक लगाने वाले का घर अन्न-धन से भरा रहता है और सौभाग्य में बढ़ोतरी होती है।

चुकन्दर से बढ़ाएं होठों की

खूबसूरत मुस्कान के पीछे खूबसूरत होठों की भी अहम भूमिका होती है। ऐसे में अच्छी मुस्कान वाली महिला के होठों पर लोगों की नजर टिकना स्वाभाविक है। लेकिन अगर आपके होंठ सुंदर हों लेकिन गुलाबी होने की जगह फीके रंग वाले हों तो जरूर आपकी खूबसूरत मुस्कान और सुंदरता दोनों पर इसका प्रभाव पड़ेगा। खूबसूरत दिखने के लिए महिलाएं तमाम प्रयास करती हैं। किसी भी महिला की खूबसूरती में उसके होंठ चार चांद लगाते हैं। होंठों को अधिक खूबसूरत बनाने के लिए महिलाएं बाजार में उपलब्ध केमिकल युक्त प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। इनके इस्तेमाल से खूबसूरती तो बढ़ेगी लेकिन यह आपकी स्किन को नुकसान पहुंचाता है। इसलिए ऐसी नैचुरल चीजों का इस्तेमाल करना चाहिए, जो बिना नुकसान के आपको खूबसूरत बनाए। चुकंदर हमारी सेहत के लिए तो बहुत फायदेमंद होता है। होंठो में निखार लाने के लिए चुंकदर बहुत मदद करता है। अगर आप भी फीके होंठों की परेशानी से जूझ रहे हैं तो इस परेशानी को दूर करने के लिए आज आपको होठों को गुलाबी बनाने के घरेलू उपाय बताने जा रहे हैं।

सामग्री- 1 चुकन्दर, बादाम का तेल, एक छोटा जार,

घर पर ऐसे बनाएं

सबसे पहले चुकंदर को अच्छी तरह से धो लें फिर इसका छिल्का उतारकर घियाकस से कस लें या कद्दूकस कर लें। इसके बाद कद्दूकस किया हुआ चुकंदर सुखा लें। सूखे चुकंदर को पीस कर पाउडर बनाएं। दो चम्मच चुकंदर के पाउडर को दो चम्मच बादाम के तेल में मिलाकर टिंट बना लें। इसे

किसी साफ जार या किसी छोटी शीशी में भरकर फ्रीज में रख लें। दिन में 2 से 3 बार व रात में होठों को साफ करके उंगली से लगाकर सो जाएं।

चुकंदर के अन्य फायदे

चुकंदर इस टिंट के अलावा फेस पैक भी बना सकते हैं। चुकंदर से बना फेस पैक चेहरे पर गुलाबी रंगत लाता है। इसके के साथ ही चुकंदर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट चेहरे को एजिंग की समस्या से बचाते हैं। आपको बता दें कि चुकंदर का रस को आंखों के आसपास मौजूद डार्क सर्किल्स को खत्म करने में बहुत मदद करता है। चुकंदर का रस चेहरे पर लगाने से चेहरे पर ग्लो आ जाता है।

एनीमिया की बीमारी को दूर करने के लिए खाएं चुकंदर

एनीमिया की बीमारी को दूर करने के लिए चुकंदर का इस्तेमाल सबसे ज्यादा लाभदायक है। चुकंदर में पर्याप्त मात्रा में आयरन, विटामिन और मिनरल्स होते हैं, जो खून को बढ़ाने और उसे साफ करने का काम करते हैं। महिलाओं को खून की कमी ज्यादा होती है। इसलिए महिलाओं को डाइट में चुकंदर जरुर लेना चाहिए।

खराब कोलेस्टॉल को कम करता है चुकंदर

चुकंदर में फाइबर, फ्लेवोनॉयड्स और बेटासायनिन काफी मात्रा में मौजूद होता है। इसलिए इसका रंग लाल और बैंगनी होता है. यह एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है। इसको खाने से दिल के दौरे आने की समस्या में भी फायदा होता है।

शरीर में उर्जा बढ़ाता है और थकान को करता है दूर

जो लोग जिम में काफी वर्कआउट करते है और सारा दिन काम कर के थक जाते है उनके लिए चुकंदर खाना बहुत फायदेमंद होता है। चुकंदर खाने से एनर्जी लेवल बढ़ता है। इसके साथ ही इसमें मौजूद नाइट्रेट तत्व धमनियों का विस्तार करने में मदद करता है।

ब्लड शुगर लेवल को कम करे

चुकंदर में नाइट्रेट्स की मात्रा खूब होती है। इसे खाने से नाइट्राइट्स और गैस नाइट्रिक ऑक्साइड में बदल जाता है। ये दोनों ही चीजें हमारी धमनियों को चौड़ा करने और ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करती हैं।

कब्ज से राहत दिलाए और वजन भी करे कम

चुकंदर में फाइबर होता है इसलिए यह कब्ज को दूर करने के लिए दवाई का काम करता है। यह कब्ज को दूर करने के लिए सबसे अच्छा उपाय है। इससे खाना भी जल्दी पच जाता है। चुकंदर में कैलोरी काफी कम होती है और एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर अधिक होता है जिससे आप आसानी से

मैट लिपस्टिक लगाने का परफेक्ट तरीका

लिपस्टिक तो अधिकांश लड़कियां लगाती है, इन दिनों मैट लिपस्टिक फैशन ट्रेंड में बनी हुई है। इसे लगाने का तरीका सामान्य लिपस्टिक से थोड़ा अलग होता है। अगर आपने इसे सही तरीके से नहीं लगाया तो मैट लिपस्टिक से होठों को जो खूबसूरती मिलती है, उससे आप वंचित रह जाएंगी। आइए, आपको सिखाएं मैट लिपस्टिक लगाने का परफेक्ट तरीका –

1 मैट लिपस्टिक लगाने से पहले अपने होठों को उसके लिए तैयार करें। इसके लिए सबसे पहले होठों पर स्क्रब करें जिससे उन पर मौजूद मृत त्वचा निकल जाए और मैट लिपस्टिक लगाने के लिए एक स्मूद बेस मिलें। अगर बिना होठों पर स्क्रब किए लिपस्टिक लगाएंगे तो कुछ ही देर बाद होठों पर सिलवटे पड़ी हुई दिखाई देंगी।

2 मैट लिपस्टिक ड्राय होती है इसलिए इसे लगाने से पहले होठों पर लिप बाम की एक पतली सी परत लगाना जरूरी होता है।

3 मैट लिपस्टिक ड्राय होती है इसलिए इसे ब्रश से लगाने की जरूरत नहीं होती। इन्हें आप सीधे ट्यूब से लगाएं साथ ही अगर काफी महीनों से रखी हुए मैट लिपस्टिक सुख गई हो तो इनके ऊपर हल्का सा ब्लो ड्रायर चलाएं और फिर लिपस्टिक लगाए तो आसानी से लग जाएगी।

4 जिस तरह से ग्लॉसी या शीयर लिपस्टिक लगाने के बाद आप होंठों को आपस में रगड़ती हैं जिससे की वो अच्छे से सेट हो जाए, तो ऐसा मैट लिपस्टिक लगाते वक्त करने की जरूरत नहीं होती। मैट लिपस्टिक ड्राय होती है जो होंठों को रगड़ने से खराब हो सकती है।

5 मैट लिपस्टिक के दो कोट होंठों पर लगाने से मैट लुक घंटो तक बना रहता है। पहला कोट लगाने के बाद एक टिश्यू पेपर लें और इसे होठों पर रखकर हल्का दबाएं। इसके बाद फिर से लिपस्टिक का एक कोट लगाएं।

6 मैट लिपस्टिक को होंठों पर लंबे समय

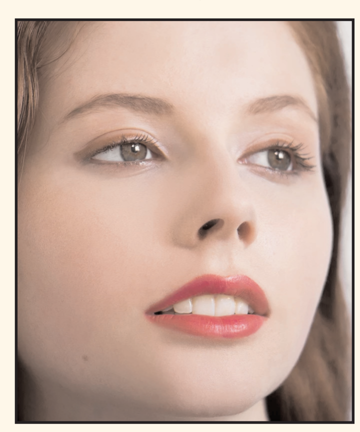

वज्रदंती: मसूड़ों की सूजन, दर्द या बदबू? हर समस्या की छुट्टी कर देगा ये छोटा सा फूल

नई दिल्ली,। वज्रदंती एक छोटा-सा दिखने वाला, लेकिन बहुत असरदार औषधीय फूल है, जिसे आयुर्वेद में दांतों और मसूड़ों का सच्चा दोस्त माना गया है। गांव-देहात से लेकर आयुर्वेदिक दवाओं तक, वज्रदंती का इस्तेमाल सालों से होता आ रहा है।

अगर आपको मसूड़ों की सूजन, दांतों में दर्द, खून आना या मुंह से बदबू जैसी समस्याएं परेशान कर रही हैं तो यह फूल आपकी बड़ी मदद कर सकता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह बिना किसी साइड इफेक्ट के धीरे-धीरे समस्या की जड़ पर काम करता है।

वज्रदंती में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो

मसूड़ों में मौजूद बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करते हैं। अक्सर मसूड़ों की सूजन और दर्द की वजह गंदगी और कीटाणु होते हैं, जो दांतों के बीच जमा हो जाते हैं। वज्रदंती इन कीटाणुओं को साफ करने का काम करता है और मसूड़ों को मजबूत बनाता है। यही वजह है कि कई आयुर्वेदिक टूथपेस्ट और दंत मंजन में वज्रदंती का इस्तेमाल किया जाता है।

मुंह से बदबू आना ओरल हेल्थ की एक आम समस्या है, जो कई बार शर्मिंदगी का कारण भी बन जाती है। वज्रदंती इस परेशानी में भी काफी कारगर है। यह मुंह में मौजूद बैक्टीरिया को खत्म करता है और सांसों को ताजगी देता है। अगर रोज सुबह वज्रदंती युक्त दंत मंजन या टूथपेस्ट से दांत साफ किए जाएं तो बदबू की समस्या काफी हद तक कम हो जाती है। पुराने समय में लोग वज्रदंती के पत्तों या फूल को सुखाकर उसका चूर्ण बनाते थे और उसी से दांत साफ करते थे।

दांतों के दर्द में भी वज्रदंती राहत पहुंचाता है। अगर दांतों में हल्का-फुल्का दर्द या झनझनाहट रहती है, तो वज्रदंती सूजन को कम करके आराम देता है। इसके नियमित इस्तेमाल से दांतों की पकड़ मजबूत होती है और मसूड़ों से खून आना भी धीरे-धीरे बंद हो जाता है। यही कारण है कि बुजुर्ग लोग आज भी वज्रदंती को दांतों की समस्याओं के लिए भरोसेमंद उपाय मानते हैं।

नरेंद्र चंचल : माता रानी के भजन गाकर पाई प्रसिद्धि, आज भी नवरात्रि में गूंजती है आवाज

मुंबई । साल था 1973, मुंबई के एक स्टूडियो में दिग्गज फिल्मकार राज कपूर अपनी फिल्म 'बॉबी' के लिए एक ऐसी आवाज तलाश रहे थे, जिसमें मिट्टी की महक हो और रूहानी गहराई भी।

उन्होंने एक चैरिटी शो में एक दुबले-पतले व्यक्ति को बुल्ले शाह की रचना गाते सुना। वह गायक कोई और नहीं, नरेंद्र चंचल थे। चंचल की उस बुलंद आवाज ने राज कपूर को मंत्रमुग्ध कर दिया।

नतीजा यह निकला कि फिल्म बॉबी के 'बेशक मंदिर मस्जिद तोड़ो...' गाने ने रातों-रात चंचल को बॉलीवुड का सुपरस्टार गायक बना दिया। उन्हें उस साल का 'सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक' का फिल्मफेयर मिला। लेकिन चंचल के लिए यह सिर्फ शुरुआत थी। उनकी मंजिलें फिल्मी गलियारों से कहीं आगे वैष्णो देवी की पहाड़ियों में बसी थीं।

16 अक्टूबर 1940 को अमृतसर में जन्मे नरेंद्र खरबंदा का बचपन बेहद साधारण था। उनके हिंदी शिक्षक उनकी ऊर्जा और चपलता से इतने प्रभावित थे कि उन्हें 'चंचल' उपनाम दे दिया। चंचल को संगीत विरासत में मिला था। उनकी माता कैलाश वती स्वयं एक समर्पित भक्त थीं। चंचल अक्सर याद करते थे कि कैसे वे अपनी मां के साथ मंदिरों में जाते थे। यह सुबह की आरती और भजनों का प्रभाव ही था जिसने उनके भीतर भक्ति के बीज बोए।

चंचल के जीवन में भी एक ऐसा वक्त आया जब उन्होंने अपनी आवाज पूरी तरह खो दी। एक गायक के लिए इससे बड़ा श्राप क्या हो सकता है? लेकिन, यहां उनकी 'आस्था' काम आई। सालों के मौन और प्रार्थना के बाद जब उनकी आवाज लौटी, तो वह पहले से कहीं ज्यादा शक्तिशाली थी। चंचल इसे 'माता रानी' का चमत्कार मानते थे और यहीं से उनके जीवन का ध्येय बदल गया।

चंचल ने 'जागरण' की परिभाषा ही बदल दी। उनके लिए जागरण केवल रात भर गाना नहीं था, बल्कि समाज को जगाना था। वे मंच से कन्या भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा और माता-पिता के सम्मान जैसे मुद्दों पर बात करते थे।

वे जब मंच पर आते थे, तो समां बंध जाता था। 'चलो बुलावा आया है...' या 'तूने मुझे बुलाया शेरांवालिये...' जैसे गीतों पर जब वे झूमते थे, तो ऐसा लगता था मानो भक्त और भगवान के बीच का फासला मिट गया हो।

कटरा और वैष्णो देवी के भवन से चंचल का रिश्ता रूहानी था। हर साल 29 दिसंबर को वे कटरा पहुंचते थे। भीषण सर्दी में भी हजारों की भीड़ उनका इंतजार करती थी। उनके कार्यक्रमों को स्थानीय लोग 'चंचल मेला' कहने लगे थे। आज भी वैष्णो देवी की चढ़ाई करते समय हर दूसरे मोड़ पर उनके गाने की आवाज गूंजती सुनाई देती है, जो थके हुए यात्रियों में उत्साह भर देती है।

चंचल की लोकप्रियता केवल भारत तक सीमित नहीं थी। उन्होंने विदेशों में बसे भारतीयों को उनकी जड़ों से जोड़ा। उनके सांस्कृतिक योगदान के लिए अमेरिका के जॉर्जिया राज्य ने उन्हें 'मानद नागरिकता' प्रदान की। यह किसी भी भारतीय भजन गायक के लिए एक दुर्लभ सम्मान था।

अपने अंतिम वर्षों में भी चंचल की ऊर्जा कम नहीं हुई। 2020 में कोरोना महामारी के दौरान उनकी आवाज में एक वीडियो 'कित्थो आया कोरोना' वायरल हुआ था।

22 जनवरी 2021 को इस महान गायक ने दुनिया को अलविदा कह दिया। लेकिन, वे हर उस घर में जीवित हैं जहां सुबह की शुरुआत उनके द्वारा गाए गए माता रानी की भजन 'अंबे तू है जगदंबे काली' से होती है।

उनकी आत्मकथा 'मिडनाइट सिंगर' हमें याद दिलाती है कि एक साधारण इंसान अगर अपनी आस्था और कला के प्रति सच्चा हो, तो वह गलियों से उठकर सितारों तक पहुंच सकता है।

सूरज बड़ज़ात्या की फिल्म के सेट से अनुपम खेर का क्रिकेट अवतार आया सामने

मुंबई, । अभिनेता अनुपम खेर इन दिनों सूरज बड़जात्या की आने वाली अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। शूटिंग के दौरान अभिनेता ने यूनिट के सदस्यों के साथ काफी मजेदार पल बिताए। इसका एक वीडियो उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर किया।

उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे सर्दी की खिलखिलाती धूप में क्रिकेट खेलते नजर आ रहे हैं।

वीडियो में अनुपम बैटिंग करते नजर आ रहे हैं और यूनिट के लोगों के साथ खूब मजे कर रहे हैं।

अनुपम खेर ने वीडियो शेयर कर लिखा, 'गली क्रिकेट की झलकियां। मेरे दोस्त और भारत के सर्वोत्तम निर्देशकों में से एक, जो फिल्मों में भारतीयता का झंडा लहराते हैं, सूरज बड़जात्या की आने वाली फिल्म की शूटिंग के दौरान यूनिट के साथ क्रिकेट खेलने का मजा आ गया और साथ ही जोश भी बहुत था। जिन बॉल्स पर मैं क्लीन बोल्ड हुआ, उनके वीडियो यहां नहीं डाले, ठीक किया ना?

इस फिल्म में अनुपम के अलावा, आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। सूरज बड़जात्या की फिल्में परिवार, संस्कृति और भारतीय मूल्यों पर आधारित होती हैं। वहीं, अनुपम खेर का इस प्रोजेक्ट में साथ होना इसे और भी ज्यादा खास बना रहा है। दोनों की यह जोड़ी पहले भी कुछ फिल्मों में काम कर चुकी है।

दोनों ने इससे पहले फिल्म 'हम आपके हैं कौन', 'विवाह', और 'प्रेम रतन धन पायो' जैसी कई सफल फिल्मों में साथ काम किया है और अब आने वाली फिल्म पर काम चल रहा है। इससे पहले दोनों फिल्म 'ऊंचाई' में नजर आए थे। इस फिल्म में अनुपम खेर के अलावा, अमिताभ बच्चन, बोमन ईरानी, परिणीति चोपड़ा, नीना गुप्ता, और सारिका जैसे दिग्गज कलाकार अहम किरदार में थे।

फिल्म की कहानी चार दोस्तों की है, जिनमें से एक के निधन के बाद बाकी तीन दोस्त उसकी आखिरी इच्छा पूरी करने माउंट एवरेस्ट बेस कैंप तक जाते हैं।

'पुरुषों से ज्यादा मजबूत होती हैं महिलाएं,' विशाल भारद्वाज ने बताया फरीदा जलाल को क्यों चुना?

मुंबई । अभिनेता शाहिद कपूर एक बार फिर निर्देशक विशाल भारद्वाज के साथ अपकमिंग फिल्म 'ओ रोमियो' लेकर आ रहे हैं। फिल्म में शाहिद के साथ तृप्ति डिमरी और फरीदा जलाल भी अहम भूमिका में हैं।

हाल ही में निर्देशक विशाल भारद्वाज ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए फरीदा जलाल को चुनने के पीछे की वजह बताई। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि महिलाएं पुरुषों से कहीं ज्यादा मजबूत होती हैं। पुरुषों को रोने के लिए किसी का सहारा चाहिए होता है, लेकिन महिलाएं अकेले ही सब संभाल लेती हैं। विशाल अपने बचपन की यादें ताजा करते हुए बताते हैं कि 'मैंने अपने घर में ताई और दादी को देखा है। वे इतनी साहसी थीं कि मोहल्ले के लड़के रात को नीचे खड़े होकर शोर मचाते थे, और अगर ताई आकर उन्हें डांट दें तो पूरी गैंग डरकर भाग जाती थी।

विशाल ने बताया कि शुरू में उन्होंने फरीदा से कहा था कि इस किरदार में भाषा थोड़ी अलग हो सकती है। उन्होंने कहा, 'जब मैंने फरीदा से फिल्म में उनके किरदार की भाषा को लेकर कहा था, तो फरीदा ने बिना हिचकिचाहट के इसे स्वीकार किया था। फिल्म की कहानी में शाहिद का किरदार ऐसा है जिससे सब डरते हैं, लेकिन उसकी दादी उसे पकड़कर ठीक करती हैं। फरीदा जलाल ने इस भूमिका को पूरी सच्चाई और जोश के साथ निभाया है। उन्होंने फिल्म को लेकर कहा, 'यह एक लव स्टोरी है। लोग गालियों और हिंसा को लेकर अक्सर सवाल उठाते हैं। हम समाज के तौर पर सड़कों पर गालियां सुनकर चुप रह जाते हैं, लेकिन सिनेमा में वही चीजें देखकर आपत्ति करते हैं। मुझे लगता है कि सिनेमा समाज का एक आईना है। यह हमें हमारी सच्चाई दिखाता है। फिल्म 'ओ रोमियो' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी, और फरीदा जलाल के अलावा, नाना पाटेकर, विक्रांत मैसी, तमन्ना भाटिया, अरुणा ईरानी, और अविनाश तिवारी जैसे कलाकार नजर आएंगे।

गद्दी पर बैठे कुछ लोग नहीं चाहते कि वे आगे बढ़ें,' हर्षा रिछारिया ने बिना नाम लिए साधु-संतों पर साधा निशाना

भोपाल । महाकुंभ के दौरान मॉडलिंग और ग्लैमर की दुनिया को छोड़ धर्म की राह अपनाने वाली हर्षा रिछारिया अपने बयानों को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हैं।

उन्होंने वापस ग्लैमर की दुनिया में जाने का फैसला कर लिया है, क्योंकि कुछ गद्दी पर बैठे लोग नहीं चाहते हैं कि वे आगे बढ़ें। हर्षा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि वह किसी का नाम नहीं लेंगी, लेकिन उन्हें आज भी बहुत परेशान किया जा रहा है।

साध्वी से वापस ग्लैमर की दुनिया में जाने के फैसले पर हर्षा रिछारिया ने कहा, 'मैंने इस मार्ग पर चलने के लिए अपने सभी काम छोड़ दिए थे। अंत में मुझे एहसास हुआ कि मैं कोई साधु, साध्वी या संन्यासी नहीं हूं जो अपने सभी कामों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से लोगों के दान और भेंट पर निर्भर रह सके। मैंने समझा कि धर्म का प्रचार तभी उचित है जब आपके पास स्वयं पर्याप्त संसाधन हों, इसलिए मैंने अपने काम को धीरे-धीरे इस तरह से प्रबंधित करने का निर्णय लिया जिससे मैं अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए अपना जीवन भी जी सकूं।

उन्होंने आगे कहा कि अगर राशन भी खरीदना है तो पैसे की जरूरत पड़ती है। कौन कितने दिन ही उधार देगा? यहां मेरे फैसलों पर और मेरे चरित्र पर उंगली उठाई जा रही है और किसी तरह का कोई सपोर्ट भी नहीं है। हर्षा रिछारिया ने कहा, 'मैं किसी व्यक्ति का नाम नहीं लूंगी, क्योंकि कुछ लोग लगातार इस तरह की हरकतें करने की कोशिश कर रहे हैं। मेरा मानना ??है कि अगर मुझे किसी व्यक्ति से कोई समस्या है तो मैं उसका समर्थन नहीं करूंगी। अगर मुझे किसी से असहजता महसूस होती है, तो यह समझ में आता, लेकिन किसी के जीवन में बार-बार बाधाएं खड़ी करना, लगातार परेशानियां पैदा करना और पहले से ही यह तय कर लेना कि चाहे कुछ भी हो जाए, उसे जीवन में आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा, यह बहुत गलत सोच है। कुछ साधु-संत ऐसे करने की भी कोशिश कर रहे हैं।

हर्षा रिछारिया ने सनातन धर्म को त्यागने के सवाल पर कहा, 'सबसे पहले तो यह कहना गलत होगा कि कुंभ के दौरान मैंने सनातन धर्म को 'अपना लिया,' क्योंकि कोई भी व्यक्ति किसी धर्म को तब तक पूरी तरह से नहीं अपना सकता, जब तक वह उसका हिस्सा न हो।

35नम्रता शिरोडकर बर्थडे : बाल कलाकार बन किया डेब्यू, कई हिट देने के बाद शादी के लिए कुर्बान किया करियर

मुंबई,। कम उम्र में हिंदी सिनेमा में डेब्यू कर करियर चमकाने वाली बहुत सारी अभिनेत्रियां रही हैं, जिन्होंने बड़े-बड़े स्टार के साथ स्क्रीन शेयर की। वहीं, कुछ अभिनेत्रियों ने फिल्में छोड़कर अपने करियर से ऊपर अपनी शादी और पर्सनल लाइफ को रखा। हम बात कर रहे हैं नम्रता शिरोडकर की, जिनका 22 जनवरी को 54वां जन्मदिन है।

90 के दशक में अपनी खूबसूरती से फिल्म जगत में सफलता पाने वाली नम्रता शिरोडकर आज पर्दे से दूर हैं। अभिनेत्री पति और साउथ सुपरस्टार महेश बाबू और दो बच्चों के साथ खुशहाल जिंदगी बिता रही हैं, लेकिन बहुत कम लोग ही जानते हैं कि नम्रता बी-टाउन के फैमिली बैकग्राउंड से आती है और उन्होंने सिनेमा में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपने करियर की शुरुआत की थी। पारंपरिक महाराष्ट्रीयन परिवार में जन्मीं नम्रता शिरोडकर को एक्टिंग विरासत में मिली है। उनकी दादी मशहूर मराठी एक्ट्रेस मीनाक्षी शिरोडकर थीं, जिन्होंने जीनत अमान और शर्मिला टैगोर से पहले स्क्रीन पर बिकिनी पहन सनसनी मचा दी थी। अपनी दादी से मिले एक्टिंग के गुणों की विरासत को आगे बढ़ाते हुए नम्रता शिरोडकर ने अपनी बहन शिल्पा शिरोडकर के साथ बॉलीवुड में कदम रखा था।

नम्रता बचपन में ही पर्दे से अपने लगाव को जान चुकी थी। उन्होंने साल 1977 में फिल्म 'शिरडी के साई बाबा' में बाल कलाकार की भूमिका निभाई थी। नम्रता ने अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद मॉडलिंग सीखी और फिर 1993 में एक्ट्रेस ने महज 21 साल की उम्र में फेमिना मिस इंडिया जीता और इसी साल मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भी भाग लिया और छठे नंबर पर रहीं। फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीतने के बाद अभिनेत्री के लिए बॉलीवुड के रास्ते खुद-बा-खुद खुलने लगे और पहली ही फिल्म में उन्हें सलमान खान और ट्विंकल खन्ना के साथ काम करने का मौका मिला।

साल 1998 में आई फिल्म 'जब प्यार किसी से होता है' से उन्होंने बड़े पर्दे पर कदम रखा। फिल्म में भले ही रोल छोटा था, लेकिन नम्रता को पहचान दिलाने के लिए काफी था, जिसके बाद उन्हें संजय दत्त के साथ 1999 में आई 'वास्तव' में बतौर लीड एक्ट्रेस काम करने का मौका मिला। फिल्म 'वास्तव' की कहानी और कमाई दोनों ही धमाकेदार रही, और फिल्म ने दर्शकों का दिल भी जीता।

बतौर लीड पहली ही हिट देने के बाद उन्हें 'पुकार', 'अस्तित्व', 'कच्चे धागे', 'तेरा मेरा साथ रहे', और 'एलओसी कारगिल' जैसी फिल्मों में देखा गया। अभिनेत्री के करियर की ज्यादातर फिल्में औसत रहीं, और वे कुछ ही हिट फिल्म देने में कामयाब रहीं। हिंदी सिनेमा में कई फिल्में करने के बाद उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा का रुख किया, जहां फिल्म 'वामसी' में उन्हें महेश बाबू के साथ काम करने का मौका मिला। सेट पर दोनों के बीच नजदीकिया बढ़ीं, और 5 साल डेट करने के बाद दोनों ने शादी कर ली।

बहुत कम लोग ही ये बात जानते हैं कि अभिनेत्री की पहली फिल्म रिलीज होने से पहले ही बंद हो गई। नम्रता 1977 में बनी फिल्म 'पूरब की लैला पश्चिम की छैला' में दिखने वाली थी, लेकिन फिल्म को रिलीज नहीं किया गया। बड़े बजट के साथ बनी फिल्म में सुनील शेट्टी और अक्षय कुमार लीड रोल में थे।

शाहिद और विशाल भारद्वाज की जोड़ी का फिर दिखेगा दम, 'ओ रोमियो' का धमाकेदार ट्रेलर आउट

मुंबइ। निर्देशक विशाल भारद्वाज और शाहिद कपूर की जोड़ी जब भी किसी फिल्म में साथ काम करते हैं तो उसमें धमाकेदार एक्शन और जबरदस्त लड़ाई जरूर देखने को मिलती है। दोनों की अपकमिंग फिल्म 'ओ रोमियो' का ट्रेलर बुधवार को रिलीज कर दिया गया है।

यह फिल्म साजिद नाडियाडवाला के प्रोडक्शन में बनी है। निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है।

विशाल भारद्वाज ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने लिखा, 'ट्रेलर रिलीज हो गया है। 3 मिनट 8 सेकंड का ट्रेलर एक्शन और रोमांस से भरपूर है। इसमें शाहिद कपूर उस्तरा नाम के एक गैंगस्टर की भूमिका निभा रहे हैं, जो काफी सनकी होता है। फिल्म की कहानी मुंबई के अंडरवर्ल्ड और अपराध की दुनिया के ईर्द-गिर्द घूमती है।

वहीं, फिल्म में तृप्ति डिमरी मुख्य अभिनेत्री के किरदार में नजर आएंगी, जो बदला लेने के लिए 'उस्तरा' के पास सुपारी लेकर आती है, लेकिन उस्तरा को उससे प्यार हो जाता है। ट्रेलर में शाहिद के डायलॉग शानदार हैं, जिसमें वे कहते हैं, 'मुझे सिर्फ तुम्हारा जिस्म नहीं, तुम्हारी रूह चाहिए।

फिल्म में नाना पाटेकर एक पुलिस वाले की भूमिका में नजर आएंगे। इसमें शाहिद और तृप्ति के अलावा, अविनाश तिवारी, दिशा पाटनी, फरीदा जलाल, अरुण ईरानी, विक्रांत मैसी और तमन्ना भाटिया जैसे स्टार्स अहम भूमिका में नजर आएंगे। वहीं, फिल्म में दिशा का एक गाना भी दर्शकों को देखने को मिलेगा।

खास बात यह है कि फिल्म में अविनाश तिवारी विलेन के रोल में दिखेंगे। अविनाश का लुक काफी पसंद किया जा रहा है। 'ओ रोमियो' 13 फरवरी 2026 को वैलेंटाइन वीक के दौरान सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ट्रेलर देखकर लग रहा है कि यह फिल्म दर्शकों को एक्शन, ड्रामा और रोमांस का पूरा पैकेज देगी।

विशाल और शाहिद की यह जोड़ी पहले 'कमीने' और 'हैदर' जैसी यादगार फिल्में दे चुकी है। फैंस को इस नई फिल्म से काफी उम्मीदें हैं, क्योंकि इसमें एक्शन और रोमांस दोनों का तड़का देखने को मिल रहा है।

अभिषेक बच्चन संग नजर आईं आरती सिंह, साथ में पति दीपक चौहान भी

मुंबई । मशहूर हास्य अभिनेता कृष्णा अभिषेक की बहन और अभिनेत्री आरती सिंह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। वे अक्सर फैंस के साथ जिंदगी के यादगार पलों को शेयर करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अभिनेता अभिषेक बच्चन के साथ मुलाकात की और इसकी कुछ झलक फैंस के साथ शेयर की।

अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में आरती प्लेग्राउंड में अभिषेक बच्चन के साथ नजर आ रही हैं। खास बात यह है कि इसमें दोनों के साथ आरती के पति दीपक चौहान भी नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में यह मुलाकात बेहद गर्मजोशी और पारिवारिक अंदाज में नजर आ रही है।

वहीं, आरती ने भी इस मुलाकात पर खुशी जताते हुए लिखा, 'आपके प्यार और अपनापन के लिए दिल से धन्यवाद। आप अपनी विरासत को बहुत ही गरिमा और खूबसूरती के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। आप खुद भी एक बेहद शानदार और सुलझे हुए इंसान हैं। भगवान आपको हमेशा खुश और सुरक्षित रखे।

अभिषेक बच्चन अमिताभ और जया बच्चन के बेटे हैं, और वे अपनी फिल्मों के अलावा व्यक्तिगत जीवन में भी संतुलित और सकारात्मक छवि रखते हैं। वहीं, आरती सिंह और कृष्णा अभिषेक का परिवार पहले से ही बॉलीवुड से जुड़ा हुआ है। आरती ने कई टीवी सीरियल और रियलिटी शो में काम किया है, जैसे बिग बॉस। उनकी शादी पिछले साल हुई थी, और वे अब खुशहाल वैवाहिक जीवन जी रही हैं।

अभिनेत्री आरती सिंह ने अपने करियर की शुरुआत साल 2007 में टीवी सीरियल 'मायका' से की थी। इसके बाद वह 'गृहस्थी', 'परिचय', और 'वारिस' जैसे कई टीवी शो में नजर आई थीं। अभिनेत्री ने भले ही टीवी शो में काम किया हो, लेकिन उन्हें असल पहचान 'बिग बॉस 13' ने दिलाई थी। इसमें आरती चौथी रनर-अप रही थीं। वहीं, शो के दौरान उन्होंने खुलासा करते हुए बताया था कि काम न मिलने के कारण वह 2 साल डिप्रेशन में थीं।

मर्कोसुर समझौते पर यूरोपियन पार्लियामेंट का फैसला दुखदः जर्मन चांसलर मर्ज

नई दिल्ली । यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने मंगलवार को विश्व आर्थिक मंच से फ्री ट्रेड की बात कही थी। उन्होंने हाल ही में दक्षिण अमेरिका के आर्थिक समूह मर्कोसुर के साथ संपन्न हुए एग्रीमेंट की बात की थी। मर्कोसुर में ब्राजील, अर्जेंटीना, उरुग्वे और पैराग्वे जैसे देश शामिल हैं। यह समझौता वर्षों से बातचीत में था और इसे वैश्विक व्यापार की दिशा में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है।

लेकिन यूरोपियन यूनियन की संसद ने बुधवार, 21 जनवरी को जो किया वो ईयू की उम्मीदों पर पानी फेरने सरीखा है। संसद ने ट्रेड डील को ईयू की टॉप कोर्ट में भेजने के लिए वोट कर दिया, जिससे इस समझौते पर कानूनी अनिश्चितता का साया पड़ गया है। स्ट्रासबर्ग में सांसदों ने 334 के मुकाबले 324 वोटों से यूरोपियन यूनियन के कोर्ट ऑफ जस्टिस (सीजेईयू) से यह तय करने के लिए कहा कि क्या यह डील ब्लॉक की पॉलिसी के साथ मेल खाती है। इस समझौते का कई यूरोपीय किसानों ने विरोध किया था।

संसद के इस रवैए पर जर्मन चांसलर ने खेद व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मर्कोसुर समझौते पर यूरोपियन पार्लियामेंट का फैसला दुखद है। निर्णय जियोपॉलिटिकल स्थिति को ठीक से नहीं समझने वाला लगता है। हमें समझौते की वैधता पर पूरा भरोसा है। अब और देरी नहीं होनी चाहिए। समझौते को अब अस्थायी रूप से लागू किया जाना चाहिए।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, बुधवार को वोट से पहले सैकड़ों किसान ट्रैक्टरों के साथ संसद भवन के बाहर जमा हुए थे - और जैसे ही नतीजा आया, प्रदर्शनकारी जश्न मनाने लगे।

शनिवार को ब्राजील, अर्जेंटीना, उरुग्वे और पैराग्वे के साथ इस समझौते पर मुहर लगी थी, जिसे दुनिया के सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के तौर पर प्रोजेक्ट किया जा रहा था। ऐसा दावोस में ईयू आयोग की अध्यक्ष ने भी कहा था।

इस समझौते का मुख्य उद्देश्य दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापार बाधाओं को कम करना है। इसके तहत आयात-निर्यात पर लगने वाले कई तरह के शुल्क घटाए जाने या खत्म करने की मंशा दिखाई गई है।

पाकिस्तान: गुल प्लाजा अग्निकांड में मृतकों की संख्या बढ़कर 60, एक ही दुकान से बरामद हुए 30 शव

कराची । पाकिस्तान के कराची स्थित गुल प्लाजा मॉल के अग्निकांड में मरने वालों की कुल संख्या अब 60 हो गई है। स्थानीय मीडिया ने पुलिस के हवाले से ये आंकड़ा जारी किया।

जियो न्यूज के अनुसार 24 घंटे से भी ज्यादा तक धधकी आग की चपेट में आए 60 में से 30 के शव एक ही दुकान से बरामद किए गए। पुलिस अधिकारी डीआईजी सैयद असद रजा ने बताया कि शॉपिंग मॉल के मेजानाइन फ्लोर पर एक जगह से 30 शव बरामद किए गए हैं।

रजा के मुताबिक इन लोगों ने शायद अपनी जान बचाने के लिए खुद को क्रॉकरी की दुकान में बंद कर लिया था।

अभी भी कुछ लापता लोगों की जानकारी नहीं है। जिसे लेकर दक्षिणी जिले के डिप्टी कमिश्नर जावेद नबी खोसो ने कहा कि जब तक एक भी व्यक्ति लापता रहेगा, तब तक बिल्डिंग को गिराया नहीं जाएगा।

मीडिया से बात करते हुए, खोसो ने कहा कि आग लगने के बाद 86 लोग लापता हैं। उन्होंने कहा, 'जब सब कुछ पूरा हो जाएगा, तो पूरी इमारत को गिरा दिया जाएगा।

अधिकारी ने बताया कि 39 लापता लोगों की लोकेशन शॉपिंग सेंटर में ट्रेस की गई, जबकि साइट से बरामद 17 शवों की पहचान अभी शेष है। डीसी ने कहा कि 11 शवों की पहचान हो चुकी है।

डॉन मीडिया आउटलेट के अनुसार, ये आग पिछले एक दशक में लगी सबसे बड़ी आग है, जिसमें एक फुटबॉल मैदान से भी बड़े इलाके में फैली एक मल्टी-स्टोरी कॉम्प्लेक्स में 1,200 दुकानें हैं। यह प्लाजा, जिसका कुछ हिस्सा आग लगने से ढह गया था, एक ग्राउंड-प्लस-तीन-मंजिला इमारत थी जिसमें 8,000 वर्ग गज में 1,200 दुकानें थीं।

कराची के ऐतिहासिक केंद्र में लगी आग 24 घंटे से ज्यादा समय तक दहकती रही थी। इसे बुझाने में प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी।वहीं, सिंध बिल्डिंग कंट्रोल अथॉरिटी (एसबीसीए) के अनुसार, गुल प्लाजा के पास मौजूद एक और शॉपिंग मॉल, रिम्पा प्लाजा के एक हिस्से पर भी घंटों तक जलती आग का असर पड़ा है।

वर्जीनिया में यों मचा बवाल? कोर्ट की आलोचनाओं के बाद अंतरिम अटॉर्नी के पद से हटीं लिंडसे हेलिगन

वर्जीनिया । वर्जीनिया के पूर्वी जिले के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चुनी हुई अंतरिम यूएस अटॉर्नी लिंडसे हैलिगन को जस्टिस डिपार्टमेंट में अपना पद छोड़ना पड़ा। फेडरल जज की तरफ से कड़ी आलोचनाओं के चलते नियुक्ति के 120 दिनों के बाद ही अमेरिकी अटॉर्नी को अपने पद से हटना पड़ा। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, एक कानूनी विवाद था जिसमें एक फेडरल जज ने उनके अधिकारों पर सवाल उठाया और लिंडसे को उनका उत्तराधिकारी नियुक्त करने से मना कर दिया। ट्रंप की पूर्व वकील लिंडसे हैलिगन ने मंगलवार की शाम को हटाए जाने की घोषणा करते हुए कहा कि एक फेडरल जज ने नवंबर में फैसला सुनाया था कि उनकी नियुक्ति अमान्य थी और एरिक सीबर्ट के जाने के बाद सिर्फ जिला कोर्ट के पास अंतरिम उत्तराधिकारी का नाम बताने का अधिकार था। इस्तीफे के ऐलान के साथ लिंडसे ने कहा, 'मुझ पर ट्रिब्यूनल से झूठ बोलने और गलत या गुमराह करने वाले बयान देने के बेबुनियाद आरोप लगाए गए। मुझे खुद से ऑर्डर का जवाब देने और खुद फाइलिंग पर हस्ताक्षर करके यह बताने का आदेश दिया गया कि मेरा नाम प्लीडिंग में क्यों आया, जिससे पब्लिक सेफ्टी की जिम्मेदारियों से समय और रिसोर्स हट गए। असिस्टेंट यूएस अटॉर्नी को खुली कोर्ट में बताया गया कि मुझे इस्तीफा दे देना चाहिए। अमेरिकी जिला जज डेविड नोवाक को राष्ट्रपति ट्रंप ने ही 2019 में नियुक्त किया था। हैलिगन एक इंश्योरेंस लॉयर थीं, जो बाद में अभियोजक बन गईं। नवंबर में एक जज ने यह तय किया कि वह गैर-कानूनी तरीके से यह भूमिका अदा कर रही थीं, जिसके बाद अंतरिम यूएस अटॉर्नी के तौर पर उनका कार्यकाल कम हो गया।

चीन में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सुविधाएं 2 करोड़ के आंकड़े को पार कर गईं

बीजिंग । चीन के राष्ट्रीय ऊर्जा प्रशासन ने बुधवार को घोषणा की कि देश में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सुविधाओं की संख्या 2 करोड़ के मील के पत्थर को पार कर गई है, जिससे चीन दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे उन्नत चार्जिंग नेटवर्क रखने वाला देश बन गया है।

बताया गया है कि दिसंबर 2025 के अंत तक, चीन में कुल 2 करोड़ 92 हजार चार्जिंग पॉइंट स्थापित किए जा चुके थे। यह विशाल नेटवर्क अब 4 करोड़ से अधिक नई ऊर्जा वाहनों की चार्जिंग आवश्यकताओं को पूरी तरह पूरा करने में सक्षम है। इनमें से 47 लाख 17 हजार सार्वजनिक चार्जिंग पॉइंट हैं, जबकि 1 करोड़ 53 लाख 75 हजार निजी चार्जिंग पॉइंट हैं।

राष्ट्रीय ऊर्जा प्रशासन के अनुसार, चीन की चार्जिंग अवसंरचना का विकास तीन प्रमुख विशेषताओं के साथ उच्च गुणवत्ता वाली प्रगति कर रहा है, तेजी से विस्तार, दक्षता में सुधार और व्यापक कवरेज। चार्जिंग पॉइंट की कुल संख्या 1 करोड़ से 2 करोड़ तक पहुंचने में केवल 18 महीने का समय लगा, जो पिछले मील के पत्थर की तुलना में कहीं कम है।

रिपोर्ट के अनुसार, सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों की औसत चार्जिंग शक्ति 46.5 किलोवाट तक पहुंच चुकी है, जो 2024 की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक है। वर्तमान में देश के 98 प्रतिशत से अधिक हाइवे सर्विस क्षेत्रों में कुल 71 हजार 500 चार्जिंग पॉइंट स्थापित किए गए हैं। साथ ही, 19 प्रांतों ने ग्रामीण क्षेत्रों में चार्जिंग सुविधाओं के पूर्ण कवरेज को हासिल कर लिया है।

भारत-यूरोप व्यापार समझौता गेम-चेंजर साबित होगा: सीएम सरमा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा है कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौता दोनों पक्षों के लिए एक गेम-चेंजर साबित होगा। उन्होंने कहा कि भारत और ईयू के बीच मजबूत और भरोसेमंद संबंध हैं तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग लगातार बढ़ रहा है।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के दौरान आईएएनएस से बातचीत में मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि भारतीय कंपनियों को अलग-अलग वैश्विक बाजारों तक पहुंच की जरूरत है, जिसे भारत-ईयू व्यापार समझौते के जरिए पूरा किया जाएगा।

उन्होंने कहा, 'यूरोप भारत को एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में देखता है। यह हाल के दिनों में यूरोपीय संघ के नेतृत्व के बयानों से स्पष्ट है। ईयू के वक्तव्यों में भी भारत को एक प्रमुख वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में उभरते हुए बताया गया है। भारत की स्थिर नीतियां और तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था यूरोपीय निवेश और साझेदारियों को आकर्षित कर रही हैं।

भारत-ईयू शिखर सम्मेलन 27 जनवरी को प्रस्तावित है। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब वैश्विक बाजारों में अमेरिका के टैरिफ से जुड़ी उथल-पुथल और भू-राजनीतिक बदलावों के कारण अनिश्चितता बनी हुई है।

मुख्यमंत्री सरमा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने हाल ही में भारत की विकास दर के अनुमान को संशोधित करते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए इसे 7.3 प्रतिशत बताया है।

उन्होंने कहा, 'भारत जल्द ही सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लिहाज से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसके अलावा हमारे पास कई अन्य ताकतें भी हैं। सरमा ने कहा कि भारत एक परिपक्व लोकतंत्र है, जहां नीतियों में निरंतरता और धैर्य है। उन्होंने कहा, 'अगर एक-दो रणनीतियां सफल नहीं भी होती हैं, तो चिंता की बात नहीं है। हम अन्य बाजारों की ओर रुख कर सकते हैं। हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत है और हमारे पास एक बड़ा घरेलू बाजार भी है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह पहली बार है जब असम का प्रतिनिधिमंडल दावोस आया है। उन्होंने कहा, 'हमारी जिम्मेदारी थी कि हम वैश्विक नेताओं के सामने असम को प्रस्तुत करें। लोग हमारी बात सुन रहे हैं और निवेश के लिए प्रतिबद्धता भी जता रहे हैं।

इससे पहले, मुख्यमंत्री सरमा ने कहा था कि असम सरकार ऑटोमेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित भविष्य के लिए अपने युवाओं को तैयार कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य अपने युवा जनसांख्यिकीय लाभ का उपयोग करते हुए उद्योग-आधारित कौशल विकास पर विशेष ध्यान दे रहा है।

डब्ल्यूईएफ की एक अन्य बैठक में उन्होंने बताया कि असम किस तरह उभरती तकनीकों और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप अपने स्किलिंग इकोसिस्टम को नया रूप दे रहा है।

दावोस में बोले ट्रंप, 'यूरोप सही दिशा में नहीं जा रहा, कई इलाके तो पहचानने लायक नहीं'

दावोस । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावोस में अपने प्रयासों की प्रशंसा करते हुए बंटे हुए यूरोप पर निराशा व्यक्त की। अपने संबोधन की शुरुआत उन्होंने सधे अंदाज में की। बोले, 'यहां दूसरी बार इतने सारे दोस्तों और कुछ दुश्मनों के बीच आकर अच्छा लग रहा है।

ट्रंप ने कहा कि यूरोप की इमिग्रेशन पॉलिसी और आर्थिक नीतियों के नतीजे विनाशकारी हुए हैं, जबकि इसके मुकाबले अमेरिका में 'आर्थिक चमत्कार' देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'मुझे यूरोप से प्यार है और मैं चाहता हूं कि यूरोप आगे बढ़े, लेकिन वह सही दिशा में नहीं जा रहा है। लगातार बढ़ता सरकारी खर्च, बिना नियंत्रण का बड़े पैमाने पर प्रवासन और अंतहीन विदेशी आयात इसके लिए जिम्मेदार हैं। ट्रंप ने कहा है कि आर्थिक मामलों में यूरोप को अमेरिका जैसा बनना चाहिए और वही करना चाहिए जो अमेरिका कर रहा है।

इसके साथ ही ट्रंप ने 'बिना रोक-टोक के बड़े पैमाने पर माइग्रेशन' और यूरोप के ग्रीन एनर्जी फोकस पर हमला किया। उन्होंने दावा किया कि यूरोप में कुछ जगहें 'सच में पहचानने लायक नहीं रही हैं। उन्होंने कहा कि दोस्त अलग-अलग जगहों से वापस आते हैं और नेगेटिव तरीके से कहते हैं कि 'मैं इसे पहचान नहीं पा रहा हूं।' ट्रंप ने जोर देकर कहा कि वह चाहते हैं कि यूरोप अच्छा करे, लेकिन उनका दावा है कि यूरोप सही दिशा में नहीं जा रहा है।

अमेरिका की आर्थिक स्थिति की तारीफ करते अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि देश ने महंगाई को कंट्रोल किया है और बड़ी आर्थिक कामयाबी हासिल की है। उन्होंने दावा किया कि उनके नेतृत्व में यूएस की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। ट्रंप ने कहा कि उनकी टैरिफ नीति की वजह से अमेरिका अपने घाटे को काफी हद तक कम करने में सफल रहा है। उन्होंने जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों के साथ किए गए समझौतों का जिक्र किया।

भारत और स्पेन को आतंकवाद का मिलकर मुकाबला करना चाहिएः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली। स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बारेस ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि भारत और स्पेन को आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से लड़ने के लिए अपने संसाधनों और क्षमताओं को एकजुट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों देश इस खतरे का मुकाबला करने पर एकमत हैं।

राष्ट्रपति भवन में अलबारेस का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और स्पेन के बीच संबंध सदियों पुराने हैं, जो व्यापार, संस्कृति और लोकतंत्र एवं बहुलवाद के साझा मूल्यों से समृद्ध हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष हमारे राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ है जिसे 'संस्कृति, पर्यटन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत और स्पेन के बीच आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं और व्यापार तथा निवेश का विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग, रेलवे, नवीकरणीय ऊर्जा, शहरी सेवाओं और रक्षा-अंतरिक्ष क्षेत्रों में स्पेन की क्षमताएं भारत की विकास प्राथमिकताओं को समर्थन देने में सहायक हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर के बाद, दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे।

द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि बहुपक्षवाद के प्रबल समर्थक होने के नाते, भारत और स्पेन को संयुक्त राष्ट्र और जी-20 जैसे बहुपक्षीय मंचों पर मिलकर काम करना चाहिए ताकि विश्व भर में शांति, समृद्धि और स्थिरता के हमारे साझा लक्ष्यों को आगे बढ़ाया जा सके। राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बने आतंकवाद से निपटने के लिए भारत और स्पेन का एक साझा दृष्टिकोण है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के सभी स्वरूपों से मिलकर लड़ने के लिए हमें अपने संसाधनों और क्षमताओं को मिलाकर एकजुट रूप से प्रयास करना होगा। द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि यूरोप और यूरोपीय संघ के साथ भारत के संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं और हम अपने 77वें गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष और यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

चीन के वाणिज्यिक अंतरिक्ष कार्यक्रम ने वर्ष 2025 में रचा नया इतिहास

बीजिंग । चीनी राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन के अनुसार, वर्ष 2025 चीन के वाणिज्यिक अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए तीव्र विकास और उल्लेखनीय उपलब्धियों का वर्ष रहा। इस अवधि में कुल 50 वाणिज्यिक प्रक्षेपण सफलतापूर्वक पूरे किए गए, जो देश के कुल अंतरिक्ष प्रक्षेपणों का लगभग 54 प्रतिशत रहे। इनमें 25 वाणिज्यिक वाहक रॉकेटों के प्रक्षेपण शामिल थे। इस वर्ष हाईनान वाणिज्यिक अंतरिक्ष प्रक्षेपण स्थल को औपचारिक रूप से संचालन में लाया गया, जहां से 9 प्रक्षेपण सफलतापूर्वक संपन्न हुए। इसकी स्थापना के बाद अब तक यह केंद्र कुल 10 प्रक्षेपण पूरे कर चुका है। इसके अलावा, देश ने 16 अन्य वाणिज्यिक उपग्रहों का भी प्रक्षेपण किया।आंकड़े दर्शाते हैं कि वर्ष 2025 में चीन ने कुल 311 वाणिज्यिक उपग्रहों को कक्षा में स्थापित किया, जो उस वर्ष कक्षा में भेजे गए देश के कुल उपग्रहों का लगभग 84 प्रतिशत हिस्सा था।

इसके साथ ही, पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी देश ने ऐतिहासिक प्रगति दर्ज की। 'चूछ्य्वे-3' पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण यान ने अपनी पहली उड़ान सफलतापूर्वक पूरी की, जिसमें रॉकेट के दूसरे चरण ने निर्धारित कक्षा में पेलोड को सफलतापूर्वक स्थापित किया।

इस मिशन के दौरान पहले चरण के पुनः प्रवेश और सुरक्षित वापसी जैसी प्रमुख तकनीकों का सत्यापन किया गया।

साल 2025 में चीनी फिल्म उद्योग विश्व में शीर्ष पर

बीजिंग । चीन फिल्म प्रशासन द्वारा बुधवार को जारी की गई जानकारी के अनुसार, अपूर्ण आंकड़ों के आधार पर, चीन के फिल्म उद्योग श्रृंखला का कुल उत्पादन मूल्य 2025 में 817.259 अरब युआन तक पहुंच गया, जिसका बॉक्स ऑफिस गुणक लगभग 1:15.77 था, जो दोनों ही मामलों में दुनिया में शीर्ष पर है।

चीनी फिल्म अभिलेखागार और चीनी सामाजिक विज्ञान अकादमी के औद्योगिक अर्थशास्त्र संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित एक शोध समूह द्वारा किए गए सावधानीपूर्वक गणनाओं के अनुसार, और 5वीं राष्ट्रीय आर्थिक जनगणना, फिल्म उद्योग उद्यमों की संख्या में परिवर्तन, बॉक्स ऑफिस में उतार-चढ़ाव और औद्योगिक श्रृंखला के स्पिलओवर प्रभावों जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए, चीन की फिल्म उद्योग श्रृंखला का कुल उत्पादन मूल्य 2025 में 817.259 अरब युआन तक पहुंच गया। गणना और सांख्यिकी को तीन भागों में विभाजित किया गया है। जो कि पहला भाग, फिल्म उद्योग का मूल उत्पादन मूल्य (निर्माण, वितरण और प्रदर्शन सहित) 226.618 अरब युआन था। दूसरा भाग, अप्रत्यक्ष उत्पादन मूल्य (फिल्म उपकरण खरीद, तकनीकी सेवाएं, विज्ञापन और प्रचार, पट्टा व्यवसाय और रसद एवं परिवहन जैसे अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम लिंक सहित) 251.546 अरब युआन था। और तीसरा भाग, फिल्म देखने से प्रेरित और स्पिलओवर उत्पादन मूल्य (जिसमें खानपान, परिवहन और खुदरा, फिल्म आईपी डेरिवेटिव, फिल्म बेस, फिल्मांकन स्थल, थीम पार्क पर्यटन और फिल्म समारोह प्रदर्शनी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने वाला उत्पादन मूल्य शामिल है) 339.095 अरब युआन था। संबंधित विशेषज्ञों का कहना है कि चीन के आर्थिक और सामाजिक विकास को सशक्त बनाने में फिल्म की क्षमता तेजी से सामने आ रही है, और फिल्म अर्थव्यवस्था चीन की सेवा खपत को बढ़ावा देने और विदेशों में चीनी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक शक्तिशाली इंजन बन गई है।

संक्षिप्त खबर

छत्तीसगढ़ सरकार ने तीन आईएएस अधिकारियों का महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर तबादला किया

रायपुर । छत्तीसगढ़ सरकार ने बुधवार को तीन आईएएस अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी कर प्रशासनिक बदलाव को अंजाम दिया। इन अधिकारियों को शिक्षा, शहरी विकास और जिला प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में स्थानांतरित किया गया है। इस क्रम में 2009 बैच की आईएएस अधिकारी किरण कौशल को राज्य के व्यापक शिक्षा कार्यक्रम समग्र शिक्षा का आयुक्त नियुक्त किया गया है।

इस प्राथमिक पद के अतिरिक्त, उन्हें छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।सरकार ने इस कदम के महत्व पर जोर देते हुए घोषणा की है कि समग्र शिक्षा आयुक्त के रूप में कार्यभार ग्रहण करने पर आईएएस (वेतन) नियम 2016 के नियम-12 के अनुसार यह गैर-कैडर पद वेतन, प्रतिष्ठा और जिम्मेदारी के मामले में भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ वेतनमान के समकक्ष कैडर पद में अपग्रेड हो जाएगा।

इसी क्रम में, 2009 बैच के आईएएस अधिकारी अवनीश कुमार शरण को शहरी नियोजन और प्रशासन में विस्तारित जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

नगर एवं ग्राम नियोजन आयुक्त के रूप में कार्यरत और आवास बोर्ड के आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे अवनीश कुमार शरण को अब रायपुर विकास प्राधिकरण का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया है।

इसी बीच, संवेदनशील बस्तर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण नियुक्ति हुई है, जिसमें 2017 बैच के आईएएस अधिकारी आकाश छिकारा ने बस्तर जिले के कलेक्टर के रूप में कार्यभार संभाला है। इस तबादले से पहले, वे आवास एवं पर्यावरण विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर तैनात थे, साथ ही रायपुर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी की जिम्मेदारियां भी संभाल रहे थे।

प्रशासनिक और सुरक्षा संबंधी जटिलताओं के लिए प्रसिद्ध बस्तर जिले में उनकी तैनाती को छत्तीसगढ़ के सबसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक में शासन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है।

कांग्रेस अभी 15 से 20 साल सत्ता में नहीं आने वाली हैः आनंद दुबे

मुंबइ। शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कांग्रेस के भविष्य पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अभी 15 से 20 साल तक सत्ता में नहीं आने वाली है। न देश में आने वाली है, न राज्य में और न महानगर पालिका में।

शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने मुंबई में आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि कांग्रेस अपने मूल विचारों से भटक गई है। एक ओर राहुल गांधी दिन-रात मेहनत करते हैं, दूसरी ओर उनके नेता उदित राज, दिग्विजय सिंह, राशिद अल्वी या जयराम रमेश जैसे नेता गलत बयानबाजी करके कांग्रेस को कमजोर कर देते हैं। महाराष्ट्र और मुंबई में कांग्रेस की बुरी स्थिति है, फिर भी पता नहीं वे लोग क्यों चुनाव लड़ते हैं। उन्हें तो चुनाव लड़ना ही नहीं चाहिए। संगठन कमजोर है, चुनाव में जाएंगे तो हार ही होगी, लेकिन शिवसेना (यूबीटी) एक दिन शून्य से शिखर तक जरूर पहुंचेगी।

बीएमसी चुनाव के नतीजे आने के बाद मेयर को लेकर चल रही खींचतान पर आनंद दुबे ने कहा कि आमतौर पर देखा गया है कि महापौर का जो चुनाव होता है या महापौर की जो पूरी कार्यप्रणाली होती है, वो लोकल स्तर पर होती है, लेकिन पहली बार देखा गया है कि मुंबई महानगर पालिका हो, चाहे ठाणे महानगर पालिका हो, चाहे और भी महानगर पालिका हो, इन सभी के फैसले दिल्ली में हो रहे हैं। दिल्ली में बैठकर आप मुंबई महानगर पालिका नहीं चला सकते हैं। आपको मुंबई में आना ही होगा, मुंबई में लोगों का विश्वास जीतना होगा, मुंबई के लोगों से बात करनी होगी, जो नगर सेवक चुनकर आए हैं उनका जनमत लेना होगा। फाइव स्टार होटल में घूमने से कुछ हासिल नहीं होगा। दूसरी ओर, हमारे जीते हुए उम्मीदवार जनता की सेवा में लग गए हैं। उन्होंने कहा कि महायुति में सिर फुटव्वल है। आप दिल्ली में बैठकर मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन नहीं चला सकते हैं। मातोश्री के बाहर लगे पोस्टर्स पर आनंद दुबे ने कहा कि देखिए, ये कार्यकर्ताओं का जोश-उत्साह है। आजकल गाने भी बहुत चलते हैं। हम यही कहेंगे कि इसका अर्थ यही है कि जो बड़ा है वो बड़ा ही होता है। आप किसी की पार्टी का नाम चुराकर कुछ दिन के लिए बड़े बन सकते हैं, लेकिन लंबा आपका खेल नहीं चलेगा। यही उस पोस्टर के माध्यम से कार्यकर्ताओं का संदेश है। उन्होंने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के मामले पर कहा कि प्रयागराज की पावन धरती पर उनके साथ जो भी हो रहा है, वो बहुत ही आत्मा को दुखाने वाला विषय है, मन को दुख देने वाला विषय है। वो एक शंकराचार्य हैं, वो साधु-संत हैं, सनातन का झंडा लेकर आगे चलते हैं। आप उनसे कह रहे हैं कि आप शंकराचार्य का सर्टिफिकेट दिखाइए, आप कौन होते हैं, पुलिस कौन होती है, सरकार कौन होती है। साधु-संतों और लाखों-करोड़ों सनातनियों ने उनको शंकराचार्य मान लिया है। आपके कहने या न कहने से क्या होता है। अविमुक्तेश्वरानंद ने हमेशा कहा है कि गौ हत्या रुकनी चाहिए, हिंसा नहीं होनी चाहिए, मानव-मानव का कल्याण करना चाहिए, वसुधैव कुटुम्बकम की बात करनी चाहिए, सनातन की जय होनी चाहिए। ये सब चीजों को हमेशा उठाया गया है। इन्हीं सब विषयों को लेकर ये सरकार घबरा गई है। जिस प्रकार उनके भक्तों पर लाठीचार्ज हुआ। लोग अभी भी घायल हैं। उन्हें स्नान करने से रोका गया। रथ को पीछे धकेला गया। यह सब दिखाता है कि यह सरकार हिंदू विराधी हो चुकी है। 2027 के यूपी चुनाव में जनता हिसाब लेगी।

केंद्रीय कैबिनेट का बड़ा फैसला : अटल पेंशन योजना 2030-31 तक बढ़ी, सिडबी को 5,000 करोड़ रुपए की इक्विटी मदद

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में सामाजिक सुरक्षा और एमएसएमई सेक्टर को लेकर दो अहम फैसले लिए गए हैं। कैबिनेट ने एक तरफ अटल पेंशन योजना (एपीवाई) को वित्त वर्ष 2030-31 तक जारी रखने की मंजूरी दी है, वहीं दूसरी ओर सिडबी यानी स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (एसआईडीबीआई) को 5,000 करोड़ रुपए की इक्विटी सहायता देने का भी फैसला किया है। इन दोनों कदमों का मकसद देश के कमजोर वर्गों को सामाजिक सुरक्षा देना और छोटे उद्योगों तक सस्ता लोन पहुंचाना है।

कैबिनेट ने अटल पेंशन योजना को 2030-31 तक जारी रखने के साथ-साथ इसके प्रचार, जागरूकता और विकास से जुड़ी गतिविधियों के लिए फंडिंग सपोर्ट बढ़ाने को भी मंजूरी दी है। इसके अलावा योजना को लंबे समय तक टिकाऊ बनाए रखने के लिए जरूरी गैप फंडिंग जारी रखने का भी निर्णय लिया गया है। इससे असंगठित क्षेत्र के मजदूरों और कम आय वाले लोगों तक योजना की पहुंच और बढ़ेगी।

अटल पेंशन योजना की शुरुआत 9 मई 2015 को असंगठित क्षेत्र के कामगारों को बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा देने के उद्देश्य से की गई थी। इस योजना के तहत 60 साल की उम्र के बाद हर महीने 1,000 से 5,000 रुपए तक की गारंटीड पेंशन मिलती है, जो व्यक्ति के योगदान पर निर्भर करती है। 19 जनवरी 2026 तक इस योजना से 8.66 करोड़ से ज्यादा लोग जुड़ चुके हैं, जिससे यह देश की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था की एक मजबूत कड़ी बन चुकी है।

सरकार का मानना है कि योजना को आगे बढ़ाने से भारत को एक पेंशन आधारित समाज बनाने में मदद मिलेगी और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को भी मजबूती मिलेगी।

इसके अलावा, कैबिनेट ने एमएसएमई सेक्टर को राहत देने के लिए सिडबी को 5,000 करोड़ रुपए की इक्विटी सहायता देने को भी मंजूरी दी है। यह राशि वित्तीय सेवा विभाग के जरिए तीन चरणों में दी जाएगी- वित्त वर्ष 2025-26 में 3,000 करोड़ रुपए, जबकि 2026-27 और 2027-28 में 1,000-1,000 करोड़ रुपए। इस पूंजी से सिडबी अपनी वित्तीय स्थिति मजबूत कर सकेगा और एमएसएमई को ज्यादा मात्रा में सस्ता कर्ज उपलब्ध करा पाएगा।

सरकार के मुताबिक, इस इक्विटी निवेश के बाद सिडबी की मदद से वित्तीय सहायता पाने वाले एमएसएमई की संख्या 76.26 लाख से बढ़कर 1.02 करोड़ तक पहुंच सकती है। यानी करीब 25.74 लाख नए एमएसएमई को सीधा फायदा मिलेगा। मौजूदा आंकड़ों के आधार पर इससे करीब 1.12 करोड़ नए रोजगार पैदा होने का अनुमान है, क्योंकि औसतन हर एमएसएमई करीब 4 लोगों को रोजगार देता है।

सरकार ने बताया कि आने वाले वर्षों में सिडबी की बैलेंस शीट पर जोखिम भारित परिसंपत्तियां बढ़ने वाली हैं, क्योंकि बैंक डिजिटल और बिना गारंटी वाले कर्ज, स्टार्टअप्स को वेंचर डेट और एमएसएमई को ज्यादा फाइनेंस उपलब्ध कराने पर जोर दे रहा है। ऐसे में मजबूत पूंजी आधार जरूरी है, ताकि सिडबी की कैपिटल टू रिस्क वेटेड एसेट्स रेश्यो (सीआरएआर) मजबूत बनी रहे और उसकी क्रेडिट रेटिंग सुरक्षित रहे।

अटल पेंशन योजना के विस्तार से करोड़ों लोगों को बुढ़ापे की आर्थिक सुरक्षा मिलेगी, तो वहीं सिडबी को दी गई इक्विटी मदद से एमएसएमई सेक्टर को सस्ता कर्ज, ज्यादा रोजगार और मजबूत विकास का रास्ता मिलेगा। यह दोनों फैसले देश की अर्थव्यवस्था को समावेशी और मजबूत बनाने की दिशा में अहम माने जा रहे हैं।

कर्नाटक के बेलगावी में चिट फंड फ्रॉडः महिलाओं से करोड़ों रुपए की ठगी, कमिश्नर से शिकायत की

बेलगावी । कर्नाटक के बेलगावी में चिट फंड के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, जिसमें 100 से अधिक महिलाओं और आम लोगों से करोड़ों रुपए ठग लिए गए हैं। पीड़ित महिलाओं ने कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर इंसाफ की गुहार लगाई और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। महिलाओं का आरोप है कि उन्हें ज्यादा रिटर्न और आकर्षक ब्याज का लालच देकर चिट फंड में निवेश कराया गया और बाद में उनके पैसे हड़प लिए गए। बताया जा रहा है कि इस कथित फ्रॉड में पीड़ितों ने मिलकर तीन करोड़ रुपए से अधिक की राशि गंवाई है। पीड़ित महिलाओं ने कमिश्नर भूषण बोरासे से मुलाकात कर पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई। कमिश्नर ने मीडिया से बातचीत में बताया कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है और मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि जांच तेजी से चल रही है और दोषियों के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। धोखाधड़ी की शिकार महिला साक्षी ने मीडिया से बातचीत में बताया कि वह दिलीप नामक व्यक्ति के पास चिट फंड में पैसा जमा करती थी। दिलीप और उसका बेटा मिलकर फंड चलाते थे और करीब दस वर्षों तक सब कुछ सामान्य रूप से चलता रहा। साक्षी ने बताया कि वह हर महीने सात हजार रुपए फंड में जमा करती थी। हालांकि, बीते कुछ महीनों से उन्हें न तो मूल राशि और न ही कोई रिटर्न मिल रहा है। जब वे दिलीप से संपर्क करने उसके विजयनगर स्थित किराने की दुकान पर पहुंचीं तो पता चला कि वह वहां मौजूद नहीं है और दुकान उसकी पत्नी चला रही है। साक्षी का आरोप है कि दिलीप की पत्नी ने भी पैसे लौटाने से इनकार करते हुए कहा कि वह पैसे दिलीप से ही मांगें और उसका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। साक्षी ने यह भी बताया कि केवल वह ही नहीं, बल्कि उसके जैसी कई और महिलाएं हैं, जो नियमित रूप से चिट फंड में पैसा जमा करती थीं और अब सभी अपने पैसे वापस पाने के लिए भटक रही हैं। पीड़ित महिलाओं का कहना है कि उनके भरोसे का गलत फायदा उठाकर उन्हें आर्थिक संकट में डाल दिया गया है। वहीं, कमिश्नर भूषण बोरासे ने बताया कि महिलाओं के एक समूह की शिकायत के बाद 'श्री गणेश मासिक वार्षिक फंड' के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

गौरीगणेश चतुर्थी : विघ्नहर्ता को प्रसन्न करने का उत्तम दिन, नोट कर लें शुभ मुहूर्त

नई दिल्ली । माघ मास की शुक्ल पक्ष चतुर्थी तिथि गुरुवार को पड़ रही है, जिसे गौरीगणेश चतुर्थी के नाम से जाना जाता है। यह दिन भगवान गणेश के गौरीगणेश स्वरूप की आराधना के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। हिंदू धर्म में गणेश जी को विघ्नहर्ता और प्रथम पूज्य देवता के रूप में पूजा जाता है।

इस विशेष तिथि पर व्रत, पूजन, जप, तप, स्नान, दान और हवन आदि शुभ कर्म सहस्त्रगुणा फल प्रदान करते हैं। मुद्गल पुराण और भविष्य पुराण जैसे ग्रंथों में चतुर्थी व्रत को समस्त अभीष्ट सिद्धि देने वाला बताया गया है। श्रद्धापूर्वक इस व्रत को करने से गणेश भक्ति के साथ जीवन में सुख-समृद्धि प्राप्त होती है और सभी प्रकार के विघ्नों का नाश होता है।

सनातन धर्म में किसी भी पूजा-पाठ या नए कार्य को करने से पहले पंचांग का विचार महत्वपूर्ण है। दृक पंचांग के अनुसार, शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि 23 जनवरी की सुबह 2 बजकर 28 मिनट तक रहेगी। शतभिषा नक्षत्र दोपहर 2 बजकर 27 मिनट तक है, उसके बाद पूर्व भाद्रपद शुरू होगा। योग वरीयान् शाम 5 बजकर 38 मिनट तक रहेगा। वहीं, चंद्रमा कुंभ राशि में संचरण करेंगे। सूर्योदय 7 बजकर 14 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 5 बजकर 52 मिनट पर होगा। शुभ मुहूर्तों की बात करें तो ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 27 मिनट से 6 बजकर 20 मिनट तक, अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 12 मिनट से 12 बजकर 54 मिनट तक और विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 19 मिनट से 3 बजकर 2 मिनट तक और गोधूलि मुहूर्त शाम 5 बजकर 49 मिनट से 6 बजकर 16 मिनट तक रहेगा। मध्याह्न काल में गणेश पूजन करना विशेष रूप से शुभ फलदायी होता है। रवि योग सुबह 7 बजकर 14 मिनट से दोपहर 2 बजकर 27 मिनट तक है।

अशुभ समय का विचार भी महत्वपूर्ण है। राहुकाल दोपहर 1 बजकर 53 मिनट से 3 बजकर 12 मिनट तक रहेगा, इस दौरान कोई शुभ कार्य न करें। यमगण्ड सुबह 7 बजकर 14 मिनट से 8 बजकर 33 मिनट तक है। पूरे दिन पंचक व्याप्त है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, गौरी पुत्र गणेश की आराधना से जीवन के हर क्षेत्र में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं। किसी भी मांगलिक कार्य की शुरुआत में गणेश पूजन अनिवार्य माना जाता है। गौरी गणेश चतुर्थी के दिन गजानन का विधि-विधान से पूजन, कर ओम गं गणपतये नम: और उनके 12 नामों का जप करें। गणपति को दुर्वा, बेलपत्र चढ़ाकर मोदक और लड्डू का भोग लगाएं।

पंजाब में सीमा पार से संचालित हथियार तस्करी का खुलासा, अमृतसर पुलिस ने दो आरोपी दबोचे

चंडीगढ़/अमृतसर । मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के तहत पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर पाकिस्तान आधारित तस्करों से जुड़े सीमा पार से संचालित अवैध हथियारों के एक बड़े मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। आरोपियों के कब्जे से छह आधुनिक पिस्तौल बरामद की गई हैं। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी (22), निवासी गांव रत्तोके, तरनतारन और सुरजीत सिंह (35), निवासी चेला कॉलोनी, तरनतारन के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, सुरजीत सिंह का आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट सहित कई मामले पहले से दर्ज हैं। बरामद हथियारों में दो जिंदा कारतूसों के साथ दो 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल और चार .30 बोर पिस्तौल शामिल हैं, जो किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किए जा सकते थे। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी विदेशी हैंडलरों के निर्देश पर अवैध हथियारों की तस्करी कर रहे थे और इन्हें राज्य में सक्रिय गैंगस्टरों तक पहुंचाने का काम कर रहे थे।

एनएचएआई के 4 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भारत की बढ़ती इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का प्रमाण : नितिन गडकरी

नई दिल्ली । केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा बनाए गए चार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड यह दिखाते हैं कि भारत की इंजीनियरिंग क्षमता और काम करने की ताकत तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि ये रिकॉर्ड आधुनिक तकनीक और कड़े गुणवत्ता मानकों की मदद से बनाए गए हैं।

इस महीने एनएचएआई ने बेंगलुरु-कडपा-विजयवाड़ा इकोनॉमिक कॉरिडोर पर चल रहे निर्माण कार्य के दौरान चार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड सफलतापूर्वक बनाए। यह सड़क नेशनल हाईवे-544जी का हिस्सा है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत विश्व स्तर की सड़कें बना रहा है और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में नए वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है।

मंत्री ने एनएचएआई और राजपथ इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड को बधाई दी, जिन्होंने इस 6-लेन कॉरिडोर के पैकेज-2 और पैकेज-3 में लगातार बिटुमिनस कंक्रीट (डामर की सड़क) बिछाने के लिए चार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए।

इस महीने की शुरुआत में आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी के पास एनएचएआई ने दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए थे। पहला रिकॉर्ड 24 घंटे में सबसे लंबी लगातार बिटुमिनस कंक्रीट सड़क बिछाने का था, जिसमें 3 लेन वाले 9.63 किलोमीटर लंबी सड़क (28.89 लेन किलोमीटर) बनाई गई।

दूसरा रिकॉर्ड 24 घंटे में सबसे ज्यादा 10,655 मीट्रिक टन बिटुमिनस कंक्रीट बिछाने का था। ये दोनों रिकॉर्ड इस 6-लेन नेशनल हाईवे परियोजना के तहत दुनिया में पहली बार बनाए गए।

इसके बाद 11 जनवरी को दो और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए गए, जिनमें 57,500 मीट्रिक टन बिटुमिनस कंक्रीट लगातार बिछाने का रिकॉर्ड और 156 लेन किलोमीटर या 3 लेन चौड़े 52 किलोमीटर लंबे सड़क का लगातार बनाने का रिकॉर्ड शामिल है, जिसने पुराने वर्ल्ड रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

यह 343 किलोमीटर लंबा, पूरी तरह नियंत्रित पहुंच वाला 6-लेन बेंगलुरु-कडपा-विजयवाड़ा इकोनॉमिक कॉरिडोर सुरक्षित, तेज और सुंदर यात्रा के लिए डिजाइन किया गया है।

इस कॉरिडोर में 17 इंटरचेंज, 10 वे-साइड सुविधाएं, 5.3 किलोमीटर लंबी सुरंग शामिल है। इसके अलावा, करीब 21 किलोमीटर लंबा हिस्सा जंगल क्षेत्र से होकर गुजरता है।

टीएमसी की सरकार बनने के बाद पुरुलिया में शांति और सामान्य स्थिति लौटी : अभिषेक बनर्जी

कोलकाता । तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को भाजपा सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के पुरुलिया निर्वाचन क्षेत्र से दो बार सांसद होने के बावजूद वे जिले का विकास करने में विफल रहे हैं।

पुरुलिया में अपने 'अबार जीत बे बांग्ला' (बंगाल फिर से जीतेगा) अभियान के तहत एक जनसभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने अतीत और वर्तमान के विकास की तुलना की और जिले में भाजपा का पूर्ण सफाया करने का आह्वान किया।

तृणमूल कांग्रेस सांसद ने वादा किया कि अगर ऐसा होता है, तो वे विधानसभा चुनाव परिणाम आने के छह महीने के भीतर स्थानीय लोगों की सभी मांगों को पूरा करेंगे।

केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली 11 साल की सरकार के दौरान भाजपा सांसद ने क्षेत्र में क्या विकास किया, इस पर सवाल उठाते हुए बनर्जी ने चक्रधरपुर एक्सप्रेस और पुरुलिया एक्सप्रेस जैसी महत्वपूर्ण ट्रेनों में नियमित देरी का जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि अगर एक भी ट्रेन हावड़ा समय पर नहीं पहुंच पाती, तो इतने सालों में सांसद ने क्या किया? जो ट्रेन देरी की समस्या पर कोई पहल नहीं करता, क्या वो विकास की बात करेगा? मुझे पता है कि यहां के लोगों की कई मांगें अभी तक पूरी नहीं हुई हैं, लेकिन मैं वादा करता हूं कि अगर तृणमूल पुरुलिया की सभी सीटें जीतती है, तो मैं छह महीने के भीतर आपकी सभी मांगें पूरी करने की कोशिश करूंगा।

2011 से पहले पुरुलिया की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए बनर्जी ने कहा कि एक समय लोगों को डर और अनिश्चितता में जीना पड़ता था। उन्होंने पुरुलिया में माओवादी हिंसा, राजनीतिक अशांति और प्रशासनिक गतिरोध से ग्रस्त उस दौर को भी याद किया।

कनेक्टिविटी में सुधार और विभिन्न विकास परियोजनाओं का जिक्र करते हुए, उन्होंने दावा किया कि उन भयानक दिनों के बाद, 2011 में ममता बनर्जी सरकार के सत्ता में आने के बाद, पुरुलिया में शांति और सामान्य स्थिति लौट आई।

यमुना बनेगी फिर से दिल्ली की जीवनरेखा, एक्शन मोड में रेखा सरकार

नई दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना को फिर से स्वच्छ और प्रवाहमान बनाने के लिए मिशन-मोड में ठोस एक्शन प्लान लागू करने के निर्देश दिए हैं।

यमुना बनेगी फिर से दिल्ली की जीवनरेखा, एक्शन मोड में रेखा सरकार

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को ये निर्देश मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में यमुना की मौजूदा हालत, सीवेज ट्रीटमेंट, नालों की सफाई और अनधिकृत कॉलोनियों में सीवर लाइन बिछाने जैसे कामों की समीक्षा की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना केवल नदी नहीं, बल्कि दिल्ली की जीवनरेखा है। सरकार वैज्ञानिक योजना, तय समय-सीमा और पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय स्थापित कर इसे फिर से साफ और जीवंत बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। बैठक में सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह सहित दिल्ली जल बोर्ड, पीडब्ल्यूडी, दिल्ली नगर निगम, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति, डीडीए व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में अभी 37 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) मिलकर रोजाना 814 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) गंदा पानी साफ कर रहे हैं, जो मौजूदा जरूरत के हिसाब से काफी है। लेकिन भविष्य की जरूरतों को देखते हुए सरकार ने इस क्षमता को बढ़ाकर 1500 एमजीडी करने का बड़ा लक्ष्य रखा है। इसके लिए पुरानी मशीनों को सुधारकर दिसंबर 2027 तक 56 एमजीडी और 35 नए छोटे डिसेन्ट्रलाइज्ड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (डीएसटीपी) लगाकर 170 एमजीडी अतिरिक्त क्षमता बढ़ाई जाएगी। इसके साथ ही नालों के पास नए बड़े प्लांट लगाकर दिसंबर 2028 तक 460 एमजीडी क्षमता और जोड़ी जाएगी, ताकि दिल्ली के सीवेज मैनेजमेंट को पूरी तरह चाक-चौबंद किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इससे सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि बिना साफ किया गया गंदा पानी अब यमुना में नहीं जाएगा। जैसे-जैसे सीवेज ट्रीटमेंट की क्षमता बढ़ेगी, शहर का ज्यादा से ज्यादा गंदा पानी पहले साफ होगा और फिर नदी में छोड़ा जाएगा।

'डिजिटल इंडिया' की दिशा में सरकार की बड़ी पहल; डिजीलॉकर से जुड़ा 'संपन्न' पोर्टल, पेंशनरों को होगी सुविधा

नई दिल्ली । सरकार ने बुधवार को बताया कि 'संपन्न' पेंशन पोर्टल को अब डिजीलॉकर से जोड़ दिया गया है। इससे पेंशनरों को पेंशन पेमेंट ऑर्डर (ई-पीपीओ), ग्रेच्युटी ग्रेच्युटी ऑर्डर्स और अन्य जरूरी दस्तावेज कभी भी और कहीं से ऑनलाइन मिल सकेंगे।

यह 'संपन्न' पेंशन पोर्टल कंट्रोलर जनरल ऑफ कम्युनिकेशन अकाउंट्स के कार्यालय द्वारा विकसित किया गया है। 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम के तहत दूरसंचार विभाग के सभी पेंशनरों को इस सफल इंटीग्रेशन की जानकारी दे दी गई है।

'संपन्न' के यूजर्स हर सर्विस कैटेगरी में अपना पीपीओ नंबर डालकर 'गेट डॉक्यूमेंट' पर क्लिक कर सकते हैं।

इसके बाद सिस्टम अपने आप यूजर्स की मांग के अनुरूप पेंशन सर्टिफिकेट, ग्रेच्युटी पेमेंट ऑर्डर, कम्यूटेशन पेमेंट ऑर्डर या फॉर्म-16 तैयार कर देगा।

संचार मंत्रालय के अनुसार, इस इंटीग्रेशन से पेंशनर कम्युनिकेशन स्वीकृति आदेश और फॉर्म-16 जैसे अहम दस्तावेज सीधे अपने डिजीलॉकर अकाउंट में प्राप्त कर सकेंगे।

सरकार ने कहा कि यह सुविधा स्मार्टफोन या कंप्यूटर से कभी भी और कहीं भी इस्तेमाल की जा सकती है। इससे दस्तावेज सुरक्षित रहेंगे, कागज की जरूरत खत्म होगी और बैंकिंग या मेडिकल रिइंबर्समेंट जैसे जरूरी काम आसान हो जाएंगे।

दिल्ली के प्रधान संचार लेखा नियंत्रक आशीष जोशी ने कहा कि इस पहल से कागजी दस्तावेजों की जरूरत खत्म होगी, जिससे दिल्ली-एनसीआर और अन्य जगहों के पेंशनरों का समय और पैसा बचेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि यह कदम पेंशनरों को डिजिटल रूप से आत्मनिर्भर बनाता है और सरकार के पेपरलेस डिजिटल गवर्नेंस के लक्ष्य के अनुरूप है।

पेंशनर इस सेवा को इस्तेमाल करने के लिए डिजीलॉकर.गव.इन पर आधार के जरिए लॉगिन कर सकते हैं, अपना पीपीओ नंबर लिंक कर सकते हैं और जरूरी दस्तावेज तुरंत डाउनलोड कर सकते हैं।

29 दिसंबर 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश को समर्पित किया गया 'संपन्न' पोर्टल, प्रशासन को सिस्टम-केंद्रित से पेंशनर-केंद्रित बनाने की दिशा में एक बड़ा बदलाव है। इससे सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके परिवारों को दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते।

इस पोर्टल के जरिए पेंशन की पूरी प्रक्रिया - आवेदन से लेकर प्रोसेसिंग, ई-पेंशन पेमेंट ऑर्डर जारी करना, भुगतान, लेखा-जोखा, ऑडिट और शिकायत निवारण तक डिजिटल कर दी गई है।

एनएचएआई के 4 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भारत की बढ़ती इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का प्रमाण : नितिन गडकरी

नई दिल्ली । केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा बनाए गए चार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड यह दिखाते हैं कि भारत की इंजीनियरिंग क्षमता और काम करने की ताकत तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि ये रिकॉर्ड आधुनिक तकनीक और कड़े गुणवत्ता मानकों की मदद से बनाए गए हैं। इस महीने एनएचएआई ने बेंगलुरु-कडपा-विजयवाड़ा इकोनॉमिक कॉरिडोर पर चल रहे निर्माण कार्य के दौरान चार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड सफलतापूर्वक बनाए। यह सड़क नेशनल हाईवे-544जी का हिस्सा है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत विश्व स्तर की सड़कें बना रहा है और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में नए वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है। मंत्री ने एनएचएआई और राजपथ इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड को बधाई दी, जिन्होंने इस 6-लेन कॉरिडोर के पैकेज-2 और पैकेज-3 में लगातार बिटुमिनस कंक्रीट (डामर की सड़क) बिछाने के लिए चार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए।

इस महीने की शुरुआत में आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी के पास एनएचएआई ने दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए थे। पहला रिकॉर्ड 24 घंटे में सबसे लंबी लगातार बिटुमिनस कंक्रीट सड़क बिछाने का था, जिसमें 3 लेन वाले 9.63 किलोमीटर लंबी सड़क (28.89 लेन किलोमीटर) बनाई गई। दूसरा रिकॉर्ड 24 घंटे में सबसे ज्यादा 10,655 मीट्रिक टन बिटुमिनस कंक्रीट बिछाने का था। ये दोनों रिकॉर्ड इस 6-लेन नेशनल हाईवे परियोजना के तहत दुनिया में पहली बार बनाए गए।

इसके बाद 11 जनवरी को दो और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए गए, जिनमें 57,500 मीट्रिक टन बिटुमिनस कंक्रीट लगातार बिछाने का रिकॉर्ड और 156 लेन किलोमीटर या 3 लेन चौड़े 52 किलोमीटर लंबे सड़क का लगातार बनाने का रिकॉर्ड शामिल है, जिसने पुराने वर्ल्ड रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

यह 343 किलोमीटर लंबा, पूरी तरह नियंत्रित पहुंच वाला 6-लेन बेंगलुरु-कडपा-विजयवाड़ा इकोनॉमिक कॉरिडोर सुरक्षित, तेज और सुंदर यात्रा के लिए डिजाइन किया गया है।

इस कॉरिडोर में 17 इंटरचेंज, 10 वे-साइड सुविधाएं, 5.3 किलोमीटर लंबी सुरंग शामिल है। इसके अलावा, करीब 21 किलोमीटर लंबा हिस्सा जंगल क्षेत्र से होकर गुजरता है।

डिजिटल डिटॉक्सः तन-मन दोनों के लिए जरूरी स्क्रीन से ब्रेक, महसूस करेंगे फर्क

नई दिल्ली। आज के व्यस्त और डिजिटल युग में जहां हर कोई फोन, लैपटॉप और टीवी से लगातार जुड़ा रहता है, वहीं मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए डिजिटल डिटॉक्स की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है।

नेशनल हेल्थ मिशन के अनुसार, लगातार स्क्रीन टाइम आंखों की थकान, सिरदर्द, तनाव और नींद की कमी जैसी समस्याओं को बढ़ावा देता है। गैजेट्स पर बढ़ती निर्भरता से न केवल मन और शरीर दोनों बीमार पड़ते हैं बल्कि रचनात्मकता भी खत्म हो जाती है। ऐसे में खुद के लिए समय निकालकर डिजिटल ब्रेक लेना न सिर्फ जरूरी, बल्कि स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है।

डिजिटल डिटॉक्स का मतलब है कुछ समय के लिए मोबाइल, कंप्यूटर, सोशल मीडिया और टीवी से पूरी तरह दूरी बनाना। इससे दिमाग को आराम मिलता है, तनाव कम होता है और नींद

की गुणवत्ता में सुधार आता है। कई लोग अब इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना रहे हैं और इसके सकारात्मक नतीजे देख रहे हैं। एक्सपर्ट बताते हैं कि डिजिटल डिटॉक्स कैसे करें, इसके लिए कुछ आसान और कारगर तरीके बताए गए हैं- रोजाना कम से कम 1 घंटा बिना किसी स्क्रीन के बिताएं। इस दौरान फोन को साइलेंट मोड पर या दूर रखें। घर में एक नो-डिजिटल जोन बनाएं, जैसे बेडरूम या डाइनिंग एरिया, जहां कोई भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस न ले जाया जाए। रोज कुछ समय प्रकृति के साथ बिताएं। पार्क में टहलें, पेड़-पौधों के बीच समय गुजारें या घर की बालकनी में बैठकर हवा लें। पुस्तक पढ़ने की पुरानी आदत को फिर से शुरू करें। कागज वाली किताबें पढ़ना दिमाग को सबसे ज्यादा सुकून देता है। खाने के समय मोबाइल और लैपटॉप को पूरी तरह बंद रखें। परिवार के साथ बातचीत करें और भोजन का असली मजा लें।

डिजिटल डिटॉक्स न केवल तनाव कम करता है, बल्कि रिश्तों को मजबूत बनाने, रचनात्मकता बढ़ाने और खुद से बेहतर जुड़ने का भी मौका देता है। ऐसे में ये छोटे-छोटे बदलाव तन-मन को स्वस्थ रखने में बहुत मदद करते हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि शुरुआत धीरे-धीरे करें। पहले सिर्फ शाम के 30-40 मिनट से शुरू करें और धीरे-धीरे समय बढ़ाते जाएं।

सेमीकंडक्टर से लेकर एआई मॉडल तक, भारत को 'एआई संप्रभुता' मजबूत करने की जरूरत : आईबीएम सीईओ

दावोस,। आईबीएम के चेयरमैन और सीईओ अरविंद कृष्णा ने कहा है कि भारत को अपनी 'एआई संप्रभुता' मजबूत करने के लिए सेमीकंडक्टर, एआई मॉडल बनाने और रियल लाइफ में इस्तेमाल होने वाले एप्लिकेशन पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने भारतीय उद्यमियों से कहा कि देश में ही मजबूत एआई क्षमताएं विकसित करना जरूरी है।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के दौरान दावोस में बोलते हुए अरविंद कृष्णा ने कहा कि अब छोटे और खास कामों के लिए बने एआई मॉडल, बड़े एआई मॉडल के बराबर प्रदर्शन करने लगे हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे छोटे एआई मॉडल आज करीब 95 प्रतिशत उपयोग में आ चुके हैं।

उन्होंने कहा कि भारत के लिए असली बदलाव सेमीकंडक्टर, एआई मॉडल तैयार करने और उनके इस्तेमाल वाले एप्लिकेशन में होगा। यही क्षेत्र हैं जहां से भारत को बड़ी सफलता मिल सकती है।

आईबीएम प्रमुख ने चीन के डीपसीक का उदाहरण देते हुए कहा कि एआई में सफलता कई बार असफल प्रयासों के बाद मिलती है। उन्होंने कहा कि भारत को हेल्थकेयर, डिफेंस और कानून जैसे क्षेत्रों के स्थानीय डेटा पर आधारित एआई सिस्टम बनाने चाहिए, ताकि देश की जरूरतों के मुताबिक एआई समाधान तैयार हो सकें। साथ ही उन्होंने नए प्रयोग करने और असफलता को स्वीकार करने की संस्कृति को जरूरी बताया।

इसी कार्यक्रम में केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय आईटी कंपनियां अब तेजी से एआई की ओर बढ़ रही हैं, जिससे इस सेक्टर में रोजगार भी बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि भारत इस समय 12 एआई मॉडल विकसित कर रहा है, जिनमें से कम से कम 4 मॉडल जल्द लॉन्च किए जाएंगे।

आईटी मंत्री ने कहा कि भारत छोटे लेकिन

खास सेक्टर के लिए बने एआई मॉडल पर ध्यान दे रहा है, जो अलग-अलग उद्योगों में उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद करेंगे। उन्होंने बताया कि भारत ने 70 अरब डॉलर का निवेश एआई से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं में आकर्षित किया है, जिसमें गूगल और अमेजन जैसी बड़ी कंपनियों के डेटा सेंटर भी शामिल हैं।

अश्विनी वैष्णव ने भारत के सेमीकंडक्टर प्रोग्राम में हो रही प्रगति की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश में 10 सेमीकंडक्टर फैब प्लांट निर्माणाधीन हैं, 3 पायलट प्रोजेक्ट चल रहे हैं और 4 यूनिट 2026 में व्यावसायिक रूप से काम शुरू करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार द्वारा निजी क्षेत्र को परमाणु ऊर्जा उत्पादन में अनुमति देने से बड़े स्तर पर एआई कंप्यूटिंग के लिए जरूरी ऊर्जा मिल सकेगी।

एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। भारत की सेमीकंडक्टर मांग 2022 में 33 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक 117 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है।

सरकार की 7,280 करोड़ रुपए की योजना, जो रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (आरईपीएम) के लिए है, भारत के सेमीकंडक्टर निर्माण को मजबूती देगी और जरूरी रणनीतिक कच्चे माल की सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करेगी।

अमेरिकी एजेंसी ने भारत-सिंगापुर सबमरीन केबल लिंक प्रोजेक्ट का किया समर्थन

वॉशिंगटन । अमेरिकी ट्रेड एंड डेवलपमेंट एजेंसी ने मंगलवार को भारत को सिंगापुर और दक्षिण-पूर्व एशियाई डेटा हब से जोड़ने वाले एक प्रस्तावित सबमरीन केबल सिस्टम के लिए सपोर्ट की घोषणा की। यूएसटीडीए ने कहा कि उसने एससीएनएक्स3 सबमरीन केबल सिस्टम के लिए एक फीजिबिलिटी स्टडी को फंड करने के लिए सबकनेक्स मलेशिया एसडीएन.बीएचडी. के साथ एक एग्रीमेंट साइन किया है। यह प्रोजेक्ट भारत को सिंगापुर और दक्षिण-पूर्व एशिया के दूसरे हिस्सों से जोड़ेगा और इससे लगभग 1.85 बिलियन लोगों को सर्विस मिलने की उम्मीद है। यूएसटीडीए ने कहा कि यह स्टडी केबल सिस्टम के लिए निवेश लाने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाउड-बेस्ड सर्विसेज के लिए जरूरी क्षमता बढ़ाने में मदद करने के लिए डिजाइन की गई है।

एजेंसी ने कहा कि इस कोशिश के जरिए यह सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी कि इंटरनेशनल नेटवर्क भरोसेमंद और सुरक्षित रहें। इसके साथ ही साइबर खतरों और विदेशी दखलंदाजी के खतरे को कम किया जा सके। यह एग्रीमेंट हवाई के होनोलूलू में पैसिफिक टेलीकम्युनिकेशंस काउंसिल 26 कॉन्फ्रेंस में साइन किया गया था।

यूएसटीडीए के डिप्टी डायरेक्टर थॉमस आर हार्डी ने कहा, 'सेंसिटिव डेटा और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को साइबर हमलों और विदेशी जासूसी से बचाने के लिए सुरक्षित, अमेरिका में बनी सबसी केबल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना जरूरी है। यह प्रोजेक्ट दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में हमारे साझेदारों की रणनीतिक प्राथमिकता को आगे बढ़ाता है और वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में अमेरिका के नेतृत्व को मजबूत करता है।'

सबकनेक्स ने फिजिबिलिटी स्टडी करने के लिए फ्लोरिडा की एपीटेलीकॉम एलएलसी को चुना है। स्टडी रूट डिजाइन, इंजीनियरिंग, फाइनेंशियल मॉडलिंग, कमर्शियलाइजेशन प्लानिंग और रेगुलेटरी एनालिसिस पर फोकस करेगी।

यूएसटीडीए के मुताबिक, इस काम का मकसद एससीएनएक्स3 केबल प्रोजेक्ट के लिए निजी निवेश को बढ़ाना और शुरुआती स्टेज के रिस्क को कम करना है। अमेरिकी एजेंसी ने कहा कि सिस्टम के टेक्निकल और कमर्शियल फ्रेमवर्क को बनाने में अमेरिकी विशेषज्ञ अहम भूमिका निभाएंगे।

प्लान किया गया केबल रूट दक्षिण भारत में चेन्नई को सिंगापुर से जोड़ेगा। एजेंसी ने कहा कि भारत, मलेशिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया में और लैंडिंग पॉइंट पर विचार किया जा रहा है। यूएसटीडीए ने कहा कि केबल के बनने से अमेरिकी हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और सर्विस प्रोवाइडर्स के लिए पूरे इलाके में भरोसेमंद सॉल्यूशन सप्लाई करने के नए मौके बन सकते हैं। एससीएनएक्स3 सबमरीन केबल का मकसद भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया में बढ़ती कनेक्टिविटी चुनौतियों का सामना करना है। यूएसटीडीए ने कहा कि बढ़ती डिजिटल डिमांड और सीमित रूट डायवर्सिटी ने मौजूदा नेटवर्क को आउटेज और सिक्योरिटी रिस्क के प्रति कमजोर बना दिया है।

इस प्रोजेक्ट के जरिए नए और मजबूत डेटा पाथवे जोड़कर डिजिटल एक्सेस में सुधार लाया जा सकता है। इसके साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाउड सर्विसेज की ग्रोथ को सपोर्ट मिलने की उम्मीद है। अमेरिकी एजेंसी ने कहा कि यह केबल दक्षिण और दक्षिणपूर्व एशिया में सरकारों, बिजनेस और नागरिकों के लिए सुरक्षित और भरोसेमंद कम्युनिकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर देगा। सबकॉनेक्स के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर साइमन जेटल ने कहा कि यह प्रोजेक्ट इस इलाके के डिजिटल बैकबोन को मजबूत करने के लिए एक जरूरी कदम है।

एआई कुछ नौकरियों को बेहतर बना रहा है, तो कुछ की जगह भी ले रहा है, स्किल्स पर फोकस जरूरी : आईएमएफ प्रमुख

दावोस । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की मैनेजिंग डायरेक्टर क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की वजह से लेबर मार्केट यानी नौकरी के क्षेत्र में सुनामी जैसी स्थिति उत्पन्न हो रही है। उन्होंने कहा कि एआई कुछ नौकरियों को बेहतर बना रहा है, तो वहीं कुछ नौकरियों की जगह भी ले रहा है।

दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के दौरान एक सत्र में बोलते हुए जॉर्जीवा ने कहा कि दुनिया अब एआई के दौर में प्रवेश कर चुकी है, लेकिन उन्हें चिंता है कि एआई से मिलने वाले मौके हर जगह एक जैसे नहीं हैं। कहीं ज्यादा अवसर हैं तो कहीं बहुत कम।

उन्होंने कहा, 'एआई तेजी से अर्थव्यवस्थाओं को बदल रहा है। कुछ काम बढ़ रहे हैं, कुछ खत्म हो रहे हैं। हमें लोगों की स्किल्स बढ़ाने में निवेश करना होगा और समाज को इसके लिए तैयार करना होगा। आईएमएफ प्रमुख ने बताया कि एआई की वजह से अनुवाद, भाषा समझने और रिसर्च से जुड़े कामों में उत्पादन क्षमता बढ़ रही है। इन क्षेत्रों में एआई लोगों की मदद कर रहा है, उनकी जगह नहीं ले रहा। लेकिन उन्होंने उन समुदायों को लेकर चिंता जताई जहां एआई की पहुंच अभी भी नहीं है।

आईएमएफ के अनुसार, दुनिया में औसतन 40 प्रतिशत नौकरियां एआई से प्रभावित हो रही हैं। इनमें कुछ नौकरियां बेहतर बन रही हैं, कुछ बदल रही हैं और कुछ खत्म भी हो सकती हैं। विकसित देशों में यह असर करीब 60 प्रतिशत नौकरियों पर है, जबकि गरीब देशों में यह 20 से 26 प्रतिशत के बीच है।

जॉर्जीवा ने कहा कि एआई की वजह से वैश्विक आर्थिक विकास पर 0.1 से 0.8 प्रतिशत तक का असर पड़ सकता है। अगर उत्पादन क्षमता में 0.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी होती है, तो दुनिया की आर्थिक ग्रोथ कोरोना महामारी से पहले के स्तर से भी ज्यादा हो सकती है।

इस सत्र में भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सिर्फ बड़ा एआई मॉडल बनाना ही किसी देश को ताकतवर नहीं बनाता। उन्होंने कहा कि हमें पांचवीं औद्योगिक क्रांति की अर्थव्यवस्था को समझना होगा। इस दौर में असली ताकत आरओआई यानी निवेश पर मिलने वाले लाभ से आएगी। सबसे कम लागत में सबसे ज्यादा फायदा पाने वाली तकनीक ही सफल होगी।

सऊदी अरब के निवेश मंत्रालय के निवेश मंत्री खालिद अल-फालीह ने कहा कि एआई को लेकर दुनिया में तेज प्रतिस्पर्धा चल रही है।

डब्ल्यूपीएल 2026: दिल्ली कैपिटल्स की विस्फोटक बल्लेबाज लिजेली ली पर जुर्माना

वडोदरा । दिल्ली कैपिटल्स ने मंगलवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ 7 विकेट से जीत दर्ज की, लेकिन इसके बाद टीम को बड़ा झटका लगा है। बीसीए स्टेडियम में कैपिटल्स की सलामी बल्लेबाज लिजेली ली ने 46 रन की पारी खेली, लेकिन मुकाबले के दौरान कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन करने के लिए उनकी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही ली के खाते में एक डिमेरिट प्वाइंट भी जोड़ा गया है।

विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की प्रेस रिलीज में कहा गया है, 'ली ने कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.2 के तहत लेवल 1 का अपराध स्वीकार किया। लेवल 1 के उल्लंघन के लिए, मैच रेफरी का फैसला अंतिम और बाध्यकारी होता है।' विकेटकीपर-बल्लेबाज ने अपने लेवल 1 के अपराध के साथ जुर्माने को स्वीकार कर लिया है।

यह वाकया दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की बल्लेबाजी के दौरान हुआ। ली शानदार फॉर्म में नजर आ रही थीं। इस दौरान उन्होंने कुछ गेंदों को बाउंड्री के पार भी भेजा। हालांकि, 11वें ओवर में तीसरे अंपायर द्वारा रिव्यू के बाद उन्हें स्टंप आउट करार दिया गया।

ली 28 गेंदों में 1 छक्के और 7 चौकों के साथ 46 रन बना चुकी थीं। वह अपने अर्धशतक से सिर्फ 4 रन दूर थीं। रिप्ले में दिखा कि जब विकेटकीपर राहिरा फिरदौस ने बेल्स गिराईं, तो ली का बल्ला कुछ समय के लिए क्रीज से ऊपर उठा था, लेकिन अंपायर के फैसले से ली काफी निराश दिखीं।

जब स्क्रीन पर लगभग पांच मिनट के रिव्यू के बाद ली के आउट होने की पुष्टि हुई, तो उन्होंने ऑन-फील्ड अंपायर वृंदा राठी के साथ बहस की, जिसके परिणामस्वरूप कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन हुआ। मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने 5 विकेट खोकर 154 रन बनाए। इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 19 ओवरों में जीत दर्ज कर ली।

साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी लिजेली ली को डब्ल्यूपीएल नीलामी में उनके बेस प्राइस 30 लाख रुपये में खरीदा गया था। वह डीसी के लिए एक बेहतरीन खिलाड़ी साबित हुई हैं। डब्ल्यूपीएल 2026 में लिजेली ली 5 मुकाबलों में 42.60 की औसत के साथ 213 रन बना चुकी हैं।

आईपीएल 2026 का शेड्यूल जारी करने के लिए चुनाव तारीखों और टीम वेन्यू फाइनल होने का इंतजार: बीसीसीआई

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के शेड्यूल का ऐलान अभी तक नहीं किया जा सका है। कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। बीसीसीआई इंतजार कर रही है कि राज्यों में चुनाव की तारीखों का ऐलान हो जाए, उसके बाद आईपीएल 2026 के शेड्यूल की घोषणा की जाए ताकि चुनाव और मैचों के बीच क्लैश वाली स्थिति न बने।

इसके अलावा, बीसीसीआई कुछ टीमों के होम वेन्यू निर्धारित करने का भी इंतजार कर रहा है।

आईएएनएस को मिली जानकारी के मुताबिक बीसीसीआई ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को इस सप्ताह के अंत तक अपने होम वेन्यू तय करने का निर्देश दिया है। आरसीबी का होम वेन्यू एम चिन्नास्वामी स्टेडियम, बेंगलुरु है, जबकि आरआर जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम और कुछ मैचों के लिए गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में खेलती है।

आरआर के लिए होम वेन्यू तय करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो रहा है। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में प्रशासनिक समस्याओं के कारण जयपुर स्टेडियम में अनिश्चितता बनी हुई है। बीसीसीआई ने कहा है कि जरूरत पड़ी तो राजस्थान रॉयल्स को पुणे के एमसीए स्टेडियम को अपने बैकअप होम वेन्यू के रूप में उपयोग करना पड़ सकता है।

आरसीबी के लिए भी होम वेन्यू को लेकर चर्चा चल रही है। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम को हाल ही में आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच का आयोजन करने की मंजूरी दी गई है, लेकिन यह अनुमति राज्य सरकार और संबंधित अधिकारियों द्वारा तय नियमों और शर्तों के आधार पर निर्भर है। आरसीबी के उपाध्यक्ष राजेश मेनन ने नया रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दो मैच खेलने की संभावना के संबंध में छत्तीसगढ़ के सीएम से मुलाकात की थी।

बीसीसीआई का लक्ष्य है कि आईपीएल 2026 का शेड्यूल ऐसा हो कि किसी भी राज्य में होने वाले चुनाव और मैचों में टकराव न हो। इसके लिए बोर्ड टीमों के फैसलों और चुनाव की तारीखों की घोषणा दोनों का इंतजार कर रहा है। एक बार जब आरसीबी और आरआर अपने होम वेन्यू फाइनल कर लेंगी और चुनाव की तारीखें घोषित हो जाएंगी, बीसीसीआई आईपीएल 2026 के शेड्यूल को अंतिम रूप देगी। आईपीएल 2026 की तैयारियों में यह विलंब चुनाव और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के कारण हो रहा है, लेकिन बोर्ड यह सुनिश्चित करना चाहता है कि सभी मैच बिना किसी बाधा के सुचारू रूप से हों।

आईसीसी वनडे रैंकिंग: डेरिल मिचेल बने नंबर वन बल्लेबाज, विराट कोहली को पछाड़ा

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के धाकड़ बल्लेबाज डेरिल मिचेल वनडे फॉर्मेट के नए नंबर वन बल्लेबाज बन गए हैं। बुधवार को आईसीसी द्वारा जारी वनडे की ताजा रैंकिंग में मिचेल ने कोहली को पछाड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया।

डेरिल मिचेल ने भारत के खिलाफ हाल में संपन्न तीन वनडे मैचों की सीरीज में 2 शतक और 1 अर्धशतक लगाया था और प्लेयर ऑफ द सीरीज रहते हुए अपनी टीम को पहली बार भारत में वनडे सीरीज जीतने में सफलता दिलायी थी। इंदौर में खेले गए तीसरे वनडे में मिचेल के शतक के बाद माना जा रहा था कि वह आईसीसी की अगली रैंकिंग में वनडे फॉर्मेट के शीर्ष बल्लेबाज बन जाएंगे। मिचेल ने एक स्थान की छलांग लगाते हुए पहला स्थान हासिल किया है।

पिछली बार जारी रैंकिंग में पहला स्थान हासिल करने वाले विराट कोहली को एक स्थान का नुकसान हुआ है। विराट अब दूसरे स्थान पर चले गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज की तीन पारियों में विराट ने भी 1 शतक और एक अर्धशतक लगाया था। अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान को एक स्थान का फायदा हुआ है। जादरान तीसरे स्थान पर चले गए हैं। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के लिए न्यूजीलैंड सीरीज निराशाजनक रही थी। रोहित तीनों ही मैच में मिली शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में सफल नहीं रहे थे। वह एक भी अर्धशतक नहीं लगा सके। इसका असर उनकी रैंकिंग पर पड़ा है। एक स्थान के नुकसान के साथ रोहित चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। भारतीय कप्तान शुभमन गिल पांचवें और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम छठे नंबर पर हैं।

अंडर 19 वर्ल्ड कप: 36 ओवरों में सिर्फ 85 रन पर ऑलआउट तंजानिया, पूरी पारी में महज 2 चौके

विंडहोक । अफगानिस्तान के खिलाफ बुधवार को हाई परफॉर्मेंस ओवल में जारी अंडर 19 वर्ल्ड कप 2026 के 18वें मुकाबले में तंजानिया सिर्फ 85 रन पर सिमट गई। यह टीम 36 ओवरों में सिर्फ 2 ही चौके लगा सकी। 11 बल्लेबाज मिलकर एक अदद छक्का नहीं लगा सके।

इस टीम के सिर्फ 3 बल्लेबाजों ने दहाई का आंकड़ा छुआ। 8 बल्लेबाज दोहरे अंकों तक नहीं पहुंच सके, जिनमें तीन खिलाड़ी खाता तक खोलने में नाकाम रहे। ग्रुप डी के इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला तंजानिया को भारी पड़ा। यह टीम महज 36 ओवर ही मैदान पर टिक सकी।

तंजानिया को 1.4 ओवर में पहला झटका लगा। एक्रे पास्कल ह्यूगो 9 गेंदों में 3 रन बनाकर आउट हुए। अगले ओवर में दर्पण जोबनपुत्रा (0) भी चलते बने। इस टीम ने 5 के स्कोर तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट खो दिए थे। यहां से अयान शरीफ ने रेहान आतिफ के साथ पारी संभालने की कोशिश की। अयान 8 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रेहान ने 11 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। अगस्टिनो मेया म्वामेले ने कप्तान लक्ष बकरानिया के साथ पांचवें विकेट के लिए 35 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन 81 गेंदों में यह जोड़ी टूट गई। म्वामेले ने 49 गेंदों का सामना करते हुए महज 14 रन बनाए, जबकि बकरानिया 46 गेंदों में 10 रन ही जुटा सके।

अफगानिस्तान की तरफ से नूरिस्तानी उमरजई ने 7 ओवरों में महज 9 रन देकर 5 विकेट हासिल किए, जिसमें 2 ओवर मेडन रहे। इनके अलावा, उजैरउल्लाह नियाजी ने 9 रन देकर 2 विकेट निकाले। वहीदुल्लाह जादरान और खातिर स्टानिकजई ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

ग्रुप डी में तंजानिया शुरुआती दोनों मुकाबले गंवाने के बाद चौथे स्थान पर मौजूद है। इस टीम को वेस्टइंडीज ने 5 विकेट से मात दी थी, जिसके बाद तंजानिया को साउथ अफ्रीका ने 329 रन से रौंदा। लगातार तीसरा मैच गंवाने के बाद तंजानिया अगले दौर की रेस से बाहर हो जाएगी।

श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे के लिए इंग्लैंड ने किया प्लेइंग इलेवन का ऐलान, 25 महीने बाद जैक क्रॉली को मौका

कोलंबो । इंग्लैंड क्रिकेट टीम और श्रीलंका के बीच 3 वनडे मैचों की सीरीज की शुरुआत गुरुवार से हो रही है। पहला मुकाबला कोलंबो के आर प्रेमदासा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच के लिए इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है।

इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन में सबसे चौंकाने वाला नाम सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली का है। क्रॉली इंग्लैंड के लिए बेन डकेट के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। 27 साल के जैक क्रॉली को लंबे समय बाद वनडे टीम में जगह दी गई है। उन्होंने अपना आखिरी वनडे वेस्टइंडीज के खिलाफ 9 दिसंबर 2023 को खेला था। उस मैच में वह खाता नहीं खोल सके थे। क्रॉली ने अब तक 8 वनडे खेले हैं जिसमें 2 अर्धशतकों की मदद से 199 रन उनके नाम हैं। नाबाद 58 उनका सर्वाधिक स्कोर है।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए जो रूट, चौथे नंबर पर जैकब बेथेल और पांचवें नंबर पर कप्तान हैरी ब्रूक आएंगे। इसके बाद जोस बटलर और विल जैक्स आएंगे। टीम में ऑलराउंडर सैम करन को भी जगह दी गई है, जो इन दिनों लीग क्रिकेट में गेंद और बल्ले से दमदार प्रदर्शन कर रहे हैं। तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन के अलावा स्पिनर लियम डॉसन और आदिल राशिद को प्लेइंग इलेवन में जगह दी गई है। आदिल राशिद और लियम डॉसन स्पिनरों के अनुकूल मानी जाने वाली पिच पर इंग्लैंड के लिए कमाल कर सकते हैं।

सीरीज शुरू होने से ठीक एक दिन पहले श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने चरिथ असलांका की कप्तानी में 17 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है। टी20 विश्व कप 2026 में कप्तानी गंवाने वाले असलांका को वनडे टीम की कप्तानी सौंपी गई है।

पहले वनडे के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन जैक क्रॉली, बेन डकेट, जो रूट, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), विल जैक्स, सैम करन, जेमी ओवरटन, लियम डॉसन, आदिल राशिद।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए श्रीलंका की टीम

चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, पवन रथनायके, धनंजय डी सिल्वा, जेनिथ लियानागे, कामिंडू मेंडिस, डुनिथ वेल्लालेज, वानिंदू हसरंगा, जेफरी वेंडरसे, महेश तीक्षणा, मिलन रथनायके, असिथा फर्नांडो, प्रमोद मदुशन, ईशान मलिंगा।

ऑस्ट्रेलिया ओपन: पुरुष डबल्स के दूसरे राउंड में पहुंचे भांबरी-गारान्सन

मेलबर्न । भारत के युकी भांबरी और उनके स्वीडिश पार्टनर आंद्रे गारान्सन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 मेंस डबल्स इवेंट के दूसरे राउंड में जगह बना ली है। भांबरी-गारान्सन की जोड़ी ने बुधवार को मेलबर्न में स्थानीय वाइल्ड कार्ड जेम्स डकवर्थ और क्रूज हेविट को 6-3, 6-4 से मात दी। 10वीं सीड वाली इंडो-स्वीडिश जोड़ी ने यह मुकाबला सिर्फ 57 मिनट में अपने नाम किया। अब दूसरे राउंड में, भांबरी और गोरान्सन का मुकाबला या तो मैक्सिको के सैंटियागो गोंजालेज और नीदरलैंड के डेविड पेल या फिर ब्राजील की जोड़ी मार्सेलो मेलो और फर्नांडो रोम्बोली से होगा। बुधवार को भांबरी और गोरान्सन ने शुरू से ही मैच पर दबदबा बनाए रखते हुए लगभग परफेक्ट सर्विस की। पहले सेट में, उन्होंने अपने पांच में से चार सर्विस गेम बिना कोई प्वाइंट गंवाए जीते। नौवें गेम में सिर्फ एक प्वाइंट गंवाया। डकवर्थ और हेविट के खिलाफ 8वें गेम में सिर्फ एक ब्रेक सेट को जीतने के लिए काफी था।

यह लय दूसरे सेट में भी जारी रही, जहां भांबरी और गोरान्सन ने एक बार फिर अपने पांच में से चार सर्विस गेम बगैर कोई प्वाइंट गंवाए जीत लिए। 7वें गेम में एक निर्णायक ब्रेक मैच खत्म करने के लिए काफी साबित हुआ।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में भांबरी का सबसे अच्छा प्रदर्शन 2014 में आया था, उस समय भांबरी न्यूजीलैंड के माइकल वीनस के साथ तीसरे राउंड में पहुंचे थे। ग्रैंड स्लैम में उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन पिछले साल आया था, जब यह जोड़ी यूएस ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंची थी। भांबरी मिक्स्ड डबल्स इवेंट में अमेरिका की निकोल मेलिचर-मार्टिनेज के साथ जोड़ी बनाएंगे, जो 2018 विंबलडन चैंपियन हैं।

अंडर 19 वर्ल्ड कप: इतिहास रचने से महज 2 रन दूर रह गया इंग्लिश बल्लेबाज, टूटते-टूटते बचा 'महारिकॉर्ड'

हरारे । बेन मेयस अंडर-19 वर्ल्ड कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले इंग्लिश बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ महज 65 गेंदों में यह कारनामा किया, लेकिन मेयस एक 'महारिकॉर्ड' तोड़ने से महज 2 रन दूर रह गए।

बेन मेयस ने ताकाशिंगा स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए इस मुकाबले में 117 गेंदों का सामना किया, जिसमें 8 छक्कों और 18 चौकों के साथ 191 रन बनाए। इसी के साथ मेयस श्रीलंकाई बल्लेबाज विरान चामुदिथा का महारिकॉर्ड तोड़ने से महज 2 रन दूर रह गए, जिन्होंने 17 जनवरी 2026 को जापान के विरुद्ध 143 गेंदों में 192 रन बनाए थे।

अंडर-19 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे बड़ी पारी खेलने वालों में मेयस हसिथा बोयागोड़ा की बराबरी पर पहुंच गए हैं, जिन्होंने 23 जनवरी 2018 को केन्या के विरुद्ध 152 गेंदों में 191 रन बनाए थे।

इस मैच में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी इंग्लैंड की टीम ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 404 रन बनाए। टीम महज 12 रन पर बेन डॉकिन्स (5) का विकेट गंवा चुकी थी। यहां से जोसेफ मूर्स ने बेन मेयस के साथ दूसरे विकेट के लिए 129 गेंदों में 188 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 200 के स्कोर तक पहुंचाया। जोसेफ 65 गेंदों में 81 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 4 छक्के और 5 चौके शामिल थे।

मेयस ने एक छोर पर मोर्चा संभाले रखा। उन्होंने कप्तान थॉमस रेव (22) के साथ 47 रन, जबकि कैलेब फाल्कनर (32) के साथ चौथे विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की। इसके बाद राल्फी अल्बर्ट (13) के साथ 18 गेंदों में 23 रन जुटाए।

मेयस 191 रन की पारी खेलकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद फरहान अहमद (नाबाद 15) ने सेबेस्टियन मॉर्गन (नाबाद 24) के साथ 40 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को 400 के पार पहुंचाया। स्कॉटलैंड की तरफ से जेक वुडहाउस ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि फिनले जोन्स ने 2 विकेट निकाले। इनके अलावा, मैक्स चैपलिन ने 1 विकेट अपने नाम किया।

टी20 सीरीज: न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी, ईशान किशन की भारतीय टीम में वापसी

नागपुर । न्यूजीलैंड ने बुधवार को विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में जारी टी20 सीरीज के पहले मैच में टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया है। ईशान किशन को लंबे वक्त बाद भारत की प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया है। वहीं, क्रिस्टियन क्लार्क को न्यूजीलैंड की टी20 टीम में डेब्यू कर रहे हैं। न्यूजीलैंड के विरुद्ध वनडे सीरीज 1-2 से गंवाने के बाद भारतीय टीम की कोशिश 5 मुकाबलों की टी20 सीरीज अपने नाम करने की होगी। यहां पिच में काफी दरारें हैं। जब पिछली बार न्यूजीलैंड ने यहां खेला, तो गेंद काफी टर्न हुई थी, लेकिन इस मुकाबले में ऐसा नहीं होगा। दरारें चौड़ी हैं, इसलिए गेंद किनारों से लगकर थोड़ी हरकत करती नजर आएगी। बुधवार को यहां ओस ज्यादा नहीं होगी। टॉस जीतने के बाद कीवी कप्तान मिशेल सेंटनर ने कहा, 'हम पहले गेंदबाजी करेंगे। विकेट काफी अच्छा और हाई-स्कोरिंग लग रहा है। पिछला हफ्ता बेहद खास था। हर टीम जानती है कि भारत आकर जीतना कितना मुश्किल होता है, लेकिन यह एक नई सीरीज है। भारत अपने घर में एक मजबूत टीम है। वर्ल्ड कप की तैयारी के लिहाज से हमारे लिए यह एक शानदार शुरुआत है। हमारी प्लेइंग इलेवन में तीन सीमर हैं। क्लार्क डेब्यू कर रहे हैं, जैमीसन और डफी भी खेल रहे हैं। टॉस गंवाने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा, 'हम पहले बॉलिंग करना चाहते थे, क्योंकि हमें लगा कि हमारी प्रैक्टिस के दौरान 8.30 बजे के आसपास ओस थी। हमें बोर्ड पर रन बनाने में कोई दिक्कत नहीं है और हमने पहले बैटिंग करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है। श्रेयस, हर्षित, बिश्नोई और कुलदीप टीम में नहीं हैं। भारत की प्लेइंग इलेवन: अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती।

न्यूजीलैंड की प्लेइंग इलेवन: टिम रॉबिन्सन, डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डेरिल मिशेल, मिशेल सेंटनर (कप्तान), क्रिस्टियन क्लार्क, काइल जैमीसन, ईश सोढ़ी और जैकब डफी

बीबीएल: बारिश से प्रभावित मुकाबले में हरिकेंस की रोमांचक जीत, चैलेंजर मुकाबले में बनाई जगह

होबार्ट । होबार्ट हरिकेंस ने बुधवार को बेलेरिव ओवल में खेले गए बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 के नॉकआउट मैच में मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर 3 रन से रोमांचक जीत दर्ज की। इसी के साथ हरिकेंस ने चैलेंजर मुकाबले में जगह बना ली है, जहां उसका सामना 23 जनवरी को सिडनी सिक्सर्स से होगा।

बारिश से प्रभावित मुकाबले के दौरान ओवरों की कटौती की गई। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी होबार्ट हरिकेंस ने 10 ओवरों में 5 विकेट खोकर 114 रन बनाए।

इस टीम को महज 8 के स्कोर पर मिशेल ओवेन के रूप में झटका लगा, जो 4 गेंदों में 7 रन बनाकर आउट हुए। यहां से टिम वार्ड ने ब्यू वेबस्टर के साथ दूसरे विकेट के लिए 30 रन जुटाए। टिम वार्ड ने 10 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इसके बाद वेबस्टर ने मोर्चा संभाला, जिन्होंने 26 गेंदों में 3 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 47 रन की पारी खेली। इस दौरान निखिल चौधरी (24) के साथ 20 गेंदों में 37 रन जुटाए। विपक्षी खेमे से हारिस रऊफ ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए, जबकि ग्लेन मैक्सवेल, टॉम करन और मार्कस स्टोइनिस ने 1-1 विकेट निकाला।

इसके जवाब में मेलबर्न स्टार्स को 10 ओवरों में 115 रन का टारगेट मिला था। टीम ने दूसरे ओवर की पहली गेंद पर थॉमस रॉजर्स (4) का विकेट गंवा दिया। टीम इस ओवर की समाप्ति तक 9 रन बनाकर 1 विकेट गंवा चुकी थी, लेकिन बारिश ने एक बार फिर दस्तक दे दी। जब खेल फिर से शुरू हुआ, तो स्टार्स को 7 ओवरों में 85 रन का संशोधित लक्ष्य दिया गया। यहां से जो क्लार्क ने मोर्चा संभाला। उन्होंने 17 गेंदों में 1 छक्के और 4 चौकों के साथ 31 रन की पारी खेली।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा राधिका प्रिंटर्स, बी-60, कृष्ण कुन्ज गली, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली-53 से मुद्रित और मकान संख्या सी-438/बी, गली नं. 20, भजनपुरा, दिल्ली-110053 से प्रकाशित
संपादक : सुजीत कुमार, मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesaridelhi@gmail.com, पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र वयन एवं सपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा